PRGI Reg. No. : CTHIN/25/A1911

हिन्दी दैनिक

लोकतंत्र प्रहरी

● वर्ष-01 ● अंक- 207 ● भिलाई, शनिवार 21 फरवरी 2026 ● हिन्दी दैनिक ● पृष्ठ संख्या-8 ● मूल्य - 2 रुपया ● संपादक- संजय तिवारी, मो. 9200000214

संक्षिप्त समाचार

शिवाजी महाराज की जयंती पर शिवनेर किले में भारी भीड़ से टूटी रेलिंग

पुणे। छत्रपति शिवाजी महाराज की जयंती पर महाराष्ट्र के पुणे में शिवनेरी किले के अंदर रेलिंग टूटने से कई लोग जख्मी हो गए। घायलों में महिलाएं और बच्चे बताए जा रहे हैं। इस घटना के कारण किले में भगदड़ जैसी स्थिति पैदा हो गई। हालांकि, पुलिस प्रशासन ने तत्काल कदम उठाते हुए हालातों को संभाल लिया। जानकारी के अनुसार, शिवाजी महाराज की जयंती के अवसर पर पुणे जिले के शिवनेरी किले में गुरुवार को बड़ी संख्या में लोग पहुंचे। बुधवार रात से ही किले में लोगों का आना शुरू हो चुका था। इनमें पारंपरिक शिव ज्योत लेकर आने वाले लोग और अलग-अलग संगठनों के सदस्य शामिल हैं। इस भारी भीड़ की वजह से परिसर के अंदर आने-जाने की जरूरी जगहें लगभग बंद हो चुकी थीं। भीड़ के भारी दबाव के कारण किले के अंदर एक रेलिंग टूट गई। इससे वहां अफरातफरी का माहौल बन गया। बाहर निकलने की बेचैनी में कुछ लोग दूसरों की मदद से ऊपर चढ़ने लगे थे। बताया गया कि अंबरखाना के नीचे स्थित हाथी दरवाजा क्षेत्र और गणेश दरवाजा जैसे संकरे रास्ते भी भीड़ के कारण लगभग बंद हो गए।

अमेरिका-चीन पर निर्भर नहीं रहना चाहते भारत और फ्रांस

नई दिल्ली। इमैनुएल मैक्रों ने कहा है कि भारत और फ्रांस अमेरिका या चीन के एआई मॉडल पर पूरी तरह निर्भर नहीं रहना चाहते। उन्होंने कहा कि दोनों देशों के साथ-साथ पूरे यूरोप में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के क्षेत्र में रणनीतिक स्वायत्तता हासिल करने का साझा संकल्प है। मैक्रों ने जोर देकर कहा, मैं सच में मानता हूं कि भारत, फ्रांस और यूरोप में हमारा एक ही जुनून है कि हम अमेरिका या चीन के किसी एक मॉडल पर पूरी तरह निर्भर नहीं होना चाहते। हमें एक व्यापक और संतुलित मॉडल चाहिए। फ्रांसीसी राष्ट्रपति का यह बयान ऐसे समय में आया है जब दुनिया भर में एआई की दौड़ तेज हो चुकी है और कुछ बड़े वैश्विक खिलाड़ी बाजार पर हावी हैं। मैक्रों ने भारत, फ्रांस और यूरोप से एकजुट होकर ऐसा ढांचा तैयार करने की अपील की जो तकनीकी संप्रभुता को प्राथमिकता दे और किसी एक देश या कंपनी पर आंख मूंदकर भरोसा न करे।

महाराष्ट्र के अमरावती में भीषण सड़क हादसा, बस-ऑटो की टक्कर

अमरावती। महाराष्ट्र के अमरावती जिले में एक रूह कंपा देने वाली दुर्घटना सामने आई है। तेज रफ्तार के कहर ने कई परिवारों की खुशियां छीन लीं। वहीं, उत्तर प्रदेश के नोएडा में भी एक तेज रफ्तार वाहन की चपेट में आने से एक व्यक्ति ने अपनी जान गंवा दी है। महाराष्ट्र के अमरावती जिले के वरूड आष्टी मार्ग पर स्थित राजुरा बाजार इलाके में यह भीषण हादसा हुआ। यहां तेज रफ्तार से आ रही एक शिवाई बस ने सामने से आ रहे ऑटो को इतनी जोरदार टक्कर मारी कि ऑटो के पूरी तरह से परखच्चे उड़ गए।

स्लोवाकिया-लिकटेंस्टीन से बड़े करार

पीएम मोदी ने दुनिया को दिया एआई डेमोक्रेसी' का मंत्र...

नई दिल्ली/ एजेंसी

भारत की अध्यक्षता में आयोजित 'इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट 2026' न केवल तकनीक बल्कि कूटनीति का भी एक बड़ा केंद्र बन गया है। इस शिखर सम्मेलन के इतर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वैश्विक नेताओं के साथ मुलाकातों का सिलसिला जारी रखा जिसमें एआई के लोकतंत्रीकरण और द्विपक्षीय व्यापार को नई ऊंचाइयों पर ले जाने का संकल्प लिया गया। पीएम मोदी ने स्लोवाकिया के राष्ट्रपति, लिकटेंस्टीन के प्रिंस, श्रीलंका के राष्ट्रपति और संयुक्त राष्ट्र के महासचिव के साथ महत्वपूर्ण द्विपक्षीय वार्ताएं कीं। प्रधानमंत्री मोदी और स्लोवाकिया गणराज्य के राष्ट्रपति पीटर पेलेग्रिनी के बीच हुई मुलाकात बेहद खास रही। विदेश मंत्रालय के अनुसार, दोनों नेताओं ने व्यापार और निवेश, डिजिटल टेक्नोलॉजी, रक्षा, अंतरिक्ष, ऊर्जा और संस्कृति सहित द्विपक्षीय संबंधों के पूरे स्पेक्ट्रम की समीक्षा की। दोनों देशों ने विशेष रूप से डिजिटल क्षेत्र में आपसी लाभ के लिए संबंधों को और मजबूत करने पर सहमति जताई। नेताओं ने 'भारत-ईयू संयुक्त व्यापक रणनीतिक एजेंडा 2030' को अपनाने से संबंधों में आई नई तेजी का भी स्वागत किया। समिट के दौरान तकनीक के मानवीय पक्ष पर जोर देते हुए स्लोवाकिया के राष्ट्रपति ने पीएम मोदी को एक सफल आयोजन के लिए बधाई दी। उन्होंने 'एक्स' पर पोस्ट किया कि एआई को इस तरह से विकसित किया जाना चाहिए कि इसका लाभ केवल कुछ चुनिंदा लोगों को नहीं, बल्कि आम जनता को भी मिले। दोनों नेता इस बात पर सहमत हुए कि नवाचार, सुरक्षित तकनीक और ऊर्जा क्षेत्र में अकादमिक विशेषज्ञों के आदान-प्रदान के माध्यम से गहरे सहयोग को बढ़ावा दिया जाएगा। पीएम मोदी ने लिकटेंस्टीन के वंशानुगत राजकुमार, एलोइस फिलिप मारिया के साथ भी द्विपक्षीय सहयोग की समीक्षा की। इस वार्ता का मुख्य केंद्र भारत-ईएफटीए समझौते के तहत व्यापार, निवेश और एआई जैसी नई तकनीकों में सहयोग बढ़ाना था। इसके अलावा, नवाचार और कौशल विकास के क्षेत्र में भी दोनों देशों के बीच भविष्य की योजनाओं पर चर्चा हुई। शिखर सम्मेलन के मौके पर पीएम मोदी ने यूएन के महासचिव एंटोनियो गुटेरेस और श्रीलंका के राष्ट्रपति अनुरा कुमारा दिसानायके से भी मुलाकात की। यूएन प्रमुख के साथ वार्ता में वैश्विक विकास और विभिन्न क्षेत्रों में द्विपक्षीय प्रगति पर चर्चा हुई जबकि श्रीलंकाई राष्ट्रपति के साथ संबंधों को और प्रगाढ़ करने पर ध्यान दिया गया। यह समिट स्पष्ट करती है कि भारत न केवल एआई के क्षेत्र में नवाचार का नेतृत्व कर रहा है बल्कि सुरक्षित और समावेशी तकनीक के लिए दुनिया को एक मंच पर भी ला रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कृत्रिम बुद्धिमत्ता और डीपटेक क्षेत्र के प्रमुख स्टार्टअप्स के मुख्य कार्यकारी अधिकारियों से मुलाकात कर उभरती तकनीकों और नवाचार पर विस्तृत चर्चा की। बैठक में हेल्थकेयर, साइबर सिक्योरिटी, स्पेस टेक्नोलॉजी सहित विभिन्न क्षेत्रों में काम कर रहे स्टार्टअप्स के प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

भारत-यूरोपीय संघ मुक्त व्यापार समझौते को लेकर क्या बोले पीयूष गोयल

केंद्रीय उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने भारत-यूरोपीय संघ मुक्त व्यापार समझौते को लेकर कहा कि पहली बार यूरोपीय संघ के सभी 27 देश इस समझौते को जल्द अंतिम रूप देने और आगे बढ़ाने के लिए उत्सुक हैं। उन्होंने कहा कि यह 140 करोड़ भारतीयों की आर्थिक शक्ति और बढ़ते वैश्विक प्रभाव का परिणाम है। साथ ही गोयल ने कहा कि सरकार देशभर में 1000 युवा पुरुषों और महिलाओं को जोड़ने की योजना बना रही है, जिन्हें प्रशिक्षित कर ट्रेनर के रूप में तैयार किया जाएगा ताकि वे पूरे देश में भारत की बढ़ती वैश्विक प्रतिष्ठा और सरकारी समर्थन से जुड़े संदेश को लोगों तक पहुंचा सकें।

सरकार 'कंप्लीट एआई स्टैक' बनाने पर विचार में- जयंत चौधरी

केंद्रीय मंत्री जयंत चौधरी ने कहा कि सरकार एक कंप्लीट एआई स्टैक विकसित करने पर विचार कर रही है, जो अनाम (अनोनिमाइज्ड) डेटा सेट्स पर आधारित होगा और शोधकर्ताओं तथा स्टार्टअप्स के लिए सुलभ बनाया जाएगा, ताकि नवाचार की अगली लहर को गति दी जा सके। उन्होंने कहा कि इस पहल का उद्देश्य एआई पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत करना और डेटा तक सुरक्षित व जिम्मेदार पहुंच सुनिश्चित करना है, जिससे उभरती कंपनियां और शोध संस्थान उन्नत एआई समाधान विकसित कर सकें। मंत्री ने यह भी सुझाव दिया कि एआई प्रणालियों के लिए एक ऑडिट ट्रेल मैकेनिज्म विकसित किया जाना चाहिए।

पीएमएलए कोर्ट से मिली जमानत

150 करोड़ बिटकॉइन केस में राज कुंद्रा को बड़ी राहत

नई दिल्ली/ एजेंसी

बॉलीवुड एक्ट्रेस शिल्पा शेट्टी के पति और बिजनेसमैन राज कुंद्रा को 150 करोड़ रुपये के कथित बिटकॉइन मनी लॉन्ड्रिंग मामले में बड़ी राहत मिली है। मुंबई की स्पेशल पीएमएलए कोर्ट ने उन्हें जमानत दे दी है। यह मामला प्रवर्तन निदेशालय की जांच के दायरे में है और पिछले कुछ समय से काफी चर्चा में रहा है। कोर्ट परिसर में पेशी से पहले राज कुंद्रा काफी सहज और मुस्कुराते हुए नजर आए। जहां आमतौर पर ऐसे मामलों में आरोपी तनावग्रस्त दिखते हैं, वहीं कुंद्रा ने पैपराजी को मुस्कुराकर पोज दिए। हालांकि कानूनी गलियारों में इस केस को लेकर हलचल अब भी बरकरार है। कुंद्रा के वकील प्रशांत पाटिल ने अदालत में दलील देते हुए श्वष्ठ के आंकड़ों पर सवाल उठाए। उनका कहना है कि एजेंसी के अनुसार जुलाई 2017 में कुंद्रा को 285 बिटकॉइन मिले थे। उस समय इनकी कीमत लगभग 1 मिलियन अमेरिकी डॉलर यानी करीब 6.6 करोड़ रुपये थी। वकील ने तर्क दिया कि अगर कोई कथित लेनदेन हुआ भी है, तो मूल्यांकन उसी तारीख के हिसाब से होना चाहिए, न कि मौजूदा बाजार कीमत के आधार पर। बचाव पक्ष का आरोप है कि ईडी ने 16 अप्रैल 2024 की तारीख को आधार बनाकर एक बिटकॉइन की कीमत लगभग 52 लाख रुपये मान ली और इसी गणना से 150 करोड़ रुपये का आंकड़ा तैयार किया। वकील ने सवाल उठाया कि यदि आज कीमत गिर जाती, तो क्या कुर्क की गई संपत्ति भी उतनी ही कम हो जाती?

तेज रफ्तार कार नहर में गिरी, शादी समारोह से लौट रहे चार युवकों की मौत

मथुरा। उत्तर प्रदेश के मथुरा में देर रात एक दर्दनाक सड़क हादसे में चार युवकों की मौके पर ही मौत हो गई। नगला देविया मोड़ पर एक तेज रफ्तार कार अनियंत्रित होकर नहर में जा गिरी। कार में सवार सभी युवक एक शादी समारोह से लौट रहे थे। हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और क्रेन की मदद से कार को नहर से बाहर निकाला गया। इससे पहले ग्रामीणों ने युवकों को बाहर निकालने का प्रयास किया, लेकिन तब तक उनकी सांसें थम चुकी थीं।

असम में प्रियंका गांधी का आक्रामक तेवर

सीएम हिमंत बिस्वा सरमा चुनाव से पहले डर गए....

नई दिल्ली। असम विधानसभा चुनाव की आहट के साथ ही राज्य में सियासी वार-पलटवार का दौर चरम पर पहुंच गया है। अपने असम दौरे के दूसरे दिन कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी ने मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा पर तीखा हमला बोला। प्रियंका ने गौरव गोगोई और उनके परिवार को पाकिस्तान लिंक के आरोपों में घसीटने को घटिया राजनीति करार दिया। सोनापुर में मशहूर गायक जुबीन गर्ग को श्रद्धांजलि देने के बाद मीडिया से मुखातिब प्रियंका ने कहा कि मुख्यमंत्री चुनाव से पहले घबरा गए हैं।

उन्होंने कहा कि जब विकास की बात करने के लिए कुछ नहीं बचता, तब भाजपा निजी और बेबुनियाद आरोप लगाती है। गौरव गोगोई सही रास्ते पर हैं और जनता जानती है कि उन्हें निशाना क्यों बनाया जा रहा है।

भारत-बांग्लादेश रिश्तों में जमी बर्फ पिघली

तारिक रहमान सरकार का फैसला वीजा सेवाएं फिर से होगा बहाल..

नई दिल्ली/ एजेंसी

भारत और बांग्लादेश के बीच पिछले कुछ महीनों से जारी कूटनीतिक तनाव अब कम होता नजर आ रहा है। द्विपक्षीय रिश्तों में सुधार का बड़ा संकेत देते हुए दिल्ली स्थित बांग्लादेश हाई कमीशन ने भारतीय नागरिकों के लिए सभी वीजा सेवाएं फिर से शुरू कर दी हैं। गौर करने वाली बात यह है कि ये सेवाएं पिछले करीब दो महीने से बंद थीं जिससे दोनों देशों के बीच आवाजाही और व्यापार पर गहरा असर पड़ा था। यह महत्वपूर्ण फैसला बांग्लादेश में तारिक रहमान के प्रधानमंत्री के रूप में पद संभालने के महज तीन दिन भीतर लिया गया है। भारत और बांग्लादेश के रिश्तों में यह कड़वाहट दिसंबर में उस समय बढ़ी थी, जब भारत-विरोधी छात्र नेता शरीफ उस्मान हादी की हत्या हो गई थी। इस घटना के बाद बांग्लादेश में बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन हुए और भारत विरोधी तत्वों ने माहौल खराब करने की कोशिश की। स्थिति तब और बिगड़ गई जब वहां अल्पसंख्यकों, विशेषकर हिंदुओं को निशाना बनाया गया और लिंचिंग की खबरें सामने आईं। इसी सुरक्षा और कूटनीतिक तनाव के चलते वीजा और वाणिज्य दूतावास सेवाएं रोक दी गई थीं। हालांकि, उस दौरान भी बिजनेस और वर्क वीजा पर पूरी तरह रोक नहीं थी लेकिन अब मेडिकल और पर्यटन सहित सभी श्रेणियों को फिर से शुरू कर दिया गया है। रिश्तों को पटरी पर लाने की कोशिशें केवल एक तरफ नहीं हैं।

एआई इम्पैक्ट समिट में भाषण नहीं देंगे बिल गेट्स, फाउंडेशन ने दी जानकारी

नई दिल्ली। माइक्रोसॉफ्ट के को-फाउंडर बिल गेट्स दिल्ली के भारत मंडपम में आयोजित 'इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट' में स्पीच नहीं देंगे। गेट्स फाउंडेशन ने यह जानकारी दी। गेट्स फाउंडेशन ने गुरुवार को स्पष्ट किया कि बिल गेट्स की जगह समिट में उनके अफ्रीका और भारत कार्यालय के अध्यक्ष अंकुर वोरा अपना भाषण देंगे। फाउंडेशन ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा, गहन विचार-विमर्श के बाद और एआई समिट की प्रमुख प्राथमिकताओं पर ध्यान केंद्रित बनाए रखने के उद्देश्य से गेट्स अपना मुख्य भाषण (कीनोट संबोधन) नहीं देंगे।

राहुल गांधी की मुश्किलें बढ़ीं

उत्तर प्रदेश के सुल्तानपुर के बाद अब भिवंडी कोर्ट में होगी पेशी...

नई दिल्ली/ एजेंसी

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी की कानूनी मुश्किलें एक बार फिर बढ़ती नजर आ रही हैं। उत्तर प्रदेश के सुल्तानपुर में एमपी-एमएलए कोर्ट में पेश होने के ठीक अगले दिन, यानी शनिवार 21 फरवरी को राहुल गांधी को महाराष्ट्र के ठाणे जिले की भिवंडी कोर्ट में हाजिर होना होगा। यह मामला साल 2014 के लोकसभा चुनाव प्रचार के दौरान राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ पर की गई एक विवादित टिप्पणी से जुड़ा है। गांधी वर्तमान में इस 2014 के मानहानि मामले में पहले से ही जमानत पर चल रहे हैं, लेकिन अब एक अप्रत्याशित तकनीकी समस्या खड़ी हो गई है। दरअसल, जिस व्यक्ति ने अदालत में राहुल गांधी की जमानत ली थी, उस जमानतदार का हाल ही में निधन हो गया है। कानूनी नियमों के मुताबिक, जमानतदार की मृत्यु होने की स्थिति में आरोपी को अदालत के समक्ष एक नया जमानतदार पेश करना होता है और जमानत की औपचारिकताएं फिर से पूरी करनी होती हैं। इसी प्रक्रिया के तहत राहुल गांधी को शनिवार को भिवंडी कोर्ट में व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होकर नया जमानतदार पेश करना होगा। यह पूरा विवाद करीब 12 साल पुराना है, जो 2014 के आम चुनाव के दौरान राहुल गांधी द्वारा दिए गए एक चुनावी भाषण से शुरू हुआ था। राहुल गांधी ने अपने भाषण में महात्मा गांधी की हत्या का आरोप राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) पर लगाया था।

भारत मंडपम में यूथ कांग्रेस का प्रदर्शन

यूथ कांग्रेस के कार्यकर्ताओं ने शर्ट उतारकर काटा बवाल...

नई दिल्ली/ एजेंसी

एआई इंपैक्ट समिट के दौरान यूथ कांग्रेस के कार्यकर्ताओं ने भारत मंडपम में प्रदर्शन किया। कार्यकर्ताओं ने शर्ट उतारकर विरोध जताया। इसके बाद पुलिस ने उन्हें हिरासत में ले लिया। भारतीय युवा कांग्रेस के कार्यकर्ताओं ने भारत मंडपम में चल रहे इंडिया एआई एक्सपो समिट के दौरान विरोध प्रदर्शन किया। प्रदर्शन के दौरान कार्यकर्ताओं ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ नारेबाजी की। दिल्ली पुलिस के सूत्रों के अनुसार, करीब 10 युवा कांग्रेस कार्यकर्ता शोर मचाते हुए भारत मंडपम के एक पवेलियन में पहुंच गए। बताया गया कि सभी कार्यकर्ता क्क्र कोड के जरिए एंट्री लेकर अंदर दाखिल हुए थे। पवेलियन में पहुंचने के बाद उन्होंने नारे लगाए और टी-शर्ट उतारकर विरोध जताया। पुलिस ने तुरंत हस्तक्षेप करते हुए प्रदर्शन कर रहे कार्यकर्ताओं को हिरासत में ले लिया। दिल्ली पुलिस के मुताबिक, कुल 5 कार्यकर्ताओं को हिरासत में लिया गया है, जबकि अन्य की पहचान की जा रही है। सभी को तिलक मार्ग थाने ले जाया गया है। पुलिस ने कहा है कि भारतीय युवा कांग्रेस के कार्यकर्ताओं के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जा रही है। मामले की जांच जारी है। आपको बता दें कि यह सम्मेलन ग्लोबल साउथ में भारत द्वारा आयोजित पहला वैश्विक एआई शिखर सम्मेलन है, जिसमें रिकॉर्ड स्तर की अंतरराष्ट्रीय भागीदारी दर्ज की गई है। इसमें 20 से अधिक देशों के राष्ट्राध्यक्ष, 60 मंत्री और 500 से ज्यादा वैश्विक एआई विशेषज्ञ तथा उद्योग प्रतिनिधि शामिल हुए हैं। नीति-निर्माताओं,

प्रौद्योगिकी कंपनियों, स्टार्टअप्स, शिक्षाविदों और उद्योग जगत के अग्रणी नेताओं को एक साझा मंच पर लाकर यह आयोजन इंडिया एआई मिशन और डिजिटल इंडिया पहल के तहत वैश्विक एआई संवाद को ठोस और क्रियान्वयन योग्य विकास परिणामों में बदलने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। वे सफेद टी-शर्ट पहने या पकड़े हुए थे, जिन पर प्रधानमंत्री मोदी और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की तस्वीरें छपी थीं, तथा उन पर इंडिया यूएस ट्रेड डील, एपस्टीन फाइल्स और पीएम इज़ कम्प्रोमाइज्ड जैसे नारे लिखे थे। कुछ प्रदर्शनकारियों ने टी-शर्ट भी उतार दी। उनके विरोध प्रदर्शन के चलते वहां अफरा-तफरी मच गई। इस दौरान कार्यक्रम में मौजूद कुछ प्रतिभागियों और कुछ प्रदर्शनकारियों के बीच तीखी बहस भी हुई। मौके पर तैनात एक पुलिसकर्मी ने कहा कि इस दुर्भाग्यपूर्ण घटना के बाद हॉल के अंदर सुरक्षा और कड़ी की जाएगी। यह विरोध प्रदर्शन कुछ ही मिनटों तक चला, जिसके बाद समूह को हॉल से बाहर निकाल दिया गया। इस घटना ने मेहमानों और अन्य आगंतुकों को हैरान कर दिया, क्योंकि 'एआई इम्पैक्ट समिट' के मद्देनजर यह अप्रत्याशित था। यह आयोजन 16 से 20 फरवरी तक भारत मंडपम में हो रहा है, जिसमें कई देशों के राष्ट्राध्यक्ष, वैश्विक एआई क्षेत्र के नेता, शिक्षाविद, शोधकर्ता, वैश्विक टेक कंपनियों के प्रमुख और परोपकारी भाग ले रहे हैं।

एआई समिट में यूथ कांग्रेस के हंगामे पर भड़की बीजेपी राहुल गांधी को आड़े हाथ लिया

भाजपा ने दिल्ली स्थित भारत मंडपम में एआई समिट के बीच कांग्रेस कार्यकर्ताओं के प्रदर्शन की आलोचना की है। बीजेपी नेताओं ने आरोप लगाए कि कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने पार्टी सांसद राहुल गांधी के इशारों पर कांग्रेस कार्यकर्ता समिट में गए और भारत का अपमान करने वाला कृत्य किया। भाजपा प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने कहा कि कांग्रेस ने साबित कर दिया है कि उसके लिए एआई मतलब एंटी-इंडिया है। यह आईएनसी (इंडियन नेशनल कांग्रेस) नहीं, बल्कि एएनसी (एंटी नेशनल कांग्रेस) है। शहजाद पूनावाला ने आगे कहा कि पूरे विश्व में 'इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट' की चर्चा हो रही है।

कलेक्टर-एसपी ने गिरौदपुरी मेले की तैयारियों का लिया जायजा व्यवस्थाएं दुरुस्त रखने अधिकारियों को दिए जरूरी निर्देश

मेले में चाक -चौबंद सुरक्षा व्यवस्था हेतु 1150 पुलिस बल की तैनाती एवं 50 सीसीटीवी कैमरा से होगी निगरानी

बलौदाबाजार। संत शिरोमणी बाबा गुरुघासीदास जी के जन्मस्थली एवं तपोभूमि गिरौदपुरी धाम में 22 से24 फ़रवरी 2026 तक आयोजित होने वाले संत समागम एवं गुरुदर्शन मेले की तैयारी का जायजा लेने कलेक्टर दीपक सोनी एवं एसपी भावना गुप्ता गुरुवार को गिरौदपुरी पहुंचे। उन्होंने अधिकारियों की बैठक लेकर सौंपे गए दायित्वों एवं सुविधाओं की विस्तृत समीक्षा कर व्यवस्थाएं दुरुस्त रखने के निर्देश दिये। कलेक्टर श्री सोनी में कहा कि पिछले वर्ष की भांति इस वर्ष भी मेले में पर्याप्त जनसुविधा एवं क़ानून व्यवस्था सुनिश्चित करें ताकि श्रद्धालु मेले से सुखद अनुभूति लेकर जाएं। उन्होंने चाक चौबंद सुरक्षा एवं पार्किंग व्यवस्था हेतु पर्याप्त पुलिस बल, सीसीटीवी कैमरा, कंट्रोल रूम, ट्रेफिक व्यवस्था, वायरलेस सेट की व्यवस्था करने कहा। चिकित्सा सुविधा हेतु मेला परिसर में 8 स्थानों में शिविर, 1मोबाइल मेडिकल यूनिट, 10 बिस्तरीय अस्पताल एवं 10 एम्बुलेंस की तैनाती के निर्देश दिये। आपातकालीन व्यवस्था हेतु 8 अग्निशमन वाहन भी उपलब्ध कराने कहा। इसीतरह निर्बाध विद्युत आपूर्ति हेतु ट्रांसफार्मर, जनरेटर की व्यवस्था, साफ- सफाई हेतु स्वच्छग्रही एवं नगर पालिका के कर्मचारी की ड्यूटी लगाने कहा। उन्होंने पेयजल, स्नानागार, शौचालय, दाल- भात केन्द्र आदि व्यवस्थाओं की भी जानकारी ली। पुलिस अधीक्षक भावना गुप्ता ने कहा कि लोगों की सुरक्षा सहित वाहनो की सुरक्षा, व्यवस्थित पार्किंग, आपातकालीन व्यवस्था पर विशेष फोकस करें। उन्होंने बताया कि इस बार मेले में 1150 पुलिस बल तैनात किये जा रहे है। पूरे मेला परिसर में 50 सीसीटीवी कैमरा लगाए जा रहे है जिसका फीड मुख्य कंट्रोल रूम में होगा जहां से पुरी मॉनिटरिंग की जाएगी। इसके साथ ही मेला परिसर में कुल 9 कंट्रोल रूम बनाए जा रहे है।अलग अलग दिशाओ में 8 वाहन पार्किंग बनाए गए है।

उन्होंने बताया कि मेला के दौरान 3 दिन भारी वाहन प्रतिबंधित रहेंगे। मेला क्षेत्र में शराब एवं मांस बिक्री भी प्रतिबंधित रहेगा।बताया गया कि इस बार मेला में सुविधा में इजाफा किया गया है। दाल भात केन्द्र संचालन हेतु 220 समूहों का चयन किया गया है।9 हेल्थ कैम्प, 10 एम्बुलेंस,250 अस्थाई टेप नल कनेक्शन, 48 पानी टैंकर,550 सफाई कर्मचारी, 100 अस्थाई शौचालय, 16 चलित शौचालय, 55 स्नानागार,18 विद्युत ट्रांसफार्मर,10 जनरेटर, 8 अग्निशमन वाहन,2 क्रेन एवं 80 स्थाई शौचालय की व्यवस्था रहेगी।कलेक्टर एवं एसपी ने हेलीपेड, जैतखाम,गुरु मंदिर मार्ग, छाता पहाड़, बहुउद्देशीय सामुदायिक भवन का निरीक्षण कर व्यवस्थाओ का जायजा लिया।इस दौरान सीईओ जिला पंचायत सुश्री दिव्या अग्रवाल, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अभिषेक सिंह,एसडीएम आरआर दुबे सहित विभिन्न विभागों के जिला अधिकारी मौजूद थे।

किसानों ने बोरवेल कनेक्शन जुड़ने पर पूर्व विधायक आशीष छाबड़ा का आभार व्यक्त किया

बेमेतरा। विगत दिनों विद्युत विभाग एवं प्रशासन द्वारा विभिन्न ग्रामों के किसानों के खेत में लगे बोरवेल कनेक्शन को काटा गया था जिस पर किसानों ने बेमेतरा जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष एवं पूर्व विधायक आशीष छाबड़ा से भेंट करके अपनी व्यथा बताई थी जिस पर जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष एवं बेमेतरा के पूर्व विधायक आशीष छाबड़ा ने जिला प्रशासन को दो दिवस के भीतर अगर विद्युत कनेक्शन नहीं जोड़े गए तो आंदोलन करने संबंधी ज्ञापन सौपा था जिस पर जिला प्रशासन बेमेतरा ने बहुत ही संजीदा तरीके से किसानो की बातों को मानते हुए तथा सहानुभूति पूर्वक रवैया अपनाकर पुनः किसानों के खेतों में लगे बोरवेल कनेक्शन को जोड़ दिया गया जिस पर संबंधित ग्राम बेमेतरा विधानसभा के अंतर्गत बेरला विकासखंड के ग्राम देवरी बीजाभाट अमोरा बावनलाख सरदा अतरघढी जौग एवं आन्दू से आए हुए, सैकड़ो किसानों ने पूर्व विधायक आशीष छाबड़ा का आभार व्यक्त किया और किसानों ने कहा कि उनके बुरे वक्त पर मात्र आशीष छाबड़ा ही ऐसे नेता थे जो कंधे से कंधा मिलाकर किसानों के साथ खड़े हुए जिसके कारण वह आज जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष का आभार व्यक्त करने के लिए उपस्थित हुए हैं उनके प्रयासों से जिला प्रशासन ने किसने की बात मानी है और बिना किसी देर के तुरंत ही विद्युत कनेक्शन जोड़ दिए गए जिसके लिए किसानों ने पूर्व विधायक आशीष छाबड़ा सहित जिला कलेक्टर का भी आभार व्यक्त किया है इस अवसर पर पूर्व विधायक आशीष छाबड़ा ने कहा कि बेमेतरा विधानसभा क्षेत्र उनका परिवार है और परिवार में समस्या आने पर वे परिवार के एक जिम्मेदार सदस्य के नाते हमेशा खड़े रहे हैं और खड़े रहेंगे पूर्व विधायक आशीष छाबड़ा ने इस मामले में जिला कलेक्टर द्वारा तुरंत सहयोगी कार्यवाही पर कलेक्टर के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उन्होंने समस्या की गभीरता तुरंत समझा और निराकरण किया इसके लिए उन्हें साधुवाद है इस अवसर प्रकाश साहू सरपंच ग्राम पंचायत जेवरी सहित सैकड़ों की संख्या में ग्रामवासी उपस्थित रहे ।

एक दिवसीय शाखकर्तन संबंधी प्रशिक्षण कार्यक्रम संपन्न

कवर्धा। जिला यूनियन कवर्धा अंतर्गत आने वाले समस्त फड़ प्रभारी, फड़मुंशी, प्राथमिक लघु वनोपज सहकारी समिति के अध्यक्ष, वन प्रबंधन समिति के अध्यक्ष को 19 फरवरी को एक दिवसीय शाखकर्तन संबंधी प्रशिक्षण काष्ठागार डिपो कवर्धा में प्रदाय किया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य रूप से श्रीमती एम. मर्सीबेला, मुख्य वन संरक्षक, दुर्ग वृत्त दुर्ग, दुखीराम धुर्वे, अध्यक्ष, जिला यूनियन कवर्धा, भागवत साहू, उपाध्यक्ष, जिला यूनियन कवर्धा, निखिल अग्रवाल, प्रबंध संचालक, जिला लघु वनोपज सहकारी संघ कवर्धा, श्रीमती अनिता साहू, उप प्रबंध संचालक, जिला लघु वनोपज सहकारी संघ कवर्धा एवं डॉ. सीपी रहांगडाले, वैज्ञानिक फारेस्ट्री, कृषि विज्ञान केन्द्र, कवर्धाकी उपस्थिति में संपन्न हुआ। तेंदूपत्ता सीजन वर्ष 2026 में तेंदूपत्ता संग्रहण दर 5500 रूपए प्रति मानक बोरा तथा शाखकर्तन कार्य दर 70 रूपए प्रति मानक बोरा निर्धारित है। जिला यूनियन कवर्धा अंतर्गत कुल 19 समितियां, 24 लॉट एवं 269 फड़ संचालित है। प्रशिक्षण में शाख कर्तन (बूटा कटाई) के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई जिसमें शाख कर्तन (बूटा कटाई) क्यों करे, कब करें, कहां करें, कैसे करें, निरीक्षण, भुगतान एवं महत्वपूर्ण सावधानियां के बारे में पावरप्वाईट प्रजेंटेश के माध्यम से विस्तृत जानकारी दी गई। इस प्रशिक्षण में समस्त संचालक मंडल सदस्यगण, जिला यूनियन कवर्धा, कवर्धा वनमंडल के समस्त उप वनमंडलाधिकारी, समस्त परिक्षेत्र अधिकारी, समस्त पोषक अधिकारी, समस्त प्रबंधक, प्राईवेट लिमिटेड वनोपज सहकारी समिति के समस्त फड़मुंशी, समस्त फड़ अभिरक्षक, समस्त समिति अध्यक्ष, वन प्रबंधन समति के समस्त अध्यक्ष एवं सम्मानीय पत्रकारगण उपस्थित थे।

बेरला एसडीओपी एवं एसडीएम द्वारा थाना बेरला परिसर में जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति में शांति समिति की बैठक आयोजित

होली पर्व शांति, सौहार्द्र एवं आपसी भाईचारे के साथ मनाने तथा उपद्रवियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई का दिया गया संदेश

बेमेतरा। आगामी होली पर्व के मद्देनजर थाना बेरला परिसर में शांति समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक कलेक्टर सुश्री प्रतिष्ठा ममगाई एवं पुलिस उप महानिरीक्षक रामकृष्ण साहू (भा.पु.से.) के निर्देशन तथा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक हरीश कुमार यादव के मार्गदर्शन में एसडीएम बेरला सुश्री दीप्ति वर्मा, एसडीओपी बेरला विनय कुमार, थाना प्रभारी बेरला उप निरीक्षक राजकुमार साहू, चौकी प्रभारी कंडरका उप निरीक्षक डी.एल. सोना, तहसीलदार सरिता मढरिया एवं तहसीलदार आशुतोष गुप्ता सहित नगर पंचायत बेरला, कुसमी एवं भिंभौरी के अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, पार्षदगण, वरिष्ठ नागरिक, जनप्रतिनिधि तथा आसपास के ग्रामों के सरपंच एवं पंच की उपस्थिति में सम्पन्न हुई। बैठक में सभी को निर्देशित किया गया कि होलिका दहन सुरक्षित एवं खुले स्थान पर किया जाए। आसपास बिजली के तार, पैरावट, भूसा अथवा सकरी गलियों में होलिका दहन न किया जाए। बीच सड़क पर होली जलाने से भी परहेज करने की समझाइश दी गई, जिससे यातायात बाधित न हो एवं दुर्घटनाओं से बचाव हो सके। इसके अतिरिक्त मुखौटा न लगाने, कीचड़ अथवा ज्वलनशील तरल पदार्थों का प्रयोग न करने, किसी भी महिला या पुरुष पर जबरन रंग-गुलाल न लगाने, कपड़े न फाड़ने, यातायात नियमों का पालन करने, शराब पीकर वाहन न चलाने एवं झगड़ा-विवाद से दूर रहने की अपील की गई। साथ ही किसी भी धर्म या समाज के विरुद्ध उत्तेजक एवं अपमानजनक पोस्ट सोशल मीडिया पर न डालने तथा ऐसी पोस्ट को फॉरवर्ड न करने की समझाइश दी गई। बैठक में उपस्थित जनप्रतिनिधियों एवं नागरिकों से होली पर्व के दौरान सामाजिक सद्भाव बनाए रखने का आग्रह किया गया। बेमेतरा पुलिस द्वारा आमजन से अपील की गई है कि होली का पर्व शांति, सौहार्द्र एवं आपसी भाईचारे के साथ मनाएं तथा कानून-व्यवस्था बनाए रखने में पुलिस का सहयोग करें। साथ ही यह भी स्पष्ट किया गया कि पर्व के दौरान उपद्रव या हुड़दंग करने वालों के विरुद्ध सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

प्रधानमंत्री आवास के कार्यों का निरीक्षण: ग्राम देवरबीजा में गुणवत्ता व समयबद्धता पर जोर

बेमेतरा। जनपद पंचायत बेरला अंतर्गत ग्राम पंचायत देवरबीजा में प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत निर्माणाधीन आवासों का निरीक्षण मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्रीमती प्रेमलता पद्माकर द्वारा किया गया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने निर्माण कार्यो की प्रगति की विस्तार से समीक्षा की तथा हितग्राहियों और ग्रामीणों से सीधे संवाद कर आवास निर्माण शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिए। मुख्य कार्यपालन अधिकारी ने निर्माण कार्यों में गुणवत्ता, मानक सामग्री के उपयोग एवं निर्धारित समय-सीमा का विशेष ध्यान रखने पर बल दिया। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि प्रत्येक स्वीकृत आवास का कार्य समयबद्ध रूप से पूर्ण कराया जाए, ताकि पात्र हितग्राहियों को शीघ्र ही पक्के आवास का लाभ मिल सके। उन्होंने यह भी कहा कि प्रधानमंत्री आवास योजना केंद्र एवं राज्य शासन की महत्वाकांक्षी योजना है, जिसका उद्देश्य प्रत्येक जरूरतमंद परिवार को सुरक्षित और सम्मानजनक आवास उपलब्ध कराना है। निरीक्षण के दौरान उन्होंने हितग्राहियों से निर्माण कार्य की प्रगति, भुगतान की स्थिति तथा आ रही समस्याओं के संबंध में जानकारी ली और आवश्यक मार्गदर्शन प्रदान किया। उन्होंने ग्रामीणों से अपील की कि वे योजना का अधिक से अधिक लाभ उठाएं और निर्माण कार्य में सक्रिय सहयोग करें, जिससे निर्धारित समय में आवास पूर्ण हो सके।इस अवसर पर जनपद पंचायत बेरला के आवास प्रभारी, ग्राम पंचायत देवरबीजा के सरपंच, पंचायत प्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे। अधिकारियों द्वारा हितग्राहियों को तकनीकी मार्गदर्शन भी दिया गया तथा लंबित प्रकरणों के त्वरित निराकरण के निर्देश दिए गए। उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री आवास योजना के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों में आवासहीन एवं कच्चे मकानों में रहने वाले पात्र परिवारों को पक्का आवास उपलब्ध कराया जा रहा है, जिससे उनके जीवन स्तर में सकारात्मक बदलाव आ रहा है। निरीक्षण के माध्यम से प्रशासन द्वारा यह सुनिश्चित किया जा रहा है कि योजना का लाभ पारदर्शिता और गुणवत्ता के साथ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे।

मोहला के वार्ड क्रमांक 11 में रंग मंच निर्माण का भूमिपूजन सम्पन्न

मोहला। नम्रता सिंह ने आज मोहला के वार्ड क्रमांक 11 में लगभग 3 लाख रुपये की लागत से बनने जा रहे रंग मंच का विधिवत भूमिपूजन कर निर्माण कार्य का शुभारंभ किया। इस रंग मंच के निर्माण से क्षेत्र में सांस्कृतिक, सामाजिक एवं सामुदायिक गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा तथा स्थानीय प्रतिभाओं को मंच प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। कार्यक्रम के दौरान नम्रता सिंह ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में सांस्कृतिक एवं सामाजिक गतिविधियों को प्रोत्साहित करने के लिए इस प्रकार के बुनियादी ढांचे का निर्माण अत्यंत आवश्यक है। रंग मंच के बनने से वार्ड के लोगों को विभिन्न सामाजिक कार्यक्रम, सांस्कृतिक आयोजन, बैठकें एवं जनजागरूकता कार्यक्रम आयोजित करने के लिए एक सुसज्जित स्थान उपलब्ध होगा। उन्होंने यह भी कहा कि क्षेत्र के सर्वांगीण विकास के लिए जनसुविधाओं का विस्तार उनकी प्राथमिकता है।इस अवसर पर गजेंद्र पुरामें (सरपंच, ग्राम पंचायत मोहला), प्रतिभा जी (वार्ड पंच), भूपेंद्र यादव, रमेश यूके, हाफिज जी सहित बड़ी संख्या में वार्डवासी उपस्थित रहे।कार्यक्रम में उपस्थित जनसमुदाय ने रंग मंच निर्माण को क्षेत्र के विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल बताया और इसके लिए आभार व्यक्त किया।

बम्हनी सरपंच सुरेश कौशिक सहित सैकड़ों ग्रामीण भाजपा में शामिल

उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा के नेतृत्व पर जताया विश्वास

कवर्धा। कवर्धा विधानसभा अंतर्गत ग्राम पंचायत बम्हनी के सरपंच सुरेश कौशिक ने अपने सैकड़ों समर्थकों के साथ कांग्रेस पार्टी का परित्याग कर भारतीय जनता पार्टी की सदस्यता ग्रहण की । सभी ने उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा के नेतृत्व, सुशासन और क्षेत्र में हो रहे ऐतिहासिक विकास कार्यों से प्रभावित होकर भाजपा में प्रवेश किया। भाजपा की सदस्यता ग्रहण करने वालों में प्रमुख रूप से सुरेश कौशिक सरपंच, संतोष पटेल, योगेश धुर्वे, दुकेश्वर, लाला राम, मोहन, रामायण, छिन्नु, हेमराज, दुखुराम, रामकुमार, अश्वनी, रमेश, मनोहर, रामवतार, आशकरण, कैलाश सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण एवं युवा शामिल रहे। इस अवसर पर सरपंच सुरेश कौशिक ने कहा कि उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा के नेतृत्व में क्षेत्र में अभूतपूर्व विकास कार्य हो रहे हैं। भाजपा सरकार की जनकल्याणकारी नीतियों और सुशासन से प्रभावित होकर हम सभी ने भारतीय जनता पार्टी में शामिल होने का निर्णय लिया है। हमें विश्वास है कि भाजपा के साथ जुड़कर हम अपने ग्राम और क्षेत्र के विकास में और अधिक योगदान दे सकेंगे। भारतीय जनता पार्टी के पदाधिकारियों ने सभी नए सदस्यों का स्वागत करते हुए कहा कि यह भाजपा की जनहितकारी नीतियों, सुशासन और उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा जी के प्रति जनता के बढ़ते विश्वास का प्रतीक है। ग्राम बम्हनी में सैकड़ों लोगों का भाजपा में प्रवेश संगठन की बढ़ती ताकत और जनसमर्थन को दर्शाता है। इस अवसर पर उपस्थित जनसमूह ने भाजपा के प्रति अपना समर्थन व्यक्त करते हुए क्षेत्र में विकास की गति को और आगे बढ़ाने का संकल्प लिया।

कटनी वन मंडल में 20 फरवरी से शुरू होगी गिद्धों की गणना: प्रदेशव्यापी अभियान का हिस्सा

कटनी। मध्य प्रदेश में गिद्ध संरक्षण के प्रयासों को मजबूती देने के लिए शुक्रवार (20 फरवरी) से तीन दिवसीय शीतकालीन गिद्ध गणना शुरू हो रही है। कटनी वन मंडल में यह अभियान वनमंडलाधिकारी श्री गर्वित गंगवार के निर्देशन में चलेगा। विगत वर्षों की भांति इस वर्ष भी कटनी सहित पूरे प्रदेश में 20 से 22 फरवरी तक गिद्धों की गिनती की जाएगी। वनमंडलाधिकारी ने बताया कि गणना वन परिक्षेत्र कटनी, रीठी एवं विजयराघवगढ़ के अंतर्गत वन विभाग की टीमों द्वारा की जाएगी। तीनों दिन सुबह 6:30 बजे से गिद्धों की निगरानी और गणना शुरू होगी। इच्छुक स्वयंसेवक उपवनमंडलाधिकारी (पूर्व कटनी) के मोबाइल नंबर 9424792726 पर संपर्क कर अभियान में भाग ले सकते हैं। यह गणना प्रदेशव्यापी शीतकालीन अभियान का हिस्सा है, जो वर्ष 2025-26 के लिए आयोजित की जा रही है। मध्य प्रदेश में पहली बार *श्रश्चद्बष्श्वद्यद्यद्गष्ह्ल5* जैसे मोबाइल ऐप का उपयोग कर हाईटेक तरीके से डेटा संग्रह किया जा रहा है, जिससे गणना अधिक पारदर्शी, सटीक और समयबद्ध होगी। राज्य के विभिन्न क्षेत्रों जैसे बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व, शहडोल, अनूपपुर, उमरिया आदि में सैकड़ों कर्मचारियों को विशेष प्रशिक्षण दिया गया है। सात प्रमुख गिद्ध प्रजातियों पर विशेष नजर रखी जाएगी।

मध्य प्रदेश: गिद्धों का मजबूत गढ़

-मध्य प्रदेश को ÷गिद्ध राजधानी÷ कहा जाता है, जहां पिछले एक दशक में गिद्धों की संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। 2016 में राज्य में मात्र 6,999-7,000 गिद्ध दर्ज हुए थे, जो 2025 की गणना में बढ़कर 12,981 हो गए। कुछ रिपोर्टों के अनुसार अब यह संख्या 14,000 के आसपास पहुंच चुकी है। देश में सबसे अधिक गिद्ध आबादी यहीं है, और संरक्षण प्रयासों से संख्या दोगुनी हुई है। कटनी जिले में भी सुधार दिख रहा है–2025 की ग्रीष्मकालीन गणना में 401 गिद्ध दर्ज हुए, जबकि फरवरी 2025 में 382 थे।

राष्ट्रीय संदर्भ में महत्व - भारत में गिद्धों की संख्या 1990 के दशक में डिक्लोफेनाक जैसी दवाओं से 95-99त्न घटी थी। 2006 में प्रतिबंध और Vulture Action Plan से रिकवरी शुरू हुई। मध्य प्रदेश के प्रयास राष्ट्रीय स्तर पर मिसाल हैं। यह गणना न केवल स्थानीय जैव-विविधता की निगरानी करेगी, बल्कि राष्ट्रीय डेटा में योगदान देगी। गिद्ध ÷प्राकृतिक सफाईकर्मी÷ हैं, जो बीमारियों के प्रसार को रोकते हैं।

वन विभाग ने सभी से अपील की है कि वे गिद्धों के संरक्षण में सहयोग करें और जहरीली दवाओं के इस्तेमाल से बचें। यह अभियान गिद्धों की रक्षा और पारिस्थितिकी संतुलन के लिए महत्वपूर्ण कदम है।

संक्षिप्त समाचार

पंचशील नगर में विधायक निधि से 20 लाख की लागत से होगा उद्यान का सौंदर्यीकरण

रायपुर। रायपुर उत्तर विधायक श्री पुरंदर मिश्रा ने रायपुर उत्तर विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत रायपुर नगर पालिक निगम जोन क्रमांक 4 अंतर्गत सिविल लाईन वार्ड क्रमांक 46 के पंचशील नगर में उद्यान सौंदर्यीकरण कार्य का रायपुर उत्तर विधायक निधि मद से 20 लाख रू. की स्वीकृत लागत से शीघ्र करने वार्ड 46 पार्षद एवं एमआईसी सदस्य श्रीमती संजना संतोष हियाल सहित गणमान्यजनों, महिलाओं, सामाजिक कार्यकर्त्ताओं, नवयुवकों, आमजनों की बड़ी संख्या में उपस्थिति के मध्य नगर निगम जोन 4 जोन कमिश्नर श्री अरुण ध्रुव, कार्यपालन अभियंता श्री शेखर सिंह, सहायक अभियंता श्री दीपक देवांगन, श्री गुलाबचंद कर्ष की उपस्थिति में श्रीफल फोड़कर और कुदाल चलाकर भूमिपूजन करते हुए वार्डवासियों को शानदार सौगात दी. नगर निगम जोन 4 द्वारा रायपुर उत्तर विधायक निधि मद से पंचशील नगर उद्यान को शीघ्र संवारा जायेगा. सुरक्षा हेतु बाउंड्रीवाल निर्माण, भीतर परिसर में सामुदायिक हाल का निर्माण, लैंड स्केपिंग कार्य, पाथवे निर्माण एवं विकास सहित मरम्मत के आवश्यक कार्य करवाकर उद्यान को सुव्यवस्थित स्वरूप दिया जायेगा. रायपुर उत्तर विधायक श्री पुरंदर मिश्रा ने नगर निगम जोन 4 के सम्बंधित अधिकारियों को रायपुर उत्तर विधायक निधि मद से स्वीकृति अनुसार सिविल लाईन वार्ड के पंचशील नगर स्थित उद्यान को सुव्यवस्थित कर जनसदुपयोग हेतु सजाने और संवारने का कार्य तत्काल प्रारम्भ करवाकर तय समयसीमा के भीतर सतत मॉनिटरिंग करते हुए गुणवत्ता सहित प्राथमिकता से जनहित में जनसुविधा विस्तार की दृष्टि से पूर्ण करवाना सुनिश्चित करने निर्देशित किया।

पेसा पर सुप्रीम कोर्ट का निर्णय आदिवासी संस्कृति के संरक्षण की दिशा में मील का पत्थर : सत्यनारायण सिंह

रायपुर। भारतीय जनता पार्टी अनुसूचित जनजाति मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष सत्यनारायण सिंह ने पीईएसए (पेसा) कानून के संदर्भ में सुप्रीम कोर्ट के फैसले को स्वागतेय बताते हुए कहा है कि यह निर्णय इसे छत्तीसगढ़ के करोड़ों आदिवासियों की सांस्कृतिक पहचान, परंपरा और स्वाभिमान के संरक्षण व संवर्धन की दिशा में मील का पत्थर साबित होगा। सिंह ने कहा कि छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट के 2025 के फैसले को बरकरार रखकर न केवल ग्रामसभाओं की अहम भूमिका व उसके निर्णयों के महत्व को रेखांकित किया है, अपितु धर्मान्तरण की साजिशों को दिए जा रहे राजनीतिक संरक्षण को ताने-बाने को तार-तार कर दिया है।भाजपा अजजा मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष श्री सिंह ने कहा कि हाल ही सुप्रीम कोर्ट ने काँकेर में ग्राम सभाओं द्वारा बाहरी लोगों/धर्मांतरण प्रचारकों के प्रवेश पर प्रतिबंध के खिलाफयाचिका खारिज कर पारंपरिक स्वशासन और सांस्कृतिक संरक्षण के आदिवासी अधिकारों को मजबूती दी है। अब यह बात आईने की तरह साफ है कि ग्राम सभाएं केवल नाम की नहीं, बल्कि 'स्वशासन' की असली शक्ति रखती हैं। ग्राम सभाओं को अपनी सांस्कृतिक जड़ों और रीति-रिवाजों की रक्षा करने का पूर्ण संवैधानिक अधिकार है। श्री सिंह ने कहा कि लंबे समय से बाहरी तत्वों और मिशनरी ताकतों द्वारा भोले-भाले आदिवासी भाई-बहनों का धर्मांतरण कराकर उन्हें अपनी मूल संस्कृति से विलग करने का जो कुत्सित प्रयास किया जा रहा था, उस पर अब सख्ती से रोक लगेगी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केन्द्र सरकार और मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में प्रदेश सरकार आदिवासियों के सर्वांगीण विकास के साथ-साथ उनकी पहचान को सुरक्षित रखने की प्रतिबद्धता का जिक्र कर श्री सिंह ने मुख्यमंत्री श्री साय तथा उपमुख्यमंत्री/गृह मंत्री विजय शर्मा के मार्गदर्शन में राज्य सरकार ने न्यायालय में आदिवासियों के पक्ष को मजबूती से रखने के लिए आभार भी व्यक्त किया।

सिगड़ी की जहरीली गैस बनी काल: बंद कमरे में दम घुटने से दंपती और 4 साल की मासूम की मौत

रायपुर। ठंड से बचने की कोशिश एक हंसते-खेलते परिवार के लिए काल बन गई। कोतवाली थाना क्षेत्र के ग्राम पंचायत चन्द्रपुर में मंगलवार रात बंद कमरे में सिगड़ी जलाकर सोए पति-पत्नी और उनकी चार वर्षीय मासूम बच्ची की दम घुटने से मौत हो गई। बुधवार सुबह जब काफी देर तक कमरे का दरवाजा नहीं खुला तो ग्रामीणों को अनहोनी की आशंका हुई। दरवाजा तोड़कर भीतर पहुंचे लोगों ने देखा कि तीनों अचेत अवस्था में पड़े हैं। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और पंचनामा कार्रवाई के बाद शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। प्रारंभिक जांच में कमरे में भरी जहरीली गैस, संभवत: कार्बन मोनोऑक्साइड, को मौत का कारण माना जा रहा है। बताया गया कि जिस कमरे में परिवार सो रहा था, उसमें न खिड़की थी और न ही रोशनदान। रातभर सिगड़ी से निकली गैस कमरे में भरती गई और तीनों की सांसें थम गईं। मृतकों में 28 वर्षीय कवल सिंह, उनकी 25 वर्षीय पत्नी कुंती और चार साल की मासूम बेटी शामिल हैं। एक साथ उठीं तीन अर्थियां, सन्नाटे में डूबा चन्द्रपुर सुबह जैसे ही तीनों की मौत की खबर गांव में फैली, चन्द्रपुर शोक में डूब गया। एक साथ तीन अर्थियां उठीं तो हर आंख नम हो गई।

महानाट्य 'जाणता राजा' के माध्यम से जीवंत हुई शिवाजी महाराज की गौरवगाथा

छत्रपति शिवाजी महाराज का आदर्श जीवन युवाओं के लिए प्रेरणास्त्रोत

- छत्रपति शिवाजी महाराज की गौरवगाथा से आलोकित हुआ रायपुर :'जाणता राजा' का मंचन शुरू

रायपुर/ संवाददाता

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने कहा कि छत्रपति शिवाजी महाराज का जीवन साहस, धैर्य, रणनीति और आदर्श नेतृत्व का प्रेरक उदाहरण है, इसलिए हम सभी को अपने जीवन में शिवाजी जैसा लक्ष्य निर्धारित करना चाहिए। उन्होंने कहा कि शिवाजी महाराज ने विपरीत परिस्थितियों में भी अद्भुत साहस और बुद्धिमत्ता का परिचय दिया। अफज़ल खाँ के साथ हुई घटना का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि शिवाजी ने संकट को भांपकर धैर्य और रणनीति से निर्णय लिया और विजय प्राप्त की। इसी प्रकार शाइस्ता खान के विरुद्ध उनकी युक्तिपूर्ण रणनीति यह सिखाती है कि बड़े से बड़े शत्रु को भी सूझबूझ और साहस से पराजित किया जा सकता है। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने साइंस कॉलेज मैदान पहुंचकर ऐतिहासिक महानाट्य 'जाणता राजा' के मंचन के दौरान संबोधित करते हुए यह बात कही। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि शिवाजी महाराज केवल महान योद्धा ही नहीं, बल्कि उच्च आदर्शों वाले शासक भी थे। उन्होंने सभी धर्मों के लोगों की आस्था का सम्मान किया और महिलाओं के सम्मान को सर्वोच्च प्राथमिकता दी। माता जीजाबाई के संस्कारों का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि शिवाजी महाराज का चरित्र हमें मर्यादा, नैतिकता और सम्मानजनक आचरण का संदेश देता है। मुख्यमंत्री श्री साय ने अपने छात्र जीवन की स्मृतियों को साझा करते हुए महाकवि भूषण की पंक्तियों का उल्लेख किया, जिनमें शिवाजी महाराज के पराक्रम और वीरता का अद्भुत वर्णन मिलता है। उन्होंने कहा कि शिवाजी का जीवन केवल इतिहास नहीं, बल्कि प्रेरणा का स्रोत है, जो हमें कठिन परिस्थितियों में भी लक्ष्य के प्रति दृढ़ रहने की प्रेरणा देता है। राजधानी रायपुर में

प्रारंभ हुआ ऐतिहासिक महानाट्य 'जाणता राजा' का यह विशेष मंचन 22 फरवरी तक प्रतिदिन शाम को साइंस कॉलेज मैदान में प्रस्तुत किया जाएगा। लगभग तीन घंटे की यह भव्य प्रस्तुति छत्रपति शिवाजी महाराज के जीवन और हिंदवी स्वराज्य की स्थापना की गाथा पर आधारित है, जिसमें सजीव दृश्य, विशाल मंच सज्जा और तकनीकी उत्कृष्टता के माध्यम से दर्शकों को ऐतिहासिक काल का जीवंत अनुभव कराया जा रहा है। उल्लेखनीय है कि छत्तीसगढ़ राज्य युवा आयोग के तत्वाधान में आयोजित इस महानाट्य के लिए महाराष्ट्र मंडल के संत ज्ञानेश्वर सभागृह में ऑडिशन आयोजित किए गए थे, जिसमें विभिन्न आयु वर्ग के लगभग 40 स्थानीय कलाकारों का चयन किया गया। चयनित कलाकारों ने निर्देशक श्री योगेश शिरोले के मार्गदर्शन में गहन अभ्यास किया। स्थानीय कलाकारों में प्रांजल बक्षी, वर्तिका क्षीरसागर, कृति लाड, आकांक्षा और आस्था काले सहित अन्य प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक भागीदारी निभाई। मंचन के दौरान घोड़ों के साथ सैनिकों की टुकड़ी दर्शकों के आकर्षण का केंद्र रही, वहीं ऊंटों को भी प्रस्तुति में शामिल किया गया। पुणे से आए तकनीकी विशेषज्ञ श्री कौशिक नाईक एवं श्री वैभव जोशी मंच सज्जा और प्रकाश व्यवस्था की जिम्मेदारी निभा रहे हैं। पारंपरिक प्रस्तुतियों में कोली गीत सहित विभिन्न सांस्कृतिक आयामों ने कार्यक्रम को विशेष आकर्षण प्रदान किया। इस अवसर पर विधायक श्री पुरंदर मिश्रा, छत्तीसगढ़ राज्य युवा आयोग के अध्यक्ष श्री विश्व विजय सिंह तोमर, महानाट्य 'जाणता राजा' के श्री अजीत राव आप्टे सहित महाराष्ट्र मंडल के पदाधिकारी और बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित थे।

राज्य सभा चुनाव छग में मनीष शर्मा को निर्वाचन अधिकारी

- दिनेश द्विवेदी बनाये गये उपनिर्वाचन अधिकारी
- कांग्रेस की ओर से अभिषेक मनु सिंघवी को प्रत्याशी बनाये जाने की चर्चा

रायपुर। संवाददाता

छग में राज्यसभा चुनाव की घोषणा के पश्चात अब राजनीतिक दलों में उथल पुथल मच गई है। कांग्रेस की ओर से एक बार फिर से आयातित प्रत्याशी को चुनाव में उतारे जाने की चर्चा है वहीं भाजपा ने अभी तक प्रत्याशी को लेकर पत्ते नहीं खोले है। छग के मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी कार्यालय में संचालक मनीष शर्मा को विस में चुनाव कराने के लिए निर्वाचन अधिकारी तथा विस के दिनेश द्विवेदी को उपनिर्वाचन अधिकारी नियुक्त कर दिया है। ज्ञात रहे दिनेश शर्मा संविदा में कार्यरत है इसीलिए उन्हें निर्वाचन अधिकारी नहीं बनाया गया। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देश पर पूरे देश में उच्च सदन कहे जाने वाले राज्य सभा के सदस्यों में एक तिहाई सदस्यों के अवकाश ग्रहण करने के पश्चात यह चुनाव कराया जा रहा है उनका कार्यकाल नवंबर माह में समाप्त हो रहा है। इनमें दिग्विजय सिंह मल्लिकार्जुन खरगे सहित अनेक भाजपा और कांग्रेस के दिग्गज नेता शामिल है। छग में इस समय दिल्ली के वकील केटीएस तुलसी और कांकेर की फूलो देवी नेताम राज्यसभा सदस्य है। इनका कार्यकाल समाप्त हो रहा है। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के अनुसार भाजपा की सदस्य संख्या 54 तथा कांग्रेस की 34 प्लस गोगपा एक होने के कारण कांग्रेस का एक और भाजपा का एक सदस्य निर्वाचित हो सकता है। विस में कुल विधायकों की संख्या 90 है जिसके कारण यहां पर कांग्रेस प्रत्याशी बनने के लिए लागिन तेज हो गई है। भाजपा ने अभी तक अपने पत्ते नहीं खोले है। कांग्रेस के वरिष्ठ वकील अभिषेक मनु सिंघवी को कांग्रेस प्रत्याशी बनाये जाने की चर्चा है। ज्ञात रहे शिमला और तेलंगाना में कांग्रेस के प्रत्याशी बनाये गये थे।

छत्तीसगढ़ में आरटीओ में दलालों से मुक्ति करने होगी नई व्यवस्था

रायपुर। परिवहन विभाग में दलालों से मुक्ति पाने के लिए शीघ्र ही नई सुविधा दी जाएगी। इसके लिए रायपुर के अलावा संभाग स्तर पर परिवहन एजेंट नियुक्त किए जाएंगे। मिली जानकारी के अनुसार भारत शासन ने अपने राजपत्र में प्रकाशित किया है कि परिवहन विभाग में आए दिन रजिस्ट्रेशन तथा आरसी बुक तथा वाहनों के ट्रांसफर को लेकर कई परेशान होती है, परिवहन विभाग में बड़ी संख्या में एजेंट काम करते है, लेकिन वे लाइसेंसी नहीं होते है। जिससे कारण आए दिन लोगों को उंची फीस एवं मोटी रकम देकर काम कराना पड़ता है। राजधानी में वाहन बिक जाते हैं, लेकिन नंबर नहीं मिल जाता जिससे पुलिस वाले आम लोगों को परेशान करते हैं। क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी रावांभाठा द्वारा जारी निर्देशानुसार नए परिवहन एजेंट नियुक्त किए जाएंगे।

सांसद बृजमोहन अग्रवाल के नेतृत्व में विकास को नई गति

करीब 1 करोड़ 10 लाख रुपये के विकास कार्यों का भूमिपूजन किया

रायपुर। संवाददाता

राजधानी के समग्र विकास और नागरिकों को बेहतर आधारभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने की दिशा में सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने एक और महत्वपूर्ण पहल करते हुए मंगलवार को करीब 1 करोड़ 10 लाख रुपये की लागत से होने वाले विभिन्न विकास कार्यों का भूमि पूजन किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि विकास केवल घोषणाओं से नहीं, बल्कि ज़मीनी कार्यों से दिखाई देता है और यही उनकी प्राथमिकता है। इस कार्यों में वामनराव लाखे वार्ड अंतर्गत प्रोफेसर कॉलोनी सेक्टर-3 में 48 लाख रुपये की लागत से आर.सी.सी. नाला निर्माण, मरम्मत एवं कवरिंग कार्य, गली नंबर 15 एवं मेन रोड में 21.11 लाख रुपये से नाली, पुलिया तथा सी.सी. रोड के मरम्मत एवं निर्माण कार्य का भूमि पूजन किया। शिक्षा, संस्कृति और सामाजिक अधोसंरचना को सशक्त बनाने की दिशा में वामनराव लाखे वार्ड स्थित शासकीय मिडिल स्कूल में 9.80 लाख रुपये की लागत से निर्माण कार्य, शासकीय हाई स्कूल कुशालपुर में 5.95 लाख रुपये से शेड निर्माण, गायत्री प्रज्ञा मंडल मंदिर के पास करीब 10 लाख रुपये की लागत से भवन निर्माण कार्य शामिल हैं। वहीं नागरिक सुविधाओं और सामाजिक गतिविधियों को बढ़ावा देने हेतु मलसाय तालाब के पास कुशालपुर में 3 लाख रुपये से चबूतरा निर्माण एवं कांक्रीटीकरण, मां दंतेश्वरी प्राचीन अखाड़ा कुशालपुर में 5 लाख रुपये की लागत से व्यायाम उपकरण (कुश्ती नेट एवं मैट कवर) की स्वीकृति दी गई। इस अवसर पर सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने कहा कि रायपुर का हर वार्ड समान विकास का हकदार है। सड़क, नाली, शिक्षा, खेल और सांस्कृतिक स्थलों का विकास ही सशक्त और आत्मनिर्भर शहर की पहचान है।

प्राकृतिक संसाधनों का उपयोग कर तैयार कर रही हैं हर्बल गुलाल बिहान दीदियां....

- बस्तर की बिहान दीदियां घोलेंगी होली में कुदरती रंग

रायपुर/ संवाददाता

राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के तहत हर्बल गुलाल बनाने के लिए सब्जियों के प्राकृतिक रंगों से रंगकर और उसमें गुलाब गेंदा, पलाश के फूलों की पंखुड़ियों, गुलाब जल, इत्र आदि मिलाकर हर्बल गुलाल बनाया जा रहा है। पलाश के फूलों से केसरिया गुलाल, पालक भाजी से हरे रंग का गुलाल तथा लाल भाजी से लाल रंग का गुलाल तैयार किया जा रहा है। इस गुलाल में रासायनिक पदार्थों का उपयोग नहीं होने से यह गुलाल त्वचा, आंख, बाल आदि के लिये हानिकारक नहीं है। मानव अनुकूल होने से इस हर्बल गुलाल को बिना किसी चिंता के होली के त्योहार में उपयोग किया जा सकता है। बस्तर जिले में इस बार होली का त्यौहार न केवल रंगों भरा होगा, बल्कि सेहत और पर्यावरण के लिए भी सुरक्षित रहेगा। राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (बिहान) के तहत ग्रामीण महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने की दिशा में जिला प्रशासन द्वारा एक सराहनीय पहल की गई है। इसके अंतर्गत जिले के विभिन्न विकासखंडों के 9 स्व-सहायता समूहों की महिलाओं को हर्बल गुलाल बनाने का विशेष प्रशिक्षण दिया जा रहा है। क्रांतिकारी डेबरीधूर उद्यानिकी महाविद्यालय एवं अनुसंधान केंद्र, जगदलपुर में आयोजित इस दो दिवसीय आवासीय प्रशिक्षण में महिलाएं आधुनिक और वैज्ञानिक तरीकों से प्राकृतिक संसाधनों का उपयोग कर गुलाल तैयार करना सीख रही हैं। इस अनूठी पहल की सबसे खास बात यह है कि महिलाएं अपनी रसोई और बाड़ी में मिलने वाली प्राकृतिक वस्तुओं जैसे पालक, लाल भाजी, चुकंदर और फूलों का उपयोग कर सतरंगी गुलाल तैयार करेंगी। बाजार में मिलने वाले सिंथेटिक रंगों और गुलाल में अक्सर हानिकारक रसायनों का मिश्रण होता है, जो त्वचा में जलन, एलर्जी और आंखों को नुकसान पहुँचाते हैं। इन समस्याओं को देखते हुए बिहान की दीदियां कॉर्न फ्लावर के आधार (बेस) में चुकंदर और भाजी के अर्क को मिलाकर पूरी तरह चर्म-रोग मुक्त और इको-फ्रेंडली गुलाल का उत्पादन करेंगी। प्रशिक्षण के उपरांत महिलाओं ने इस वर्ष 500 किलो से लेकर एक हजार किलो तक हर्बल गुलाल तैयार करने का लक्ष्य रखा है।

सफलता की कहानी : जल संरक्षण से आत्मनिर्भर किसान, चिड़ौला में शक्ति गत कूप बना ग्रामीण समृद्धि की मिसाल

रायपुर। ग्रामीण विकास और जल संरक्षण एक-दूसरे से गहरे जुड़े हुए हैं, जो सतत आजीविका, बेहतर स्वास्थ्य और कृषि उत्पादकता के लिए अनिवार्य हैं। वर्षा जल संचयन, तालाब गहरीकरण, और जल शक्ति अभियान जैसी पहल भू-जल स्तर में सुधार और महिलाओं को सशक्त बनाने के लिए आवश्यक हैं। शक्तिगत कूप के निर्माण ने ग्रामीण क्षेत्रों में स्थायी विकास को बढ़ावा दे रहे हैं। ग्रामीण विकास और जल संरक्षण की दिशा में मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर जिले के ग्राम पंचायत चिड़ौला से एक सशक्त और प्रेरणादायी सफलता की कहानी सामने आई है। यहां शक्तिगत कूप निर्माण कार्य जयबहादुर सिंह के लिए स्वीकृत किया गया, जिसके लिए शासन द्वारा 1.80 लाख रुपए की राशि प्रदान की गई। इस पहल का मुख्य उद्देश्य किसानों को स्थायी जल स्रोत उपलब्ध कराकर खेती-किसानी को सुदृढ़ बनाना तथा जल संरक्षण को बढ़ावा देना रहा। कूप निर्माण से पूर्व संबंधित हितग्राही सहित आसपास के किसान सिंचाई के लिए पूरी तरह वर्षा पर निर्भर थे, जिससे खेती करना अनिश्चित बना रहता था और उत्पादन पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता था।

मंत्री अग्रवाल ने किया 259.68 लाख के विकास कार्यों का किया भूमिपूजन

- धान उपार्जन केन्द्रों में आधारभूत संरचना सुदृढ़ होगी, किसानों को मिलेगा सुव्यवस्थित और सुविधाजनक उपार्जन तंत्र

रायपुर। संवाददाता

पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री श्री राजेश अग्रवाल ने आज सरगुजा जिले के लखनपुर विकासखंड अंतर्गत ग्राम केवरा, जमगला, पुहपुटरा, निम्हा, लहपटरा, खैरबार, केशवपुर, रामपुर एवं सुखरी के धान उपार्जन केन्द्रों में विभिन्न विकास कार्यों का विधिवत भूमिपूजन किया। इस अवसर पर उन्होंने क्षेत्रवासियों को बधाई एवं शुभकामनाएँ देते हुए कहा कि राज्य सरकार किसानों की सुविधा और समृद्धि के लिए निरंतर ठोस कदम उठा रही है। इन धान उपार्जन केन्द्रों में बाउण्ड्री वाल निर्माण, कवर्ड प्लेटफार्म निर्माण तथा अन्य आवश्यक आधारभूत संरचनाओं के विकास कार्य प्रस्तावित हैं। इन सभी कार्यों पर कुल 259.68 लाख रू. की लागत से निर्माण कराया जाएगा। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मंत्री श्री अग्रवाल ने कहा कि राज्य सरकार का संकल्प है कि किसानों को उनकी उपज का उचित मूल्य समय पर मिले और उपार्जन प्रक्रिया पूरी तरह सुव्यवस्थित एवं पारदर्शी हो। धान उपार्जन केन्द्रों में आधारभूत सुविधाओं के सुदृढ़ होने से किसानों को सुरक्षित भंडारण, सुगम परिवहन और व्यवस्थित व्यवस्था का लाभ मिलेगा। इससे उपार्जन प्रक्रिया में पारदर्शिता और सुगमता आएगी, जिससे किसानों को न्यूनतम समर्थन मूल्य पर बिक्री का पूरा लाभ मिल सकेगा। उन्होंने कहा कि प्रदेश में किसान हित सर्वोपरि है। धान उपार्जन व्यवस्था को मजबूत करने के साथ-साथ ग्रामीण अधोसंरचना के विकास पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है, ताकि गांवों में ही बेहतर सुविधाएँ उपलब्ध हो सकें। मंत्री श्री अग्रवाल ने आगे कहा कि इन कार्यों के पूर्ण होने से धान खरीदी व्यवस्था और अधिक सुचारू होगी, जिससे किसानों को अनावश्यक असुविधा का सामना नहीं करना पड़ेगा। साथ ही क्षेत्र में आधारभूत संरचनाएँ मजबूत होने से ग्रामीण अर्थव्यवस्था को भी गति मिलेगी। राज्य सरकार द्वारा कृषि क्षेत्र को सशक्त बनाने, किसानों की आय में वृद्धि करने तथा ग्रामीण क्षेत्रों में विकास कार्यों को गति देने की दिशा में निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। धान उपार्जन केन्द्रों का सुदृढ़ीकरण उसी श्रृंखला की महत्वपूर्ण कड़ी है। राज्य सरकार ने धान खरीदी को डिजिटल प्लेटफॉर्म पर ले जाकर रजिस्ट्रेशन और भुगतान प्रक्रिया को तेज किया है। सरगुजा जैसे आदिवासी बहुल क्षेत्रों में सड़क, भंडारण और बिजली सुविधाओं का विस्तार हो रहा है। मंत्री अग्रवाल ने जोर देकर कहा कि ये विकास कार्य ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करेंगे।

भारत मंडपम में एआई इम्पैक्ट समिट : छत्तीसगढ़ का स्टॉल बना आकर्षण केंद्र

एआई इम्पैक्ट समिट में देश के पहले एआई डाटा सेंटर पार्क की दी जा रही जानकारी.....

- नवा रायपुर में देश के पहले एआई डाटा सेंटर पार्क से डिजिटल नवाचार और उच्च तकनीकी निवेश को मिलेगी नई गति - मुख्यमंत्री श्री साय

रायपुर/ संवाददाता

भारत मंडपम, नई दिल्ली में आयोजित एआई इम्पैक्ट समिट में छत्तीसगढ़ द्वारा स्थापित स्टॉल देश-विदेश से आए निवेशकों, तकनीकी विशेषज्ञों, उद्योग प्रतिनिधियों और आगंतुकों के लिए प्रमुख आकर्षण का केंद्र बना हुआ है। छत्तीसगढ़ ड्रिवन बाय इंटेलिजेंस थीम पर आधारित इस स्टॉल में राज्य की उभरती कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) क्षमता, अत्याधुनिक डिजिटल अधोसंरचना और निवेश संभावनाओं को प्रभावी ढंग से प्रदर्शित किया जा रहा है। स्टॉल में डिजिटल प्रस्तुति, सूचना पैनल और इंटरैक्टिव माध्यमों के जरिए छत्तीसगढ़ को उभरते टेक्नोलॉजी हब के रूप में प्रस्तुत किया जा रहा है, जिससे निवेशकों में विशेष उत्साह देखा जा रहा है। स्टॉल में विशेष रूप से नवा रायपुर में स्थापित किए जा रहे देश के पहले एआई डाटा सेंटर पार्क की जानकारी प्रमुखता से दी जा रही है। इस महत्वाकांक्षी परियोजना में लगभग 1000 करोड़ रुपये का निवेश प्रस्तावित है तथा इसमें एक लाख तक ग्राफिक्स प्रोसेसिंग यूनिट (जीपीयू) स्थापित किए जाने की क्षमता विकसित की जाएगी। यह परियोजना देश में एआई आधारित सेवाओं, उच्च क्षमता डाटा प्रोसेसिंग और डिजिटल नवाचार को नई गति प्रदान करते हुए छत्तीसगढ़ को भविष्य की अर्थव्यवस्था के महत्वपूर्ण केंद्र के रूप में स्थापित करने में सहायक होगी। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने इस अवसर पर कहा कि एआई इम्पैक्ट समिट में छत्तीसगढ़ का स्टॉल देश-विदेश के निवेशकों और तकनीकी विशेषज्ञों के लिए आकर्षण का केंद्र बनना प्रदेश के लिए गर्व का विषय है।

संपादकीय

अरावली पर सुप्रीम कोर्ट का 'सुरक्षा कवच'

यह छिपी बात नहीं है कि जितने बड़े इलाके में अरावली की पहाड़ियां फैली हैं, वहां और उसके आसपास उसकी क्या अहमियत है। इसे सिर्फ इतने से समझा जा सकता है कि समूची पर्वत-शृंखला को एक जीवन-रेखा की तरह देखा जाता है।विडंबना यह है कि वहां खनन और अन्य गतिविधियों की वजह से पूरे क्षेत्र में पड़ने वाले प्रभाव और उसके नुकसानों को देखते हुए जब अरावली के संरक्षण के लिए स्वर तेज हो रहे हैं, वैसे में भी सरकार को नई परियोजनाओं के असर पर विचार करना जरूरी नहीं लग रहा है।गौरतलब है कि हरियाणा सरकार सुप्रीम कोर्ट में गुरुग्राम और नूंह जिले में प्रस्तावित जंगल सफारी पर विस्तृत योजना जमा करना चाहती थी। हरियाणा सरकार की ओर से अदालत में यह दलील भी दी गई कि सफारी परियोजना की विस्तृत रपट में जरूरत की भूमि को दस हजार एकड़ से बदल कर तीन हजार तीन सौ एकड़ कर दिया गया है। मगर शीर्ष अदालत ने इस पर सख्त रुख अख्तियार किया और कहा कि जब तक विशेषज्ञ अरावली क्षेत्र की परिभाषा को बिल्कुल स्पष्ट नहीं कर देते, तब तक किसी को भी अरावली को छूने नहीं दिया जाएगा और कोई भी विकास या निर्माण कार्य की अनुमति नहीं दी जाएगी।गौरतलब है कि पिछले वर्ष अक्तूबर में हरियाणा सरकार की प्रस्तावित 'अरावली जू सफारी' परियोजना पर सुप्रीम कोर्ट ने रोक लगा दी थी। हालांकि सरकार का कहना था कि इस परियोजना के तहत विश्व की सबसे बड़ी सफारी तैयार की जाएगी, जिसमें बाघ, पक्षी, सरीसृप और तितलियों के लिए अलग-अलग क्षेत्र बनाए जाने थे। मगर भारतीय वन सेवा के पांच सेवानिवृत्त अधिकारियों और एक संगठन की ओर से दायर याचिका में कहा गया कि पहले ही संकट का सामना कर रही अरावली पर्वत-शृंखला के लिए यह परियोजना विनाशकारी साबित होगी। यह समझना मुश्किल है कि 'जू सफारी' बनाने या ऐसी अतिरिक्त गतिविधियों को जहां समूचे अरावली क्षेत्र के लिए नुकसानदेह माना जा रहा है, पर्यावरणविद् इसके लिए चेताते रहे हैं, उस इलाके में अरावली के परिभाषित होने तक रुकना क्यों जरूरी नहीं समझा जा रहा है।जिस पहलू को सरकार को खुद समझना चाहिए, उसके लिए शीर्ष अदालत को बताने की जरूरत क्यों पड़ रही है। पहाड़ियों और पर्वतमाला की एक जैसी परिभाषा को स्वीकार कर लिया था। हालांकि बाद में विशेषज्ञों की रपट आने तक दिल्ली, हरियाणा, राजस्थान और गुजरात में फैले इसके इलाकों में खनन के नए पट्टे देने पर रोक लगा दी थी।चार राज्यों और कई सौ किलोमीटर के क्षेत्र में फैली अरावली दुनिया की सबसे पुरानी पर्वत शृंखलाओं में एक है और यह थार मरुस्थल को पूर्व यानी दिल्ली सहित राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में फैलने से रोकने वाली एक प्राकृतिक ढाल के रूप में काम करती है।

बांग्लादेश के लिए यह क्षण आत्ममंथन का भी है। क्या वह अपनी पहचान को केवल धार्मिक राष्ट्रवाद तक सीमित करेगा, या भाषा, संस्कृति और बहुलता की उस विरासत को आगे बढ़ाएगा जिसने उसे जन्म दिया? मुक्ति संग्राम की मूल भावना सामाजिक न्याय और समान अवसर की थी। बांग्लादेश की राजनीति एक बार फिर इतिहास के मोड़ पर खड़ी है। लगभग दो दशकों के लंबे अंतराल के बाद यदि बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) स्पष्ट बहुमत के साथ सत्ता में लौटती है और तारिक रहमान प्रधानमंत्री पद की दावेदारी तक पहुंचते हैं, तो यह केवल सत्ता परिवर्तन नहीं, बल्कि राजनीतिक दिशा परिवर्तन का संकेत होगा। 299 सीटों में से 212 पर विजय का दावा इस बात का प्रमाण है कि मतदाता लंबे समय से चली आ रही अस्थिरता, अंतरिम व्यवस्थाओं और वैचारिक ध्रुवीकरण से बाहर निकलकर एक निर्णायक जनादेश देना चाहता है। छात्र आंदोलन से उपजी नेशनल सिटीजन पार्टी का मात्र छह सीटों पर सिमटना भी इस तथ्य को पुष्ट करता है कि जनभावना प्रयोगधर्मिता से आगे बढ़कर स्थायित्व की ओर झुक रही है।

बांग्लादेश में सत्ता परिवर्तन की वैचारिक क्रांति

(ललित गर्ग)

लगभग अठारह महीने से चल रही अंतरिम व्यवस्था के अवसान के साथ बांग्लादेश एक नए अध्याय में प्रवेश करने जा रहा है, पर प्रश्न यह है कि यह अध्याय उदार लोकतंत्र का होगा या किसी नए प्रकार के वैचारिक वर्चस्व का?बांग्लादेश का इतिहास संघर्ष, त्याग और पहचान की जिजीविषा से निर्मित हुआ है। 1971 के मुक्ति संग्राम में भारत की निर्णायक भूमिका केवल सैन्य सहायता तक सीमित नहीं थी, वह सांस्कृतिक और मानवीय सहयोग का भी प्रतीक थी। परंतु पिछले कुछ वर्षों में राजनीतिक ध्रुवीकरण, कट्टरवादी विमर्श और बाहरी प्रभावों ने उस ऐतिहासिक आत्मीयता पर धुंध डालने का प्रयास किया। अंतरिम सरकार के दौरान जिस प्रकार वैचारिक कठोरता और प्रशासनिक असमंजस दिखा, उसने अर्थव्यवस्था और सामाजिक ताने-बाने दोनों को प्रभावित किया। ऐसे समय में स्पष्ट जनादेश को स्थिरता का अवसर माना जा सकता है, बशर्ते सत्ता इसे प्रतिशोध का माध्यम न बनाए, बल्कि पुनर्निर्माण का औजार बनाए।

तारिक रहमान के सामने सबसे बड़ी चुनौती सांप्रदायिक सौहार्द की पुनर्स्थापना होगी। बांग्लादेश का सामाजिक ढांचा बहुलतावादी है, वहां अल्पसंख्यक समुदायों की सुरक्षा और सम्मान केवल नैतिक दायित्व नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक विश्वसनीयता की कसौटी है। यदि नई सरकार कट्टरवाद से दूरी बनाकर विकासोन्मुखी एजेंडा अपनाती है, तो वह न केवल आंतरिक स्थिरता ला सकती है, बल्कि दक्षिण एशिया में एक सकारात्मक उदाहरण भी प्रस्तुत कर सकती है। पर यदि चुनावी विजय को वैचारिक वर्चस्व के रूप में प्रस्तुत किया गया, तो यह जनादेश अवसर से अधिक संकट में बदल सकता है।

आर्थिक मोर्चे पर बांग्लादेश ने पिछले दशक में उल्लेखनीय प्रगति की थी। वस्त्र उद्योग, निर्यात वृद्धि और महिला सशक्तिकरण जैसे क्षेत्रों में उसने मिसाल कायम की। किंतु राजनीतिक अस्थिरता और नीतिगत अनिश्चितता ने निवेशकों के विश्वास को झटका दिया। अब नई सरकार के लिए यह अनिवार्य है कि वह आर्थिक सुधारों को गति दे, रोजगार सृजन पर ध्यान केंद्रित करे और विदेशी निवेश के लिए अनुकूल वातावरण बनाए। विकास की नई गंगा तभी बहेगी जब शासन पारदर्शी, जवाबदेह और समावेशी होगा। केवल नारे या राष्ट्रवाद की तीखी ध्वनियां आर्थिक संकट का समाधान नहीं बन सकतीं।

भारत-बांग्लादेश संबंध इस चुनाव के सबसे महत्वपूर्ण आयामों में से एक हैं। दोनों देशों के बीच साझा इतिहास, सांस्कृतिक निकटता और आर्थिक परस्परता है। सीमा प्रबंधन, जल बंटवारा, व्यापार और सुरक्षा सहयोग जैसे मुद्दे परस्पर विश्वास से ही सुलझ सकते हैं। हाल के वर्षों में पाकिस्तान के साथ बढ़ती निकटता और भारत के प्रति संदेहपूर्ण बयानबाजी ने संबंधों में अनावश्यक तनाव पैदा किया। यदि नई सरकार क्षेत्रीय संतुलन की नीति अपनाते हुए भारत के साथ सौहार्दपूर्ण संवाद पुनः स्थापित करती है, तो यह दोनों देशों के हित में होगा। भारत ने बांग्लादेश के निर्माण और विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है, उस ऐतिहासिक साझेदारी को भावनात्मक नहीं, व्यावहारिक आधार पर पुनर्जीवित करने की आवश्यकता है।

यह भी ध्यान रखना होगा कि दक्षिण एशिया की राजनीति अब केवल द्विपक्षीय समीकरणों तक सीमित नहीं है। चीन की बढ़ती उपस्थिति, अमेरिका की रणनीतिक रुचि और पाकिस्तान की पारंपरिक भूमिका-इन सबके बीच बांग्लादेश को संतुलित कूटनीति अपनानी होगी। यदि नई सरकार वैचारिक आग्रहों से ऊपर उठकर राष्ट्रीय हित को सर्वोपरि रखती है, तो वह क्षेत्रीय शक्ति संतुलन में एक परिपक्व भूमिका निभा सकती है। परंतु यदि विदेश नीति घरेलू राजनीति का विस्तार बन गई, तो अस्थिरता का चक्र फिर दोहराया जा सकता है।

इस चुनाव का एक और महत्वपूर्ण संकेत यह है कि बांग्लादेश का मतदाता अब निर्णायकता चाहता है। लंबे समय तक आंदोलन, विरोध और अंतरिम प्रयोगों से थका समाज स्थिर शासन की आकांक्षा रखता है। किंतु स्थिरता केवल बहुमत से नहीं आतीय वह संस्थाओं की मजबूती, न्यायपालिका की स्वतंत्रता और मीडिया की स्वायत्तता से आती है। नई सरकार को यह समझना होगा कि लोकतंत्र केवल चुनाव जीतने का नाम नहीं, बल्कि असहमति को सम्मान देने की संस्कृति का नाम है। यदि विपक्ष को हाशिये पर धकेला गया या आलोचना को देशविरोध का रूप दिया गया, तो लोकतांत्रिक ऊर्जा क्षीण हो जाएगी।

बांग्लादेश के लिए यह क्षण आत्ममंथन का भी है। क्या वह अपनी पहचान को केवल धार्मिक राष्ट्रवाद तक सीमित करेगा, या भाषा, संस्कृति और बहुलता की उस विरासत को आगे बढ़ाएगा जिसने उसे जन्म दिया? मुक्ति संग्राम की मूल भावना सामाजिक न्याय और समान अवसर की थी। यदि नई सत्ता उस भावना को पुनर्जीवित करती है, तो यह जनादेश ऐतिहासिक सिद्ध होगा। अन्यथा यह अवसर भी इतिहास की एक और चूकी हुई संभावना बन सकता है।

भारत की दृष्टि से भी यह चुनाव महत्वपूर्ण है। नई दिल्ली को प्रतिक्रिया में उतावलापन नहीं, बल्कि धैर्य और कूटनीतिक परिपक्वता दिखानी होगी। पड़ोसी देश की संप्रभुता और जनादेश का सम्मान करते हुए सहयोग का हाथ बढ़ाना ही दीर्घकालिक हित में है। सीमा पार आतंकवाद, अवैध घुसपैठ और तस्करी जैसे मुद्दों पर सख्ती के साथ-साथ आर्थिक और सांस्कृतिक संवाद को भी सुदृढ़ करना होगा। संबंधों में भावनात्मकता के बजाय व्यावहारिकता और पारस्परिक सम्मान की नींव आवश्यक है।

अंततः यह चुनाव बांग्लादेश के लिए निर्णायक इसलिए है क्योंकि यह केवल सरकार बदलने का अवसर नहीं, बल्कि शासन की शैली और राष्ट्रीय दिशा तय करने का क्षण है। यदि नई सरकार कट्टरवाद से मुक्त, समावेशी और विकासोन्मुखी नीति अपनाती है, तो वह बांग्लादेश को स्थिरता और समृद्धि के पथ पर अग्रसर कर सकती है। परंतु यदि वह अतीत की कटु स्मृतियों और वैचारिक आग्रहों में उलझी रही, तो जनादेश की सार्थकता संदिग्ध हो जाएगी। बांग्लादेश को अब नई संभावनाओं, नई सोच और नए संकल्पों के साथ आगे बढ़ना है। यही इस चुनाव का संदेश है और यही उसकी वास्तविक परीक्षा भी। (इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

जेन-जेड की डिजिटल दुनिया, ताकत या कमजोरी

(सुरेश सेठ)

इस समय बड़ी चुनौती यह है कि डिजिटल दुनिया से प्रभावित इस शक्ति को अगर सही दिशा नहीं मिली, तो इससे उनका ही नुकसान हो सकता है। दुनियाभर में युवाओं की नई पौध कहीं अधिक प्रखर और त्वरित कदमों से आगे बढ़ने वाली पीढ़ी है। सोशल मीडिया और स्मार्टफोन के दौर की इस पीढ़ी को आजकल 'जेन-जेड' कहा जा रहा है। यही वह नई युवा शक्ति है, जो अपने-अपने देशों में अन्याय और विसंगतियों के विरुद्ध खड़ी हो रही है। कुछ समय पहले पूरी दुनिया ने नेपाल, श्रीलंका और बांग्लादेश में उन प्रदर्शनों को देखा, जिनमें हजारों युवा सड़कों पर उतर आए थे। उस समय ऐसा लगा कि बहुत कुछ बदल जाएगा। जो विसंगतियां हैं, अब वे खत्म होंगी। चाहे वह भ्रष्टाचार हो या नेताओं का परिवारवाद या फिर महंगाई और बेरोजगारी जैसी समस्या। मगर ऐसा कुछ देखने को नहीं मिला और इन देशों में ढर्रा वही रहा, जो पहले था। सत्ता परिवर्तनों के बावजूद कोई खास बदलाव सामने नहीं आया।

नई युवा शक्ति का असमानता और अन्याय के खिलाफ उठ खड़ा होना उन देशों के लिए असरदार हो सकता है, जहां स्थिति सचमुच बेहद खराब है और जहां अर्थव्यवस्था जर्जर हो रही है। मगर दिक्कत यह है कि कृत्रिम मेधा और सोशल मीडिया से प्रभावित यह पीढ़ी तत्काल सब कुछ दुरुस्त कर लेना चाहती है। मगर सच तो यह है कि अचानक सड़कों पर उतर जाने से रातों-रात व्यवस्था नहीं बदल जाती। यह पीढ़ी अपनी ताकत का धैर्य और सकारात्मक तरीके से इस्तेमाल करे, तो दुनिया में जो बदलाव वे चाहते हैं, वह संभव हो सकता है। ऐसी स्थिति में इस पीढ़ी की सार्थकता और उसकी ताकत पर दुनिया का भरोसा कायम हो सकता है। मगर अभी ऐसा हुआ नहीं है। इस समय बड़ी चुनौती यह है कि डिजिटल दुनिया से प्रभावित इस शक्ति को अगर सही दिशा नहीं मिली, तो इससे उनका ही नुकसान हो सकता है। भारत में इस युवा पीढ़ी को सार्थक निवेश के जरिए आगे बढ़ाने के प्रयास किए जा रहे हैं। देश इनका साथ लेकर प्रगति के पथ पर तेजी से अग्रसर होना चाहता है। मगर, ये उम्मीदें आगे कितनी सच होंगी, अभी कुछ कहा नहीं जा सकता। फिलहाल तो करोड़ों युवा बेरोजगार हैं। देश की युवा आबादी कार्ययोग्य है, लेकिन उन्हें काम देने की बजाय अनुकंपा पर जीने की राह दिखाई जा रही है। अगर वे जल्द से जल्द अमीर बनने के लिए दूसरे देशों की ओर पलायन करते हैं, तो वहां से उन्हें किस तरह से स्वदेश वापस भेजा गया है, इसे सभी ने देखा है। अपने देश में तो रोजगार की गुंजाइश बढ़ नहीं रही, ऐसे में युवा करे, तो क्या करें। वहीं इनके सही राह से भटक जाने का जो जोखिम है, इसे कौन समझेगा। युवा देश की अमूल्य निधि होते हैं। उनके प्रखर और विकासोन्मुख होने की बात कही जाती है। मगर अभी दुनिया के कई देशों में अनुसंधान का निष्कर्ष यह बताता है कि आधुनिक तकनीक अपनाने वाली इस पीढ़ी की मेधा शक्ति पिछली पीढ़ी से कम है। इसकी क्या वजह हो सकती है? इसका कारण यह बताया जाता है कि 'जेन-जेड' कहलाने वाली यह पीढ़ी डिजिटल तकनीक पर बहुत अधिक निर्भर है। स्वयं खोज करने या अनुसंधान करने की बजाय उन्हें पहले से तैयार सब चीजें चाहिए। कई बार उनमें मौलिकता नहीं दिखाई पड़ती। उनमें कितनी संभावनाएं हैं, यह सामने आना अभी बाकी है। कहा जा रहा है कि भारत कृत्रिम मेधा और डिजिटल दुनिया में तेज गति से आगे बढ़ रहा है, लेकिन यह साफ है कि नई पीढ़ी मेधा और स्मृति के मामले में पिछली पीढ़ी जितनी भी नहीं दिखाई देती है। देश में तकनीक के अधिक इस्तेमाल के कारण किसी में स्वयं खोज करने की पहल नहीं दिखाई देती। शोध विशेषज्ञों के मुताबिक, पिछले पचास- साठ साल में जैसे-जैसे भारत सहित पूरी दुनिया में तकनीक का उपयोग शिक्षा क्षेत्र में बढ़ा है, बच्चों में सीखने की क्षमता घट गई है। मगर जो बच्चे प्रौद्योगिकी का कम या बिल्कुल इस्तेमाल नहीं करते, उनके परिणाम उन बच्चों से बेहतर हैं, जो डिजिटल सुविधा पर निर्भर हैं। भारत समेत पूरी दुनिया में कृत्रिम मेधा का बोलबाला हो गया है। सब जगह कागज रहित कार्य संस्कृति विकसित होने लगी है। दूसरी ओर इसी नई तकनीक का नतीजा है कि अब पुस्तकों के जरिए कम और स्मार्ट फोन, लैपटाप एवं कंप्यूटर पर शिक्षा देने का चलन बढ़ रहा है।

वायु प्रदूषण से जुड़ी मौतें, जब स्वास्थ्य का असर दिखता है, लेकिन राष्ट्रीय आंकड़े पीछे रह जाते हैं

उत्तर भारत के शहरों, विशेषकर दिल्ली में, वायु प्रदूषण का स्वास्थ्य पर प्रभाव अब किसी से छिपा नहीं है। बढ़ता वायु प्रदूषण एक गंभीर वैश्विक स्वास्थ्य आपातकाल बनता जा रहा है। वाहनों का धुआं, औद्योगिक उत्सर्जन, जीवाश्म ईंधनों का उपयोग और फसलों के अवशेष जलाना इसके प्रमुख स्रोत हैं, जो फेफड़ों के कैंसर, हृदय रोग और मस्तिष्काघात जैसी जानलेवा बीमारियों का जोखिम बढ़ा देते हैं। यह समस्या न केवल स्वास्थ्य, बल्कि आर्थिक उत्पादकता और कृषि को भी प्रभावित कर रही है। मगर सवाल यह है कि भारत में वायु प्रदूषण से होने वाली मौतों को दर्ज करने के लिए क्या मृत्यु प्रमाणपत्र में इसका स्पष्ट उल्लेख होना जरूरी है और यदि ऐसा है, तो इसके लिए माकूल व्यवस्था का अभाव क्यों है?

(रोहन सिंह)

यह प्रश्न इसलिए महत्त्वपूर्ण है, क्योंकि सरकार का कहना है कि देश में ऐसा कोई राष्ट्र-स्तरीय डेटा उपलब्ध नहीं है, जो बीमारियों या मौतों को वायु प्रदूषण से सीधे तौर पर जोड़ता हो।

किसी भी महामारी से निपटने के विज्ञान में 'एक्सपोजर-रिस्पॉन्स मॉडल', अतिरिक्त मृत्यु दर का अनुमान और जनसंख्या-स्तरीय जोखिम आकलन जैसे तरीकों का उपयोग किया जाता है। भारत स्वयं तंबाकू-संबंधी कैंसर और व्यावसायिक जोखिमों से जुड़ी बीमारियों के आकलन में इन तरीकों को स्वीकार करता है। यदि वायु प्रदूषण कोई वायरस होता, तो संभवतः भारत अब तक सार्वजनिक स्वास्थ्य आपातकाल घोषित कर चुका होता। पिछले वर्ष सरकार की ओर से राज्यसभा में दिए गए एक लिखित उत्तर में कहा गया था कि देश में ऐसा कोई निर्णायक राष्ट्र-स्तरीय आंकड़ा उपलब्ध नहीं है, जो मौतों या बीमारियों को केवल वायु प्रदूषण से सीधे तौर पर जोड़ता हो।

वर्ष 2007 में भी सरकार ने राज्यसभा में एक लिखित उत्तर में विश्व स्वास्थ्य संगठन और आईजीआईडीआर के आंकड़ों का हवाला देते हुए बताया था कि घर के भीतर वायु प्रदूषण के कारण लगभग 4.07 लाख भारतीयों की समय से पहले मौत हो गई थी, जिनमें अधिकांश महिलाएं और बच्चे थे। हालांकि, सरकार ने यह भी कहा था कि इन मौतों और वायु प्रदूषण के बीच सीधा संबंध स्थापित करने के लिए कोई निर्णायक डेटा उपलब्ध नहीं है।

इस संदर्भ में यह कहना गलत नहीं होगा कि देशव्यापी मृत्यु प्रमाणपत्रों के अभाव को तकनीकी रूप से सही ठहराया जा सकता है, लेकिन यह चिकित्सकीय सत्य को पूरी तरह नहीं दर्शाता। सार्वजनिक स्वास्थ्य में जिम्मेदारी केवल एक कारण वाले मृत्यु प्रमाणपत्रों से नहीं मापी जा सकती। अधिकांश प्रदूषण-जनित मौतें हृदय और श्वसन संबंधी रोगों के बढ़ने के कारण होती हैं, जहां वायु प्रदूषण एक जोखिम कारक के रूप में काम करता है, न कि अकेले कारण के रूप में। सरकार का तर्क संभवतः तकनीकी पहलू पर आधारित है - अर्थात सार्वजनिक स्वास्थ्य रिकार्ड या ऐसे गहन अध्ययनों का अभाव, जिनमें प्रत्येक मौत को स्पष्ट रूप से 'वायु प्रदूषण-जनित' के रूप में दर्ज किया गया हो।

यह कहना कि 'निर्णायक राष्ट्रीय डेटा' उपलब्ध नहीं है, कुछ हद तक तकनीकी रूप से सही हो सकता है, लेकिन इसका यह अर्थ नहीं है कि वायु प्रदूषण मौतों का कारण नहीं बन रहा।

उत्तर भारत के शहरों, विशेषकर दिल्ली में, वायु प्रदूषण का स्वास्थ्य पर प्रभाव अब किसी से छिपा नहीं है। सार्वजनिक स्वास्थ्य विशेषज्ञों की राय और अनेक अध्ययनों ने बार-बार यह दिखाया है कि सूक्ष्म कणों से होने वाला वायु प्रदूषण मानव जीवन पर गंभीर प्रभाव डालता है। लांसेट पत्रिका में प्रकाशित 'ग्लोबल बर्डन ऑफ डिजीज स्टडी' के अनुसार, भारत में वर्ष 2019 में दस लाख से अधिक मौतें वायु प्रदूषण के कारण हुईं, जो देश में कुल मौतों का लगभग 18 प्रतिशत है।

अध्ययन से यह भी पता चला कि वर्ष 1990 से 2019 के बीच सूक्ष्म कणों से होने वाली मृत्यु दर में 115 प्रतिशत की वृद्धि हुई, जबकि घरेलू वायु प्रदूषण से होने वाली मृत्यु दर में कमी आई। चिंताजनक तथ्य यह है कि वायु प्रदूषण से होने वाला नुकसान बच्चे के जन्म से पहले ही शुरू हो जाता है। सेंटर फॉर साइंस एंड एनवायरमेंट के एक विश्लेषण से पता चलता है कि विषाक्त वायु भ्रूण में ऑक्सीजन और पोषक तत्वों के प्रवाह को बाधित करती है, जिससे समय से पहले जन्म, नवजात का कम वजन, फेफड़ों के विकास में रुकावट और बाल्यावस्था में दीर्घकालिक श्वसन समस्याओं की आशंका बढ़ जाती है।

पिछले कुछ दशकों में औद्योगिकीकरण, वाहनों की संख्या में तेजी और कमजोर राजनीतिक इच्छाशक्ति के कारण पर्यावरण को इस कदर नुकसान पहुंचा है कि इसके विषैले तत्व अब हर सांस और भोजन के साथ हमारे शरीर में प्रवेश कर रहे हैं। नीति-प्रतिक्रियाएं अधिकांशतः अल्पकालिक रही हैं, जबकि यह स्वास्थ्य संकट दीर्घकालिक और अंतर-पीढ़ीगत प्रभाव डालता है।

हाल ही में एक मीडिया रिपोर्ट में दिल्ली के छह प्रमुख सरकारी अस्पतालों के रिकार्ड का हवाला देते हुए बताया गया कि पिछले तीन वर्षों में इन अस्पतालों में दो लाख से अधिक गंभीर श्वसन रोगों के मामले दर्ज किए गए, जिन्हें वायु प्रदूषण से जोड़ा गया। बच्चों, बुजुर्गों और अन्य संवेदनशील समूहों में अस्थमा, सांस फूलने और श्वसन संबंधी समस्याओं के मामलों में उल्लेखनीय वृद्धि यह दर्शाती है कि वायु प्रदूषण का प्रभाव केवल सांख्यिकीय अनुमान नहीं, बल्कि रोजमर्रा की चिकित्सकीय वास्तविकता बन चुका है।

विभिन्न शोध यह भी संकेत देते हैं कि वायु प्रदूषण केवल श्वसन रोगों तक सीमित नहीं है, बल्कि यह रोगजनकों के प्रसार को भी प्रभावित कर सकता है। जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय के एक अध्ययन में दिल्ली के कुछ घनी आबादी वाले इलाकों की हवा में एंटीबायोटिक-प्रतिरोधी जीवाणुओं की मौजूदगी पाई गई। इससे संकेत मिलता है कि सूक्ष्म कण (पीएम 2.5 और पीएम 10) जीवाणुओं के लिए वाहक की तरह काम कर सकते हैं, जिससे वे हवा में लंबे समय तक बने रहते हैं और मानव शरीर तक पहुंचने की संभावना बढ़ जाती है।

यह एक ऐसा पहलू है, जो वायु प्रदूषण और स्वास्थ्य नीति को अब भी अलग-अलग खांचों में देखने की प्रवृत्ति को उजागर करता है। स्वास्थ्य आपातकाल को केवल डेटा की श्रेणियों पर तकनीकी बहस तक सीमित नहीं किया जा सकता। अस्पतालों में हर दिन वायु प्रदूषण के गंभीर प्रभाव देखे जा रहे हैं, लेकिन इन्हें आधिकारिक रूप से स्वास्थ्य संकट नहीं माना जाता, क्योंकि इस तरह की मौतें 'वायु प्रदूषण-जनित' की स्पष्ट श्रेणी में दर्ज नहीं होतीं। यह चक्रीय तर्क डेटा अंतराल के माध्यम से जवाबदेही में देरी करता है। लाखों भारतीयों के लिए यह संकट रोजमर्रा की जिंदगी का हिस्सा बन चुका है - बच्चे और युवा सर्दियों की धुंध भरी हवा में सांस लेने के लिए संघर्ष करते हैं, बुजुर्ग मरीजों से अस्पतालों में भीड़ बढ़ रही है और श्रमिक वर्ग विषाक्त हवा में बिना पर्याप्त सुरक्षा के काम करने को मजबूर है।

ऐसे में भारत को वायु प्रदूषण को केवल पर्यावरणीय समस्या नहीं, बल्कि स्वास्थ्य का एक संरचनात्मक निर्धारक मानना चाहिए। राष्ट्रीय निगरानी प्रणालियों में वैज्ञानिक साक्ष्यों को एकीकृत करने, आंकड़ों को सार्वजनिक रूप से उपलब्ध कराने और नीति विमर्श में प्रदूषण-जनित मृत्यु दर को स्पष्ट मान्यता देने की आवश्यकता है। ये केवल तकनीकी सुधार नहीं, बल्कि एक नैतिक जिम्मेदारी भी हैं, जो स्वच्छ हवा में सांस लेने के नागरिक अधिकार से जुड़ी हुई हैं।

कन्या आश्रम कोकोड़ी में साज-सज्जा प्रतियोगिता का आयोजन

कोण्डागांव। जिले के विकासखण्ड कोंडागांव अंतर्गत कन्या आश्रम कोकोड़ी और प्री मैट्रिक कन्या छात्रावास किबई बालेंगा में कक्ष साज-सज्जा प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्राचार्य शिवकुमार मंडावी और किबई बालेंगा के प्रधानाध्यापक रामलाल नेताम की अध्यक्षता में।आश्रम / छात्रावासों में इन दिनों शिक्षा के साथ-साथ रचनात्मक गतिविधियों की अनूठी झलक देखने को मिल रही है।सहायक आयुक्त कृपेन्द्र तिवारी के मार्गदर्शन में 12 से 15 फरवरी तक आयोजित कक्षा कक्ष साज-सज्जा प्रतियोगिता के तहत विद्यार्थियों ने अपनी कक्षाओं को स्वच्छ,सुन्दर और आकर्षक रूप दिया।कार्यक्रम में उपस्थित अतिथियों के द्वारा सभी कक्षों का अवलोकन किया गया।जिसमें सानिया नेहवाल कक्ष प्रथम,उमा मेहता कक्ष द्वितीय,मेरी काम कक्ष तृतीय और पीवी सिंधु कक्ष को चौथा स्थान प्राप्त हुआ।वही प्री मैट्रिक कन्या छात्रावास किबई बालेंगा में सरोजनी नायडू कक्ष प्रथम, द्वितीय कल्पना चावला व तृतीय स्थान सुनीता विलियम्स कक्ष को प्राप्त हुआ।प्रतियोगिता का उद्देश्य छात्र-छात्राओं में टीम वर्क,अनुशासन और रचनात्मक सोच का विकास करना था। कार्यक्रम के दौरान प्रधान अध्यापक सूरज नेताम ने आश्रम के प्रांगण में बने अभिभावकों के द्वारा शानदार कुटिया और झूला निर्माण सहित बच्चों के द्वारा पारंपरिक स्थानीय संग्रहालय के साथ बेहतर शालेय वातावरण सजावट की प्रशंसा करते हुए उन्हें मिष्ठान वितरण कर प्रोत्साहित किया गया।मुख्य अतिथि ने विद्यार्थियों की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे आयोजन बच्चों के सर्वांगीण विकास में महत्वपुर्ण भूमिका निभाते है।निर्णायक मडंल ने स्वच्छता,सजावट और अनुशासन के आधार पर मुल्यांकन किया।कार्यक्रम के समापन पर न्योता भोज का आयोजन किया गया।इस अवसर पर पालक गण,शाला प्रबंधन समिति के सदस्य,अधीक्षक प्रीति गोस्वामी,संकुल समन्वयक सुकमन नेताम,शिक्षिका मधुमती मंडावी,जयलाल मरकाम,भोजराज पटेल,केशव साहू,मनसू मंडावी सहित आश्रम शाला के विद्यार्थीगण उपस्थित रहे।

मंगलनार में घर-घर पहुंची स्वास्थ्य टीम, मलेरिया मुक्त बीजापुर की ओर पहल तेज

बीजापुर। मंगलनार गांव में इन दिनों ÷मलेरिया मुक्त बीजापुर÷ अभियान के तहत स्वास्थ्य विभाग की टीम सक्रिय है। भैरमगढ़ विकासखंड के इस क्षेत्र में स्वास्थ्य कर्मी घर-घर जाकर लोगों की मलेरिया जांच कर रहे हैं। जिनमें लक्षण नजर आ रहे हैं, उनका तुरंत सैंपल लेकर आगे की प्रक्रिया की जा रही है। अभियान में बीजादूतीर स्वयंसेवक भी बढ़-चढ़कर सहयोग कर रहे हैं। वे ग्रामीणों को जांच के लिए प्रेरित कर रहे हैं और स्वास्थ्य टीम के साथ मिलकर लोगों को जागरूक कर रहे हैं। गांव में छोटी बैठकों के माध्यम से साफ-सफाई, घर के आसपास पानी जमा न होने देने और नियमित मच्छरदानी उपयोग के महत्व को समझाया जा रहा है।बच्चों को सरल भाषा में बताया जा रहा है कि मच्छरों से बचाव ही मलेरिया से सुरक्षा का सबसे आसान तरीका है। ग्रामीणों ने भी इस पहल का स्वागत किया है और जांच में सहयोग दिया है।बीजापुर जिले को मलेरिया मुक्त बनाने के लक्ष्य के साथ यह अभियान लगातार जारी है। स्वास्थ्य विभाग और स्वयंसेवकों की संयुक्त पहल को गांव में सकारात्मक कदम माना जा रहा है।

महिला आरक्षक की शिकायत पर बीजापुर के डिप्टी कलेक्टर निलंबित

बीजापुर। महिला आरक्षक द्वारा लगाए गए गंभीर आरोपों के बाद बीजापुर में पदस्थ डिप्टी कलेक्टर दिलीप उइके को निलंबित कर दिया गया है। यह मामला कुछ माह पहले बालोद जिले के डौंडी थाना में दर्ज किया गया था। शिकायत में शादी का झांसा देकर शारीरिक संबंध बनाने, जबरन गर्भपात कराने और आर्थिक शोषण के आरोप लगाए गए हैं।पुलिस के अनुसार, महिला आरक्षक ने लिखित शिकायत में बताया कि वर्ष 2017 में डौंडी स्थित आईटीआई में पढ़ाई के दौरान उसकी दिलीप उइके से पहचान हुई, जो बाद में प्रेम संबंध में बदल गई। आरोप है कि शादी का आश्वासन देकर शारीरिक संबंध बनाए गए। पहली बार गर्भवती होने पर पढ़ाई और नौकरी का हवाला देकर गर्भपात कराया गया।महिला ने यह भी बताया कि पुलिस विभाग में नौकरी लगने के बाद उसने आरोपी की पढ़ाई और कोचिंग के लिए नियमित रूप से आर्थिक सहायता दी। वर्ष 2020 में पीएससी परीक्षा में सफल होने के बाद आरोपी की डिप्टी कलेक्टर के रूप में नियुक्ति हुई और बीजापुर में पदस्थापना हुई। इसके बाद भी शादी का आश्वासन दिया जाता रहा।शिकायत में वर्ष 2025 के दौरान तीन बार गर्भवती होने और जबरन दवा देकर गर्भपात कराने का आरोप लगाया गया है। साथ ही बैंक से ऋण लेकर कुल 3 लाख 30 हजार रुपये आरोपी के खाते में ट्रांसफर करने की बात कही गई है। वाहन खरीद-फरोख्त से जुड़े लेनदेन का भी उल्लेख शिकायत में किया गया है। महिला आरक्षक ने छत्तीसगढ़ शासन के मुख्य सचिव को 12 बिंदुओं में अलग से शिकायत प्रस्तुत की है। इसमें आरोप लगाया गया है कि जिला प्रशासन स्तर पर आरोपी को संरक्षण दिया गया और नियमों के विपरीत अवकाश स्वीकृत किए गए। शिकायत के साथ दस्तावेज भी संलग्न किए गए हैं। डौंडी थाना में प्राथमिकी दर्ज होने के बाद मामले की जांच जारी है। प्रशासन ने मामले की गंभीरता को देखते हुए डिप्टी कलेक्टर को निलंबित कर दिया है। पुलिस का कहना है कि जांच के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

मारकंडी नदी सुखने से मक्का का फसल खतरे में, बस्तर कलेक्टर से मिले किसान

जगदलपुर। बस्तर ब्लॉक के ग्राम पंचायत कुंडगुड़ा मधोता 02 खैरगुड़ा, बड़े अलनार के किसान आज बस्तर कलेक्टर आकाश छिकारा से मिले और उन्हें अपनी समस्या से अवगत कराया। किसानों ने बताया कि मारकंडी नदी सुखने से मक्का का फसल सुखने लगा है, जिससे वे चिंतित हैं। कलेक्टर ने किसानों को आश्वासन देते हुए कहा कि दो-तीन दिन में पानी छोड़ा जाएगा। उन्होंने कहा कि वे इस मामले को गंभीरता से ले रहे हैं और जल्द से जल्द समाधान के लिए काम करेंगे। कलेक्टर ने कहा कि वे संबंधित अधिकारियों को निर्देश दे चुके हैं कि जल्द से जल्द पानी छोड़ा जाए ताकि किसानों की फसल बचाई जा सके।खैरगुड़ा, बड़े अलनार और मधोता के अधिकतर किसान रबी में मक्के की फसल लेते हैं, लेकिन इस साल गर्मी आने से पहले ही मारकंडी नदी सुखने से मक्का का फसल खतरे में पड़ गया है। किसानों ने कलेक्टर से मांग की है कि जल्द से जल्द पानी छोड़ा जाए ताकि उनकी फसल बचाई जा सके।कोसारटेडा बांध में मरम्मत कार्य करने के कारण इस बार पानी नहीं छोड़ा गया, जिससे नदी सुखने लगा। नदी में पानी सुखने का दूसरा कारण स्टाप डेम का अनियमित रूप से खोलना भी सामने आया है। सिंचाई कार्य के लिए ही नदी में स्टाप डेम का निर्माण कर पानी का रोकथाम किया जाता है, किंतु इसका अनियमित रूप से उपयोग करने से नदी का जल स्तर कम हो गया है।इस दौरान संजय सिंह ठाकुर, बलदेव ठाकुर, त्रिनाथ ठाकुर, मनोज कुमार ठाकुर,नरेश ठाकुर, हरगोविंद सिंह, दिनेश कुमार, शेषनाथ,भोलाराम, नंदो ठाकुर, हेमन्त ठाकुर सोनसाय,लखेश्वर ठाकुर भूषण आदि उपस्थित थे।

बालोंड के गौरा चौक में हुआ शिवलिंग की स्थापना

कोण्डागांव। ग्राम बालोंड के गौरा चौक में 18 जनवरी को शिवलिंग की स्थापना की गई,सुबह से ही ग्रामवासियो में इस कार्यक्रम को ले कर बेहद उत्साहित नजर आये,कार्यक्रम की शुरुआत मंगल कलश यात्रा से शुरू हुआ कलश यात्रा के दौरान भजन कीर्तन के साथ ग्राम भ्रमण की गई.तत्पश्चात यज्ञ के माध्यम से विधिवत मन्त्रोंपचार व पूजा के साथ शिवलिंग की स्थापना की गई।इस दौरान माहौल भक्तिमय रहा कार्यक्रम में ग्रामवासियो के साथ साथ मुख्य रूप से जनपद सदस्य पन्नालाल नेताम,सरपंच श्रीमती शकुंतला मरकाम,पटेल सियाराम मरकाम,मुख्य सदस्यों में उदय बघेल, मेघूराम चौहान, प्रतापसिँह बघेल, मोहन मरकाम, गणेश चौहान,सुखुराम मरकाम, सोमीराम, सोनाराम,उमेश राठौर,शत्रुघन, बंशी मरकाम,देबीराम महिला मंडली के मुख्य सदस्यों में रुद्धरीश्वरी साहू, लक्ष्मी राठौर रजो बघेल, सुकनतीन बघेल, ममता चौहान,कुंती बघेल,कंचन बघेल,बीसन बैध, पिंगला चौहान,मनीषा चौहान,रीना चौहान,सरिता बघेल, मुंगो बाई, सुकमती मरकाम, सियलदई, लछनतिन मरकाम कृष्णा पमार,व बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित थे.कार्यक्रम पुरोहित भागवत वैष्णव ग्राम शामपुर के द्वारा सम्पन्न कराई गई।

प्रधानमंत्री सूर्य घर योजना के तहत ग्राम राजा खुज्जी में शिविर आयोजित, खुज्जी बना 'सोलर पैनल आदर्श ग्राम'

डोंगरगांव। 18 फरवरी 2026 को ग्राम राजा खुज्जी में बुधवार को भारत सरकार की महत्वाकांक्षी प्रधानमंत्री सूर्य घरः मुक्त बिजली योजना के तहत जागरूकता एवं समाधान शिविर का सफल आयोजन किया गया। शिविर में बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने भाग लेकर योजना से जुड़ी जानकारी प्राप्त की। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में डोंगरगांव की मुख्य कार्यपालन अधिकारी रोशनी भगत टोप्पो उपस्थित रहीं। अपने उद्बोधन में उन्होंने योजना के उद्देश्यों, पात्रता, आवेदन प्रक्रिया तथा मिलने वाले अनुदान की विस्तारपूर्वक जानकारी दी। उन्होंने कहा कि यह योजना ग्रामीण एवं शहरी उपभोक्ताओं को सौर ऊर्जा के माध्यम से बिजली बिल में राहत प्रदान करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। उन्होंने अधिकारियों एवं कर्मचारियों को निर्देशित किया कि योजना से संबंधित किसी भी प्रकार की तकनीकी या प्रक्रियात्मक समस्या का त्वरित निराकरण सुनिश्चित किया जाए, ताकि अधिक से अधिक हितग्राही इसका लाभ उठा सकें।

शिविर के दौरान ग्राम खुज्जी के सरपंच अजय पंसारी के निवास पर स्थापित रूफटॉप सोलर प्लांट का अवलोकन किया गया। अधिकारियों ने संयंत्र की कार्यप्रणाली का निरीक्षण करते हुए इसे ग्रामीण क्षेत्र में स्वच्छ ऊर्जा के सफल मॉडल के रूप में सराहा। स्थापना कार्य के लिए सोम सोलर के मनेश्वर साहू की विशेष प्रशंसा की गई। इस अवसर पर डोंगरगांव विद्युत संभाग के कार्यपालन अभियंता बीरबल यूके, सहायक अभियंता यशवंत तुमरेकी, कनिष्ठ अभियंता धनेश्वरी चंद्रवंशी सहित ग्राम के गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। विशेष रूप से, उल्लेखनीय उपलब्धि के रूप में ग्राम पंचायत खुज्जी को 'सोलर पैनल आदर्श ग्राम' घोषित किया गया। यह घोषणा ग्राम में सौर ऊर्जा के बढ़ते उपयोग और जनभागीदारी को देखते हुए की गई। इस अवसर पर ग्रामीणों ने इसे क्षेत्र के लिए गौरव का विषय बताते हुए अधिकाधिक घरों में सोलर पैनल स्थापना का संकल्प लिया। कार्यक्रम ऊर्जा आत्मनिर्भरता की दिशा में ग्राम खुज्जी के लिए एक महत्वपूर्ण और प्रेरणादायक पहल साबित हुआ।

बीजापुर जिला अस्पतालः सुविधाओं के नाम पर सिर्फ रेफर

बस्तर की स्वास्थ्य व्यवस्था पर गंभीर सवाल : बीजापुर अस्पताल बना 'रेफर सेंटर', डिमरापाल में मरीजों पर हो रहा 'प्रयोग'

जगदलपुर। बस्तर संभाग की स्वास्थ्य सेवाओं पर एक गंभीर सवाल खड़ा हुआ है। एक तरफ बीजापुर जिला अस्पताल सिर्फ कागजों पर सुविधाओं से लैस दिखता है, जबकि हकीकत में यह महज एक 'रिफर सेंटर' बनकर रह गया है । वहीं दूसरी ओर, संभाग का सबसे बड़ा और प्रतिष्ठित जगदलपुर मेडिकल कॉलेज अस्पताल (डिमरापाल) में मरीजों के साथ उनकी जिंदगी से खिलवाड़ करते हुए उन्हें 'प्रयोग का केंद्र' बना दिया है।

बीजापुर जिला अस्पतालः सुविधाओं के नाम पर सिर्फ रेफ र-बीजापुर जिला अस्पताल को 150 बिस्तरों वाली आधुनिक सुविधा के रूप में सरकारी वेबसाइट पर दिखाया गया है, जहां जटिल सर्जरी तक की बात कही जाती है और एक सर्जरी करके अखबारों मे जनसंपर्क विभाग के माध्यम से समाचार प्रकाशित करवा कर वाहवाही लूटने मे लगी है । हालांकि, हकीकत यह है कि यह अस्पताल महज एक रेफरल केंद्र बनकर रह गया है। स्थानीय निवासियों और राजनीतिक दलों ने कई बार यह आरोप लगाया है कि गंभीर मरीजों को प्राथमिक इलाज देने के बजाय सीधे जगदलपुर मेडिकल कॉलेज के लिए रेफर कर दिया जाता है। सड़क दुर्घटना में घायल बुजुर्ग महिला का हालिया मामला हो या कोई अन्य गंभीर बीमारी, मरीजों को बेहतर इलाज के लिए 200 किलोमीटर का सफर तय करने को मजबूर होना पड़ता है । आधिकारिक दावों के विपरीत, जमीनी हकीकत यही है कि यहां बुनियादी सुविधाओं और विशेषज्ञ डॉक्टरों की कमी के चलते मरीजों को जगदलपुर की राह देखनी पड़ती है।

डिमरापाल मेडिकल कॉलेज अस्पतालः इलाज का नाम, प्रयोगशाला का काम-7 जिलों के लिए रेफरल सेंटर होने का दावा करने वाला जगदलपुर का डिमरापाल मेडिकल कॉलेज अस्पताल अब विवादों के घेरे में है। अस्पताल प्रशासन पर मरीजों को बेहतर इलाज का झांसा देकर रायपुर या अन्य बड़े शहरों में रेफर न करने की सलाह न देकर मरीजों की जान से खिलवाड़ कर रहे हैं। इस मामले को लेकर बस्तर के माटी के संपादक घनश्याम यादव ने भी अपनी आपबीती साझा की है। संपादक संघ छत्तीसगढ़ के प्रदेश अध्यक्ष एवं वरिष्ठ पत्रकार ने खुद के साथ हुई घटना का जिक्र करते हुए बताया कि जब उनकी 13 वर्षीय सुपुत्री खनक यादव की हालत गंभीर हो गई और दिमाग ने काम करना बंद कर दिया, तब भी अस्पताल अधीक्षक ने उन्हें रायपुर रेफर नही किया और वेंटीलेटर पर रखकर तरह तरह की प्रयोग करने लगे । उनका तर्क था कि यहां भी इलाज संभव है और उन्हें झूठी उम्मीद के सहारे यहीं रोके रखा गया। जबकि बुखार की हालत में 4 दिनो से बेहोशी थी और जगदलपुर मेडिकल कालेज मे न न्यूरोलाजिस्ट है न कोई हार्ट स्पेशलिस्ट। पत्रकार का आरोप है कि ÷अस्पताल के डॉक्टर मरीजों की जान से खिलवाड़ करते हुए उन्हें सिर्फ इसलिए रायपुर नहीं भेज रहे, ताकि यहां के छात्र-छात्राओं को गंभीर मरीजों पर 'प्रयोग' करके सीखने का मौका मिलता रहे।÷ उन्होंने कहा कि ÷भारत वर्ष में एक समान उपचार÷ की बातें करके मरीजों और परिजनों को गुमराह किया गया, ताकि मरीज को बाहर ले जाने से रोका जा सके। उनका कहना था कि अगर मरीज रायपुर चला जाता है तो डिमरापाल के छात्रों को ऐसा केस कहां मिलेगा, जिस पर वे प्रैक्टिस कर सकें?

अधीक्षक पर गंभीर आरोपः निजी क्लीनिक और मरीजों से खिलवाड़-समाचार पत्र 'बस्तर के माटी' के पास ऐसी कई खबरें हैं, जिनमें दिखता है कि कैसे बड़े अस्पतालों के अधीक्षक स्वयं निजी क्लीनिक चलाकर अस्पताल के मरीजों की जान से खिलवाड़ कर रहे हैं। आरोप है कि मरीजों को सरकारी अस्पताल में भर्ती करने के बजाय उन्हें अपने निजी क्लीनिकों में इलाज कराने की सलाह दी जाती है, जहां भारी फीस वसूली जाती है। यह भी बताया जा रहा है कि आपात स्थिति में सेंट्रल ब्लड बैंक के नाम पर होने के बावजूद मरीजों को खून तक उपलब्ध नहीं कराया जा रहा, जिससे मरीजों की जान पर बन आती है।

प्रशासन की मुहर, मगर सुधार कहां?-हाल ही में डिमरापाल स्थित सुपर स्पेशलिस्ट हॉस्पिटल (जिसे कॉन्टिनेंटल हॉस्पिटल द्वारा संचालित किया जा रहा है) में मनमाने शुल्क और सुविधाओं को लेकर शिकायतें मिलने के बाद चिकित्सा शिक्षा विभाग के सीएमई रितेश अग्रवाल को निरीक्षण के लिए भेजा गया था। उन्होंने ओपीडी टिकट 10 रुपये करने और आयुष्मान कार्डधारियों के मुफ्त इलाज के निर्देश दिए थे ।

लेकिन सवाल यह है कि मेडिकल कॉलेज अस्पताल की मूलभूत व्यवस्थाओं पर कब नकेल कसी जाएगी? जब तक बड़े अस्पतालों में यह स्थिति है और जिला अस्पताल सिर्फ रेफर सेंटर बने हैं, तब तक बस्तर की जनता की स्वास्थ्य सुरक्षा पर गंभीर सवाल खडे होते रहेंगे । बीजापुर का जिला अस्पताल 'रेफर सेंटर' बनकर मरीजों को जगदलपुर धकेल रहा है, और जगदलपुर का मेडिकल कॉलेज अस्पताल उन्हें रोककर 'प्रयोग' का विषय बना रहा है। यह दोहरी मार बस्तर के आम आदमी की स्वास्थ्य के मौलिक अधिकार पर सीधा प्रहार है। प्रशासन को अब सिर्फ निरीक्षण और निर्देश तक सीमित न रहकर ठोस कार्रवाई करनी होगी, ताकि अस्पतालों का नाम 'प्रयोगशाला' न रहकर 'इलाज की जगह' बना रहे।

संक्षिप्त समाचार

जेके कॉलेज के एनएसएस विद्यार्थियों का विशेष शिविर आयोजित

बिलासपुर। जे.के. एजुकेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस, आर्ट्स एंड कॉमर्स के राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) के 7 दिवसीय विशेष शिविर के पाँचवें दिवस का शुभारंभ योग सत्र से हुआ। योगाचार्य श्री विनोद डहरिया जी ने स्वयंसेवकों को विभिन्न योगासन एवं प्राणायाम का अभ्यास कराया तथा स्वस्थ जीवन के महत्व पर प्रकाश डाला। इसके पश्चात स्वयंसेवकों ने परियोजना कार्य के अंतर्गत घर-घर जाकर महिला सशक्तिकरण, जल संरक्षण तथा विकसित भारत के निर्माण में युवाओं के योगदान के विषय में ग्रामीणों को जागरूक किया। बौद्धिक परिचर्चा सत्र में भारत स्काउट एवं गाइड, बिलासपुर की जिला संगठन आयुक्त (गाइड) डॉ. पूनम सिंह, शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय लिमतरी के व्याख्याता डॉ. प्रदीप निर्णेजक, जिला संगठन आयुक्त (स्काउट) श्री महेंद्र बाबू टंडन तथा जे.के. साइंस, आर्ट्स एवं कॉमर्स पोस्ट ग्रेजुएट महाविद्यालय के प्राध्यापक डॉ. सलीम खोखर विशेष रूप से उपस्थित रहे। परिचर्चा का मुख्य विषय महिला सशक्तिकरण, विकसित भारत में युवाओं की भूमिका, जल संरक्षण एवं नशा-मुक्त समाज रहा। अतिथियों ने स्वयंसेवकों को सामाजिक जिम्मेदारियों के प्रति प्रेरित किया। पाचवें दिवस पर सभी स्वयंसेवकों एवं अतिथियों ने कौशल विकास परिसर, गतौरा में पौधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया।

राज्यपाल रमेन डेका का दौरा कार्यक्रम

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ के राज्यपाल महामहिम श्री रमेन डेका 21 फरवरी को बिलासपुर प्रवास पर रहेंगे। निर्धारित दौरा कार्यक्रम के अनुसार राज्यपाल श्री डेका रायगढ़ से सड़क मार्ग से रवाना होकर दोपहर 2 बजे बिलासपुर पहुंचेंगे। राज्यपाल का आगमन अटल बिहारी वाजपेयी विश्वविद्यालय के अतिथि गृह में होगा। इसके पश्चात वे यूनिवर्सिटी में दोपहर 3 बजे ट्रांसफॉर्मिंग यूनिवर्सिटीज फॉर होलिस्टिक डेवलपमेंट विषय पर आयोजित कुलपतियों के सम्मेलन के उद्घाटन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे। कार्यक्रम उपरांत राज्यपाल शाम 4 बजे बिलासपुर से चंदखुरी, जिला मुंगेली के लिए सड़क मार्ग से प्रस्थान करेंगे। इसके बाद शाम 5.15 बजे सड़क मार्ग से लोकभवन रायपुर के लिए प्रस्थान करेंगे।

होली त्यौहार के दौरान दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे से 14 फेरे के लिए होली स्पेशल ट्रेनों का परिचालन, यात्रियों को मिलेगी अधिक से अधिक कन्फर्म बर्थ की सुविधा

बिलासपुर। आगामी होली त्यौहार के दौरान यात्रियों को सुगम, संरक्षित एवं आरामदायक यात्रा सुविधा प्रदान करने के उद्देश्य से भारतीय रेलवे द्वारा देश के सभी महत्वपूर्ण स्थानों के लिए बड़ी संख्या में होली स्पेशल ट्रेनों का परिचालन किया जा रहा है । इसी कड़ी में दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के प्रमुख स्टेशनो से विभिन्न रेल मार्गों पर 'होली स्पेशल' ट्रेनों के 14 फेरे का परिचालन किया जाएगा । होली त्यौहार के दौरान ट्रेनों में होने वाली यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ को नियंत्रित करने एवं कन्फर्म बर्थ के साथ सुगम यात्रा सुनिश्चित करने के लिए रेलवे प्रशासन द्वारा चलायी जाने वाली विशेष ट्रेनों का विवरण निम्नानुसार है:- 1. गाड़ी संख्या 08751/08752 दुर्ग-हजरत निजामुद्दीन-दुर्ग होली स्पेशल ट्रेन का परिचालन दोनों ओर से 02-02 फेरों के लिए किया जाएगा । यह ट्रेन दुर्ग से 01 व 02 मार्च (रविवार व सोमवार) को तथा वापसी में निजामुद्दीन से 02 व 03 मार्च (सोमवार व मंगलवार) को व्हाया न्यू कटनी जंक्शन होकर चलेगी। इस गाड़ी का ठहराव रायपुर, उसलापुर, पेंड्रा रोड, अनूपपुर, शहडोल एवं उमरिया स्टेशनों पर दिया गया है। 2. गाड़ी संख्या 08863/08864 गोंदिया-छपरा-गोंदिया होली स्पेशल ट्रेन का परिचालन दोनों ओर से 01-01 फेरों के लिए किया जाएगा । यह ट्रेन गोंदिया से 01 मार्च (रविवार) को तथा वापसी में छपरा से 03 मार्च (मंगलवार) को व्हाया न्यू कटनी जंक्शन होकर चलेगी। इस गाड़ी का ठहराव डोंगरगढ़, राजनांदगांव, दुर्ग, रायपुर, भाटापारा, उसलापुर, पेंड्रा रोड, अनूपपुर, शहडोल एवं उमरिया स्टेशनों पर दिया गया है। 3. गाड़ी संख्या 08865/08866 गोंदिया-छपरा-गोंदिया होली स्पेशल ट्रेन का परिचालन दोनों ओर से 01-01 फेरों के लिए किया जाएगा । यह ट्रेन गोंदिया से 02 मार्च (सोमवार) को तथा वापसी में छपरा से 04 मार्च (बुधवार) को व्हाया न्यू कटनी जंक्शन होकर चलेगी। इस गाड़ी का ठहराव डोंगरगढ़, राजनांदगांव, दुर्ग, रायपुर, भाटापारा, उसलापुर, पेंड्रा रोड, अनूपपुर, शहडोल एवं उमरिया स्टेशनों पर दिया गया है। 4. गाड़ी संख्या 08753/08754 दुर्ग-मधुबनी-दुर्ग होली स्पेशल ट्रेन का परिचालन दोनों ओर से 01-01 फेरों के लिए किया जाएगा । यह ट्रेन दुर्ग से 01 मार्च (रविवार) को तथा वापसी में मधुबनी से 02 मार्च (सोमवार) को व्हाया झारसुगुड़ा होकर चलेगी। इस गाड़ी का ठहराव रायपुर, बिलासपुर, चाम्पा एवं रायगढ़ स्टेशनों पर दिया गया है। 5. गाड़ी संख्या 08861/08862 गोंदिया-पटना-गोंदिया होली स्पेशल ट्रेन का परिचालन दोनों ओर से 01-01 फेरों के लिए किया जाएगा । यह ट्रेन गोंदिया से 02 मार्च (सोमवार) को तथा वापसी में पटना से 03 मार्च (मंगलवार) को व्हाया झारसुगुड़ा होकर चलेगी। इस गाड़ी का ठहराव डोंगरगढ़, राजनांदगांव, दुर्ग, रायपुर, भाटापारा, बिलासपुर, चाम्पा एवं रायगढ़ स्टेशनों पर दिया गया है।

उप मुख्यमंत्री श्री अरुण साव ने दिलाई शपथ

नई ऊर्जा के साथ आगे बढ़ेगा प्रेस क्लब बिलासपुर

बिलासपुर। प्रेस क्लब बिलासपुर के नवनिर्वाचित पदाधिकारियों का शपथ ग्रहण समारोह गरिमामय वातावरण में संपन्न हुआ। मुख्य अतिथि श्री अरुण साव ने नई टीम को शपथ दिलाई। कार्यक्रम की अध्यक्षता बिल्हा विधायक श्री धरमलाल कौशिक ने की। विशेष अतिथियों के रूप में कोटा विधायक श्री अटल श्रीवास्तव, बेलतरा विधायक श्री सुशांत शुक्ला, महापौर श्रीमती पूजा विधानी, नगर निगम सभापति श्री विनोद सोनी तथा नेता प्रतिपक्ष श्री भरत कश्यप उपस्थित थे। उल्लेखनीय है कि हाल ही में संपन्न चुनाव में श्री अजीत मिश्रा प्रेस क्लब बिलासपुर के अध्यक्ष निर्वाचित हुए हैं। उपाध्यक्ष पद पर श्री विजय क्रांति तिवारी, सचिव श्री संदीप परिहार, कोषाध्यक्ष श्री किशोर कुमार सिंह, सह सचिव श्री हरिशंकर गंगवानी तथा कार्यकारी सदस्य के रूप में श्री कैलाश यादव चुने गए हैं। मुख्य अतिथि एवं उप मुख्यमंत्री श्री अरुण साव ने नई टीम को बधाई देते हुए कहा कि कड़ी मेहनत और एकजुटता के साथ यह टीम बिलासपुर का नाम और ऊंचा करेगी। उन्होंने कहा कि बिलासपुर प्रेस क्लब से अनेक वरिष्ठ पत्रकार निकले हैं, जिन्होंने राष्ट्रीय स्तर पर बिलासपुर को पहचान बनाई है। नई

टीम इस गौरव को और आगे बढ़ाएगी। उन्होंने पत्रकारिता को चुनौतीपूर्ण क्षेत्र बताते हुए कहा कि इसमें निरंतर मेहनत, प्रतिबद्धता और निष्पक्षता की आवश्यकता होती है। बड़ी संख्या में जुड़े नए पत्रकारों के लिए विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करने की आवश्यकता पर जोर देते हुए उन्होंने इसमें राष्ट्रीय स्तर के पत्रकारों को भी आमंत्रित करने का सुझाव दिया। उप मुख्यमंत्री ने जानकारी दी कि बिरकोना स्थित पत्रकार कॉलोनी में सड़क निर्माण के लिए 8 करोड़ रुपये की स्वीकृति दी गई है। साथ ही प्रेस क्लब भवन के कायाकल्प का कार्य भी प्रगति पर है। उन्होंने न्यायधानी की गरिमा के अनुरूप प्रेस क्लब को मजबूत बनाने में हर संभव सहयोग का आश्वासन दिया। अध्यक्षीय उद्बोधन में विधायक श्री धरमलाल कौशिक ने कहा कि लोकतंत्र का चौथा स्तंभ प्रेस को माना गया है। मीडिया न केवल राजनीतिक गतिविधियों पर नजर रखती है, बल्कि बिलासपुर के हितों के लिए संघर्ष में भी अग्रणी भूमिका निभाती है। उन्होंने बताया कि प्रेस द्वारा उठाए गए मुद्दों पर राजधानी रायपुर में उच्च स्तरीय बैठकों में चर्चा कर निर्णय लिया जाना इसकी प्रभावशीलता का प्रमाण है विधायक श्री अटल श्रीवास्तव ने कहा कि प्रेस क्लब केवल समाचार प्रकाशन तक सीमित नहीं है, बल्कि क्षेत्रीय हितों की रक्षा में भी सक्रिय भूमिका निभाती है। बिलासपुर में रेलवे जोन और केंद्रीय विश्वविद्यालय की स्थापना में प्रेस क्लब की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। विधायक सुशांत शुक्ला ने प्रेस क्लब की निष्पक्ष पत्रकारिता की सराहना करते हुए कहा कि बिलासपुर को उसका वाजिब हक दिलाने में मीडिया ने महत्वपूर्ण योगदान दिया है। नव निर्वाचित प्रेस क्लब अध्यक्ष श्री अजीत मिश्रा ने स्वागत भाषण दिया। उपाध्यक्ष श्री विजय क्रांति तिवारी ने आभार व्यक्त किया। गरिमामय आयोजन में बड़ी संख्या में पत्रकार, जनप्रतिनिधि एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। समारोह ने प्रेस क्लब की नई टीम के प्रति विश्वास और अपेक्षाओं को नई दिशा दी।

ऑपरेशन अमानत के तहत रेलवे सुरक्षा बल दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे द्वारा रेल मदद के माध्यम से यात्रियों को किया जा रहा है मदद

बिलासपुर। रेलवे सुरक्षा बल, दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे रेल यात्रियों, रेल संपत्ति की सुरक्षा के साथ ही साथ अपने सामाजिक जिम्मेदारियों का निर्वहन सर्वोच्च प्राथमिकता के साथ कर रही है । रेलवे सुरक्षा बल द्वारा कर्तव्यनिष्ठा से जरूरतमंद यात्रियों, महिलाओं और बच्चों को सहायता प्रदान करने के साथ-साथ यात्रियों एवं उनके कीमती सामानों की सुरक्षा के किए निरंतर अभियान चलाया जा रहा है । इसी कड़ी में रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ़), दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे द्वारा ऑपरेशन अमानत अभियान के तहत किए गए सराहनीय कार्यों किया गया गया है । रेलवे सुरक्षा बल, दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, बिलासपुर के तीनों मंडलों (बिलासपुर, रायपुर, नागपुर) द्वारा यात्री ट्रेनों और स्टेशनों में भूलवश

छोड़े गए सामानों को ''ऑपरेशन अमानत'' के तहत रेलवे सुरक्षा बल के द्वारा यात्रियों को सुपुर्द किया जाता है । रेलवे सुरक्षा बल को रेल मदद, ट्वीटर या अन्य माध्यमों से रेल यात्रियों के भूलवश छूटे सामानों की जानकारी सुरक्षा नियंत्रण कक्ष को मिलती है, सुरक्षा नियंत्रण कक्ष में तैनात स्टाफ के द्वारा यात्रियों के दिए गए मोबाईल से संपर्क कर उनके ट्रेन नम्बर, कोच नम्बर या स्टेशनों की जानकारी प्राप्त कर अगले आने वाले रेलवे सुरक्षा बल पोस्ट को सूचित किया जाता है, संबंधित रेलवे सुरक्षा बल, पोस्ट द्वारा यात्री के द्वारा बताए अनुसार कोच/स्थान में पहुंचकर उनके छुटे हुए सामान को प्राप्त कर यात्री को सूचित किया जाता है और यात्री रेलवे सुरक्षा बल पोस्ट में पहुच कर अपने कीमती सामान को प्राप्त करता है । यात्रियों द्वारा रेलवे सुरक्षा बल के इस सराहनीय कार्य के लिए प्रशंसा एवं धन्यवाद दिया जाता है ।

'रेलवन' ऐप के माध्यम से यात्री सुविधाओं का सुदृढ़ीकरण एवं एकीकृत डिजिटल प्लेटफॉर्म का विस्तार

बिलासपुर। भारतीय रेलवे यात्री सुविधाओं को और अधिक सुगम, आधुनिक और प्रभावी बनाने के लिए निरंतर नवाचार की दिशा में अग्रसर है। इसी क्रम में, यात्रियों को एक ही एकीकृत डिजिटल प्लेटफॉर्म पर सभी सेवाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से 'रेलवन' ऐप का विस्तार किया जा रहा है । इस नवाचार का मुख्य उद्देश्य यात्रियों को अलग-अलग ऐप्स की जटिलताओं से मुक्त कर एक 'यूनिफाइड प्लेटफॉर्म' प्रदान करना है, जहाँ अनारक्षित टिकटिंग सहित समस्त यात्री सेवाएं प्राथमिक केंद्र के रूप में उपलब्ध रहेंगी । सुगम ट्रांजिशन सुनिश्चित करने के लिए रेलवे द्वारा इस एकीकरण को चार चरणों में क्रियान्वित किया जा रहा है । प्रथम चरण के अंतर्गत यूटीएस ऐप पर नए पंजीकरण और वेबसाइट सेवाओं को सीमित कर दिया गया है, जबकि मौजूदा उपयोगकर्ताओं के आर-वालेट को सुरक्षित रूप से 'रेलवन' वॉलेट में स्थानांतरित करने की प्रक्रिया शुरू की जा चुकी है। वर्तमान में दोनों ऐप्स क्रियाशील रखे गए हैं ताकि यात्री बिना किसी बाधा के अपनी सुविधानुसार नए प्लेटफॉर्म पर शिफ्ट हो सकें । एकीकरण के अगले चरणों में सीजन टिकट धारकों की सुविधा और डेटा सुरक्षा को विशेष प्राथमिकता दी गई है। द्वितीय चरण के दौरान पुराने ऐप पर सीजन टिकट बुकिंग को सीमित करते हुए यात्रियों को 'रेलवन' ऐप अपनाने हेतु निरंतर प्रेरित किया जा रहा है, जिसके लिए ऐप के भीतर ही 'वन-टाइम ट्रांसफर' का विकल्प उपलब्ध कराया गया है । इसके पश्चात, तृतीय एवं चतुर्थ चरण में समस्त बुकिंग कार्यक्षमता को पूरी तरह से 'रेलवन' प्लेटफॉर्म पर केंद्रित कर दिया जाएगा, जहाँ यात्रियों के सक्रिय टिकट और वॉलेट बैलेंस स्वत: ही उपलब्ध रहेंगे । यदि किसी यात्री का सक्रिय टिकट पुराने ऐप में प्रदर्शित नहीं होता है, तो वे 'रेलवन' ऐप में लॉगिन कर उसे प्राप्त कर सकेंगे । रेलवे प्रशासन इस डिजिटल एकीकरण के माध्यम से यात्रियों को अत्याधुनिक सुविधाओं, बेहतर यूजर इंटरफेस और एक सुदृढ़ डिजिटल ईकोसिस्टम प्रदान करने हेतु निरंतर प्रयत्नशील है।'रेलवन' प्लेटफॉर्म का यह विस्तार भविष्य की सुरक्षित, त्वरित और पारदर्शी रेल टिकट प्रणाली सुनिश्चित करने की दिशा में एक निर्णायक कदम है।

उपमुख्यमंत्री श्री अरुण साव ने जनदर्शन में सुनीं समस्याएं,त्वरित कार्रवाई के निर्देश....

बिलासपुर। उप मुख्यमंत्री और जिले के प्रभारी मंत्री श्री अरुण साव ने आज नेहरू चौक बिलासपुर स्थित अपने शासकीय कार्यालय में आयोजित जनदर्शन कार्यक्रम में सैकड़ों नागरिकों से मुलाकात कर उनकी सामुदायिक एवं व्यक्तिगत समस्याएं गंभीरता से सुनीं। जनदर्शन में जिले के विभिन्न क्षेत्रों से पहुंचे लोगों ने अपनी मांगों और शिकायतों को सीधे उप मुख्यमंत्री के समक्ष रखा। श्री साव ने प्रत्येक आवेदन को इत्मीनान के साथ सुनते हुए संबंधित विभागीय अधिकारियों को त्वरित निराकरण के निर्देश दिए। जनदर्शन में प्रगतिशील युवा स्वर्णकार समाज, बिलासपुर के प्रतिनिधियों ने सामाजिक भवन में हो रहे कथित अवैध निर्माण को रोकने तथा दोषियों पर कार्रवाई की मांग करते हुए आवेदन सौंपा। वहीं

ग्राम पंचायत डेका के सरपंच ने लाल खदान से दर्रीघाट तक डिवाइडर में स्ट्रीट लाइट लगाने की मांग रखी, ताकि क्षेत्र में आवागमन सुरक्षित हो सके। देसहा कुर्मी क्षेत्रीय महासभा सेमरसेल मुंगेली के अध्यक्ष कलेश्वर कश्यप ने सेमरसल में कुर्मी समाज के सामुदायिक भवन की स्वीकृति हेतु ज्ञापन दिया। प्रेस कर्मचारी संघ के महासचिव तेरस यादव ने अपने पुत्र की उच्च शिक्षा के लिए आर्थिक सहायता प्रदान करने का निवेदन किया।इस दौरान पद्मश्री सम्मानित रामलाल बरेठ ने शिष्यों द्वारा अपनी 90वीं वर्षगांठ पर आयोजित जन्मोत्सव कार्यक्रम के लिए आमंत्रण दिया। नगर पालिका निगम बिलासपुर के वार्ड क्रमांक 54 की पार्षद रानी देवांगन ने पुराना तालाब, चिंगराजपारा के सौंदर्यीकरण के लिए ज्ञापन दिया। इसके अतिरिक्त श्री राम जानकी कल्याण सेवा समिति सेमरसल हाई स्कूल एवं मेला स्थल में अतिरिक्त ट्रांसफार्मर लगाने की मांग उठाई। क्षेत्र में लंबे समय से लो वोल्टेज की समस्या बनी हुई है, जिससे नागरिकों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। उपमुख्यमंत्री श्री साव ने सभी आवेदनों को संबंधित विभागों को आवश्यक कार्रवाई हेतु प्रेषित करते हुए स्पष्ट निर्देश दिए कि जनसमस्याओं के समाधान में किसी प्रकार की लापरवाही न बरती जाए। उन्होंने कहा कि जनदर्शन का उद्देश्य ही आम जनता को त्वरित राहत दिलाना है और सरकार जनता की समस्याओं के प्रति पूरी तरह संवेदनशील है।

द.पू.म.रेलवे, बिलासपुर जोनल कार्यालय में क्षेत्रीय हिंदी प्रतियोगिता संपन्न

बिलासपुर। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे बिलासपुर, मुख्यालय के राजभाषा विभाग द्वारा आज दिनांक 20 फरवरी, 2026 को क्षेत्रीय हिंदी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया । इस अवसर पर जोनल सभाकक्ष में हिंदी वाक, हिंदी निबंध, हिंदी टिप्पण एवं प्रारूप लेखन प्रतियोगिता आयोजित की गई जिसमें मुख्यालय सहित तीनों मंडलों तथा दोनों कारखानों में आयोजित हिंदी प्रतियोगिताओं के प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय पुरस्कार विजेता 37 प्रतिभागियों ने भाग लिया । इस प्रतियोगिता में श्री शिवशंकर लकड़ा, मुख्य राजभाषा अधिकारी एवं मुख्य सामग्री प्रबंधक - । मुख्य अतिथि के रुप में उपस्थित रहे । प्रथम सत्र में हिंदी टिप्पण एवं प्रारूप लेखन तथा हिंदी निबंध लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। हिंदी निबंध प्रतियोगिता में पहला विषय सूचना प्रौद्योगिकी में हिंदी भाषा का प्रयोग - उपलब्धियां तथा भावी संभावनाएं तथा दूसरा विषय पर्यावरण संरक्षण और आपदा प्रबंधन की आवश्यकता रखा गया था। द्वितीय सत्र में आयोजित हिंदी वाक् प्रतियोगिता के लिए पहला विषय कृत्रिम बुद्धिमत्ता (ढ्ढ) - रोजगार पर मंडराता संकट या अवसर तथा दूसरा विषय प्रशासनिक कार्यों में हिंदी प्रयोग की चुनौतियां रखा गया था, जिसमें बिलासपुर नगर के वरिष्ठ साहित्यकार डॉ. देवधर महंत एवं वरिष्ठ साहित्यकार डॉ. अलका यतींद्र यादव ने निर्णायक की भूमिका का निर्वहन किया । हिंदी वाक् प्रतियोगिता में प्रतिभागियों ने कृत्रिम बुद्धिमत्ता के बढ़ते प्रयोग, इसके कारण शिक्षा, चिकित्सा, विज्ञान, समाज, रोजगार एवं अन्य क्षेत्रों में आने वाले परिवर्तन और भविष्य की चुनौतियों पर अपने विचार रखे । इसी प्रकार प्रतिभागियों ने सरकारी कार्यालयों में हिंदी के कामकाज में वृद्धि करने के उपायों और आने वाली कठिनाईयों और समाधान के संबंध में अपने विचार व्यक्त किये। इस अवसर पर निर्णायक की भूमिका का निर्वाह कर रहे वरिष्ठ साहित्यकार डॉ. देवधर महंत एवं डॉ. अलका यतींद्र यादव ने प्रतिभागियों को प्रोत्साहित करते हुए उनका मार्गदर्शन किया । प्रतियोगिता में संचालन एवं धन्यवाद ज्ञापन श्री पी.एल.जाटवर, राजभाषा अधिकारी, (मुख्यालय), दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, बिलासपुर ने किया ।

पद्मश्री पंडित श्यामलाल चतुर्वेदी छत्तीसगढ़ी भाषा को नई प्रतिष्ठा दिलाने वाले पुरोधा-उपमुख्यमंत्री...

- उनके सपनों को साकार करने छत्तीसगढ़ सरकार प्रतिबद्ध
- पंडित श्यामलाल चतुर्वेदी की जन्म शताब्दी पर भावभीनी श्रद्धांजलि

बिलासपुर। उप मुख्यमंत्री श्री अरुण साव ने आज स्व. लखीराम अग्रवाल ऑडिटोरियम में आयोजित पद्मश्री पं. श्यामलाल चतुर्वेदी के जन्म शताब्दी समारोह में उन्हें विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने कहा कि 2 अप्रैल 2018 को उन्हें पद्मश्री से सम्मानित किया जाना केवल एक व्यक्ति का सम्मान नहीं, बल्कि संपूर्ण छत्तीसगढ़ की संस्कृति, सभ्यता और स्वाभिमान का सम्मान था। इस अवसर पर उन्होंने पं. श्यामलाल चतुर्वेदी पर प्रकाशित स्मृति ग्रंथ का विमोचन किया। उप मुख्यमंत्री श्री अरूण साव ने कहा कि पं. श्यामलाल चतुर्वेदी जी बहुमुखी प्रतिभा के धनी थे। वे साहित्यकार, पत्रकार और छत्तीसगढ़ी भाषा के प्रखर संवाहक रहे। उनका व्यक्तित्व अत्यंत सरल, आत्मीय और जिंदादिल था। एक साधारण गांव से अपनी साहित्य साधना प्रारंभ कर उन्होंने निरंतर परिश्रम और मातृ प्रेरणा से लेखन के क्षेत्र में उल्लेखनीय उचाईयां प्राप्त की। उन्होंने जीवन पर्यंत छत्तीसगढ़ की माटी, भाषा और लोकसंस्कारों को आगे बढ़ाने का कार्य किया। वे छत्तीसगढ़ राजभाषा आयोग के प्रथम अध्यक्ष रहे और छत्तीसगढ़ी भाषा के संवर्धन में उनका योगदान अविस्मरणीय है।

जीवन पर्यंत उन्होंने छत्तीसगढ़ की माटी, भाषा और संस्कारों को आगे बढ़ाने का कार्य किया है। छत्तीसगढ़ सरकार उनके सपनों को साकार करने के लिए प्रतिबद्ध है। छत्तीसगढ़ी राजभाषा आयोग के पूर्व अध्यक्ष डॉ. विनय पाठक ने कहा कि छत्तीसगढ़ में मौलिक सृजन को 'गुरतुर गोठ' के रूप में स्थापित करना उनकी विशिष्ट पहचान रही है। उनकी भाषा लोककला और लोकजीवन की आत्मा से निर्मित थी। वरिष्ठ पत्रकार श्री जगदीश उपासने ने कहा कि वे छत्तीसगढ़ की प्रतिमूर्ति थे तथा प्रदेश के विविध आयामों को समेटने वाले अमर पुरुष थे। कार्यक्रम में विधायक सर्वश्री श्री अमर अग्रवाल, श्री धरमलाल कौशिक, श्री सुशांत शुक्ला, श्री अटल श्रीवास्तव, महापौर श्रीमती पूजा विधानी, वरिष्ठ पत्रकार श्री जगदीश उपासने, डॉ. विश्वेश ठाकरे, वरिष्ठ पत्रकार श्री पीयूष कांति मुखर्जी, पंडित श्यामलाल चतुर्वेदी के पुत्र श्री सूर्यकांत चतुर्वेदी सहित उनके परिजन, पंडित एवं छत्तीसगढ़ के मूर्धन्य साहित्यकार एवं गणमान्य नागरिक बड़ी संख्या में मौजूद थे। कार्यक्रम में उपस्थित जनों ने उनके व्यक्तित्व और कृतित्व को याद करते हुए उन्हें श्रद्धापूर्वक नमन किया।

धन और खुशहाली का प्रतीक है केले का पौधा

भारतीय संस्कृति और वास्तु शास्त्र में पेड़-पौधों को सिर्फ हरियाली का हिस्सा नहीं, बल्कि देवी-देवताओं का स्वरूप और सकारात्मक ऊर्जा का स्रोत माना जाता है। इन्हीं पौधों में से एक है केले का पौधा, जिसे हिंदू धर्म में अत्यंत पवित्र और शुभ माना गया है। घर में केले का पौधा लगाने से ना केवल सुख-समृद्धि आती है, बल्कि यह धन और खुशहाली का भी प्रतीक माना जाता है। आइए जानते हैं वास्तु के अनुसार केले के पौधे का महत्व और इसे घर में लगाने के कुछ खास नियम।

- केले का पौधा भगवान विष्णु को अत्यंत प्रिय है। यही कारण है कि बृहस्पतिवार (गुरुवार) के दिन भगवान विष्णु और देवगुरु बृहस्पति की पूजा में केले के पत्ते और फल का विशेष रूप से इस्तेमाल किया जाता है। माना जाता है कि केले के पेड़ में स्वयं भगवान विष्णु का वास होता है। जिस घर में यह पौधा होता है, वहां विष्णु भगवान की कृपा हमेशा ही बनी रहती है।
- वास्तु शास्त्र के अनुसार, केले का पौधा घर की नकारात्मक ऊर्जा को दूर करता है। साथ ही, घर में सकारात्मकता लेकर आता है। यह घर में शांति और खुशहाली लाने में मदद करता है। इसके अलावा, यह घर के सदस्यों के बीच प्रेम और खुशहाली भी बढ़ाता है।

केले का पौधा लगाने के नियम

केले के पौधे का पूरा लाभ पाने के लिए इसे सही दिशा और सही जगह पर लगाना बहुत जरूरी है।

सही दिशा वास्तु के अनुसार, केले का पौधा हमेशा ईशान कोण (उत्तर-पूर्व दिशा) में लगाना चाहिए। यह दिशा देवताओं की दिशा मानी जाती है और अत्यंत शुभ होती है। इससे घर में सकारात्मक ऊर्जा का प्रवाह बढ़ता है।

जगह का चुनाव केले के पौधे को कभी भी घर के मुख्य द्वार के ठीक सामने या घर के बिल्कुल बीच में नहीं लगाना चाहिए। इसे घर के पिछले हिस्से में या आंगन में लगाना शुभ होता है। ध्यान रहे कि यह पौधा इतना बड़ा न हो कि घर में आने वाली धूप या हवा को रोक दे।

साफ-सफाई केले के पौधे के आसपास हमेशा साफ-सफाई रखनी चाहिए। गंदे स्थान पर लगाने से इसके शुभ प्रभाव कम हो सकते हैं। नियमित रूप से सूखे पत्तों को हटाते रहें।

पूजा-अर्चना गुरुवार के दिन केले के पौधे की पूजा करना विशेष रूप से फलदायी होता है। इस दिन पौधे को जल अर्पित करें, हल्दी और गुड़ चढ़ाएं। इससे भगवान विष्णु प्रसन्न होते हैं और घर में सुख-समृद्धि आती है।

तुलसी के पास नहीं केले के पौधे को कभी भी तुलसी के पौधे के पास नहीं लगाना चाहिए। इन दोनों पौधों को अलग-अलग जगह पर रखना ही उचित माना जाता है।

जानिए नाखून पर चंद्रमा का राज क्या है?

सामुद्रिक शास्त्र के अनुसार,चेहरे,हाथ, पैरों की विशेष बनावट, मौजूद रेखाओं और संकेतों के जरिए व्यक्ति के जीवन से जुड़े विशेष पहलुओं के बारे में अनुमान लगाया जा सकता है। व्यक्ति के शरीर पर कई ऐसे निशान मौजूद होते हैं, जो जीवन में घटित होने वाली कई शुभ-अशुभ घटनाओं का संकेत देते हैं। अपने कई लोगों की उंगलियों के नाखूनों पर चांद जैसी आकृति बनते देखा होगा। नाखून पर दिखाई देने वाले आधे चांद को लुनुला कहते हैं। आइए जानते हैं नाखूनों पर चांद का निशान बनने का क्या मतलब है?

नाखूनों पर चांद बनने का अर्थ

- सामुद्रिक शास्त्र के अनुसार,नाखूनों पर चांद बनने से व्यक्ति को शुभ-अशुभ दोनों परिणाम मिल सकते हैं। यह जीवन में लाभ के साथ कई चुनौतियां भी ला सकता है।
- ऐसी मान्यता है कि जिन लोगों के नाखूनों पर आधा चांद बनता है। वह लोग आर्थिक मामलों में बहुत भाग्यशाली होते हैं और इन्हें जीवन में कभी भी पैसों की दिक्कतों का सामना नहीं करना पड़ता है।
- मान्यता है कि तर्जनी उंगली के नाखूनों पर अर्धचंद्र हो, तो ऐसे लोग स्वाभिमानी होते हैं और अपनी मेहनत के दम पर हर क्षेत्र में कामयाबी हासिल करते हैं।
- सामुद्रिक शास्त्र के अनुसार, मध्यमा उंगली के नाखून पर आधा चांद हो, तो ऐसे लोगों के धनी होने की संभावनाएं रहती है। ये लोग आर्थिक रूप से मजबूत होते हैं, लेकिन विवाह और नौकरी मिलने में देरी होती है।
- मान्यताओं के मुताबिक, अनामिका उंगली पर आधे चांद का निशान व्यक्ति को शिक्षा के क्षेत्र में बेहतरीन कामयाबी दिलाता है। ऐसे लोग बहुत स्वाभिमानी और ईमानदार होते हैं। वहीं कनिष्ठिका उंगली के नाखून पर अर्धचंद्र बनने पर व्यक्ति कड़ी मेहनत करसे यश की प्राप्ति करता है। ऐसे लोग व्यापार, संगीत और एंकरिंग के क्षेत्र में तरक्की करते हैं।
- कहा जाता है कि जिन लोगों के नाखूनों पर आधे चांद का चिन्ह होता है, वह स्वभाव से काफी हेल्पफुल होते हैं और दूसरों की मदद करने के लिए हमेशा तैयार रहते हैं। यह काफी मेहनती भी होते हैं।
- नाखूनों पर आधे चांद का निशान बनना बुद्धिमान व्यक्ति का संकेत माना गया है। मान्यता है कि ऐसे लोग दिल के बहुत साफ होते हैं और दूसरों के बारे में नकारात्मक विचार नहीं रखते हैं।
- सामुद्रिक शास्त्र में उंगलियों के नाखूनों पर धुंधला और अस्पष्ट चांद बनना एक अच्छा संकेत नहीं माना गया है। कहा जाता है कि यह खराब सेहत की ओर इशारा करता है। वहीं, अगर नाखूनों पर बने चांद स्पष्ट और साफ हो, तो ऐसे लोग मानसिक और शारीरिक रूप से मजबूत माने जाते हैं।

हर स्किन टोन पर अच्छे लगते हैं एक्सपेंसिव दिखने वाले कलर कॉम्बिनेशन

कपड़े खरीदने जाए तो अक्सर कंफ्यूजन हो जाता है कि कौन सा कलर सबसे ज्यादा खूबसूरत लगेगा और, ट्रेडशिनल कपड़ों की शॉपिंग में बहुत ज्यादा टाइम लग जाता है। खासतौर पर जब डस्की स्किन हो। लेकिन अगर पहले से पता हो कि कौन सा कलर कॉम्बिनेशन आपके स्किन टोन से का साथ अट्रैक्टिव दिखेगा तो शॉपिंग करने में ज्यादा टाइम ना लगे। अगर आप एक्सपेंसिव और अट्रैक्टिव लुक चाहती हैं तो इन कलर कॉम्बिनेशन को जरूर ध्यान में रखें। जो हर वार्म और कूल दोनों तरह के टोन के साथ अट्रैक्टिव दिखते हैं।

रानी पिंक एंड गोल्डन
ट्रेडिशनल कपड़ों में साड़ी, लहंगा या फिर सूट पहनना चाहती हैं तो पिंक एंड गोल्डन कलर कॉम्बिनेशन आसानी से एक्सपेंसिव लुक दे सकते हैं। ये हर स्किन टोन पर जंचते हैं।

प्लम एंड टील ग्रीन
डस्की स्किन टोन है तो प्लम कलर खूबसूरत लगता है। वहीं कूल टोन पर भी ये कलर जंचता है। ऐसे में प्लम एंड टील ग्रीन का कॉम्बिनेशन एक्सपेंसिव होने के साथ ही हर स्किन टोन पर जंचता है।

मस्टर्ड एंड पिंक
मस्टर्ड कलर जितना फेयर स्किन पर खूबसूरत दिखता है उतना ही सांवली रंगत पर जंचता है। पिंक के साथ मस्टर्ड का कॉम्बिनेशन एक्पेंसिव और हर स्किन टोन पर अट्रैक्टिव दिखेगा।

मैजेंटा एंड बीज कलर
एक्सपेंसिव लुक चाहती हैं तो मैजेंट एंड बीज कलर कॉम्बिनेशन को ट्राई करें। सबसे खास बात कि ये कलर सांवली रंगत, डस्की स्किन से लेकर फेयर स्किन सब पर खूबसूरत दिखता है।

नहाने के पानी में जरूर मिलाएं ये 4 चीजें
सुंदरता के साथ बढ़ेगा आपका सौभाग्य और आकर्षण

हमारे डेली रुटीन में नहाना का एक बहुत ही अहम हिस्सा है। अब भले ही सर्दियों में लोगों का नहाना जरूर कुछ कम हो जाए लेकिन फिर भी हफ्ते में दो-चार बार थक हार कर बाथरूम का रुख लोग कर ही लेते हैं। खैर, नहाना महज शरीर की गन्दगी को साफ करने के लिए जरुरी नहीं बल्कि कहीं ना कहीं ये आपको मानसिक शांति और चीजों को बेहतर ढंग से समझने की शक्ति भी देता है। ज्योतिष और वास्तु में भी नहाने का बहुत ही महत्व बताया गया है। हमारे प्राचीन ग्रंथों में कुछ ऐसी चीजों का जिक्र है जिन्हें पानी में मिलाकर नहाने से सौभाग्य, खुशहाली और सुख-समृद्धि में बढ़ोतरी होती है। इतना ही नहीं ये सभी चीजें आपकी खूबसूरती और आकर्षण को बढ़ाने का भी काम करती हैं। तो चलिए आज इन्हीं के बारे में जानते हैं।

नहाने के पानी में मिलाएं चुटकी भर हल्दी
लगभग हर भारतीय रसोई में कुछ मिले या ना मिले, हल्दी तो जरूर मिल ही जाती है। ये सिर्फ खाने की रंगत और स्वाद बढ़ाने का ही काम नहीं करती बल्कि इसे आप अपने नहाने के पानी में भी मिला सकते हैं। कहते हैं कि पानी में चुटकी भर हल्दी मिलाकर नहाने से सौभाग्य में वृद्धि होती है। इसके साथ ही हल्दी की प्यूरीफाइंग प्रॉपर्टीज हर तरह की नकारात्मक ऊर्जा को दूर करती है। अगर आप रोजाना पानी में हल्दी मिलाकर नहाते हैं तो ये आपकी त्वचा को साफ-सुथरा बनाने और उसकी रंगत निखारने में भी मदद करती है।

नहाने के पानी में मिलाएं तुलसी के पत्ते
तुलसी के पौधे का धार्मिक महत्व तो आपको पता ही होगा, साथ ही सेहत के लिए भी तुलसी के पत्ते किसी वरदान से कम नहीं। नहाने के पानी में यदि तुलसी के कुछ पत्ते या अर्क मिला दिया जाए, तो ये भी स्किन के लिए काफी फायदेमंद होता है। तुलसी के पत्तों में पाए जाने वाले एंटीबैक्टीरियल गुण, त्वचा संबंधी कई परेशानियों को खत्म करने में मददगार होते हैं। साथ ही ये स्ट्रेस लेवल को कम करने में भी काफी हेल्पफुल होता है। ज्योतिष के अनुसार तुलसी के पत्ते मिलाकर नहाने से नकारात्मकता दूर होती है और सौभाग्य में वृद्धि होती है।

गुलाब की पत्तियों को करें शामिल
नहाने के पानी में गुलाब की पत्तियों को मिलाना भी काफी फायदेमंद है। सदियों से गुलाब का इस्तेमाल इसके स्किनकेयर बेनिफिट्स के लिए होता रहा है। गुलाब की कुछ पंखुड़ियां पानी में मिलाकर नहाने से त्वचा तो कोमल और ब्राइट होती ही है, साथ ही इसकी खुशबू मूड को बेहतर बनाने और स्ट्रेस को कम करने में भी मदद करती है। इसके साथ ही मान्य है कि गुलाब के पत्तों वाले पानी से नहाने पर जीवन में प्रेम, खुशहाली और सुख-समृद्धि बनी रहती है और सौभाग्य में भी वृद्धि होती है।

पानी में मिलाएं चंदन के तेल की कुछ बूंदे
चंदन का इस्तेमाल भी सदियों से अपनी खूबसूरती को निखारने के लिए होता आया है। यूं तो आप चंदन पाउडर की उबटन बनाकर भी नहा सकते हैं,लेकिन पानी में चंदन के तेल की कुछ बूंदे मिलाकर नहाना सबसे आसान और कारगर तरीका है। ये सिर्फ आपकी त्वचा में निखार लाने और उसे खुशबूदार बनाने का ही काम नहीं करता,बल्कि ज्योतिष के अनुसार ये जीवन में गुड लुक और पॉजिटिविटी अट्रैक्ट करने का भी काम करता है। इसके साथ ही इसकी भीनी खुशबू मूड को तुरंत खुशनुमा बनाकर ताजगी और सुकून देती है।

रसोई में जरूर कर लें ये बदलाव
सेहत रहेगी दुरुस्त

अच्छे सेहत की शुरुआत हेल्दी किचन से होती है। इसलिए लोगों ने हेल्दी खानपान के साथ ही काफी सारे अनहेल्दी और हार्मफुल रसोई के सामानों को ना इस्तेमाल करने की सलाह दी। जनवरी शुरु होने के साथ ही आप भी अपने रसोई में इन बदलावों को जरूर कर लें। जिससे हेल्दी रहना आसान हो सके।

नॉनस्टिक बर्तनों को कहें बॉय
नये साल का रिजॉल्यूशन लेना चाहते हैं तो इस साल अपनी रसोई से सभी तरह के नॉनस्टिक पैन, तवा, कड़ाही जैसे बर्तनों को टाटा-बॉय बोल दें। इसके बाद आयरन के बने तवा और कड़ाही का इस्तेमाल करें।

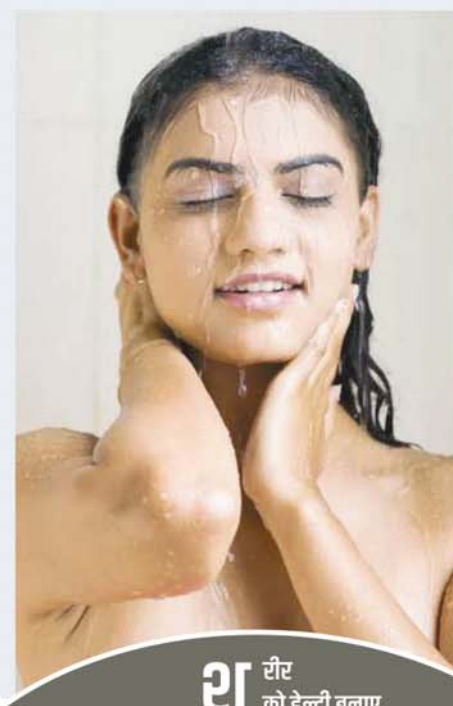

एल्यूमिनियम फॉइल को कहें ना
एल्यूमिनियम फॉइल में रोटी या पराठा लपेटने की आदत को कहें ना। नये साल से हेल्दी हैबिट फॉलो करनी है तो अपनी रसोई से एल्यूमिनियम फॉइल को निकालकर किसी कपड़े या बटर पेपर में रोटी, पराठा लपेटने की आदत लगाएं।

लिक्विड डिशवॉशर को बोलें ना
काफी सारी रिसर्च में खुलासा हो चुका है कि लिक्विड डिशवॉशर सोप में कई तरह के हार्मफुल केमिकल होते हैं। ऐसे में लिक्विड डिशवॉश जेल को रसोई से बाहर कर दें।

किचन को करें डिक्लटर
किचन में मौजूद गैर जरूरी चीजें इस साल जरूर साफ कर लें। जिन चीजों का इस्तेमाल नहीं करते उन्हें फौरन रसोई से बाहर करें और रसोई को डिक्लटर करें।

बच्चों की सफलता के लिए जरूरी है ऐसी दिनचर्या...

जीवन में आगे बढ़ना है और सफलता पानी है, तो एक सही दिनचर्या का होना बेहद जरूरी है। एक अच्छी दिनचर्या का पालन करने से सभी काम सही समय पर पूरे होते हैं, साथ ही व्यक्ति मानसिक और शारीरिक रूप से भी उन्नति करता है। अगर बचपन में ही मां-बाप बच्चों की दिनचर्या पर ध्यान दें तो ये भविष्य में उनकी उन्नति के रास्ते खोल देता है। बच्चों की सही दिनचर्या कैसी हो इसपर विस्तृत चर्चा की है। सुबह उठते ही सबसे पहले धरती माता को प्रणाम करें साथ ही उन्होंने बच्चों की उन्नति के लिए सही दिनचर्या के होने का महत्व भी बताया है। आप भी अपने बच्चों के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने के लिए महाराज श्री की बताई हुई दिनचर्या का पालन उनसे करा सकते हैं।

प्रातः काल ब्रह्ममुहुर्त में उठने की डालें आदत
सुबह सूर्योदय से पूर्व बिस्तर छोड़ देना चाहिए। ब्रह्ममुहुर्त का समय यानी 4 बजे का समय सुबह उठने के लिए सबसे उपयुक्त माना गया है। सुबह उठते ही सबसे पहले धरती माता को प्रणाम करें और फिर संतों और भगवान का नाम लेते हुए आसान का त्याग करें। इसके बाद अपने माता-पिता के चरणस्पर्श कर उनका आशीर्वाद लेना ना भूलें। इसके बाद वज्रासन में बैठकर लगभग आधा या एक लीटर गर्म पानी पीएं और 100 से 200 कदम टहलें। इससे पेट आसानी से साफ होगा जिससे शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य दोनों दुरुस्त रहेंगे।

ऐसा हो सुबह का रूटीन
बच्चों को फ्रेश होने के तुरंत बाद स्नान कर लेना चाहिए। स्नान के बाद कुछ समय धूप में बैठकर योग और प्राणायाम करें। दंड बैठक, प्राणायाम, सूर्य नमस्कार, आलोम-विलोम जैसे योगासन बच्चे के रूटीन में जरूर शामिल करें। इसके तुरंत बाद बच्चों को पढ़ाई करने बैठ जाना चाहिए। महाराज श्री के अनुसार जो भी कक्षा में पढ़ाया जा चुका है, उसका रिवीजन करें या कोई भी होम वर्क मिला हो उसे पूरा करें। इस समय याद की गई चीजें बहुत ज्यादा दिनों तक स्मृति में बनी रहती हैं। इसलिए इस समय पढ़ाई करना बेहद अच्छा माना गया है।

बुरे संग से रहें दूर
बच्चे कच्ची मिट्टी की तरह होते हैं, उन्हें जैसे मोड़ दिया जाए वो उसी आकार में ढल जाते हैं। ऐसे में जरूरी है कि बच्चे गलत संगत से दूर रहें। माता-पिता को अपने बच्चों को यह जरूर सिखाना चाहिए कि यदि कोई बच्चा या कोई भी इंसान उन्हें कोई गंदी चीज दिखा रहा है या बोल रहा है, तो वो उसे तुरंत अपने अध्यापक और माता-पिता से कहें।

बच्चों को खिलाएं सात्विक आहार
बच्चे भले की कितना भी बाहर का जंक फूड या पैकेट वाला भोजन खाना पसंद करते हों लेकिन माता-पिता को उनके आहार का पूरा ध्यान रखना चाहिए। ऐसे में बच्चों को घर का बना साफ-सुथरा सात्विक आहार ही खिलाएं। जैसा भोजन हम खाते हैं, उसका असर हमारे विचारों और बुद्धि पर भी पड़ता है।

रात के समय ऐसी हो दिनचर्या
रात में सोने से पहले बच्चों को भगवान का नाम लेना चाहिए। इस दौरान उन्हें मोबाइल फोन, टीवी जैसी चीजों से दूर रहना चाहिए। भगवान को दिन के लिए धन्यवाद कहें, उनका नाम जप करें और अपने दिन को भगवान को समर्पित करें।

रोज-रोज नहीं खाने चाहिए ये ड्राई फ्रूट

शरीर को हेल्दी बनाए रखने के लिए खानपान का ध्यान रखना सबसे ज्यादा जरूरी होता है। संपूर्ण पोषण के लिए रोजाना का थाली भर भोजन ही काफी नहीं होता, बल्कि हमें और भी एक्स्ट्रा चीजों को अपनी डाइट का हिस्सा बनाना पड़ता है। ड्राई फ्रूट्स यानी सूखे मेवे इन्हीं में से एक हैं। हम सभी को बचपन से ये बताया जाता है कि ड्राई फ्रूट्स हमारी सेहत के लिए कितने फायदेमंद हैं इसलिए रोज मुट्ठी भर सूखे मेवे चबाए बिना हमारा दिन ही नहीं बनता। इस बात में पूरी सच्चाई है कि सूखे मेवे हमारे शरीर को जरूरी पोषक तत्व देने का काम करते हैं इसलिए कुछ ड्राई फ्रूट्स हमें रोजाना खाने भी चाहिए। हालांकि कुछ ऐसे ड्राई फ्रूट्स भी हैं जिन्हें रोजाना खाने से परहेज करना चाहिए। आइए आज उन्हीं के बारे में जानते हैं।

रोज ना खाएं काजू
काजू एक ऐसा ड्राई फ्रूट है जो लगभग सभी को पसंद आता है। यह खाने में तो टेस्टी होता ही है, साथ ही कई पोषक तत्वों से भी भरपूर होता है। यह शरीर के लिए कई तरह से फायदेमंद भी है लेकिन फिर भी एक सीमित मात्रा में ही इसका सेवन करने की सलाह दी जाती है। दरअसल काजू में भरपूर मात्रा में फैट और कैलोरी पाई जाती हैं। इसलिए रोज-रोज और अधिक मात्रा में काजू का सेवन करने से शरीर का वजन तेजी से बढ़ सकता है। इसके साथ ही ये शरीर के कोलेस्ट्रॉल लेवल को भी प्रभावित कर सकता है, जिससे हार्ट पर भी बुरा इफेक्ट पड़ सकता है।

सीमित मात्रा में खाएं ब्राजील नट
ब्राजील नट जिसे हिंदी में त्रिकोणफल के नाम से भी जाना जाता है, मुख्य रूप से साउथ अमेरिका में पाया जाता है। विटामिन और मिनरल से भरपूर ये ड्राई फ्रूट, सुपर फूड की तरह काम करता है। यह शरीर और दिमाग दोनों की सेहत को दुरुस्त रखने में मदद करता है। हालांकि इस ड्राई फ्रूट को भी अधिक मात्रा में खाने से फायदे की जगह नुकसान हो सकता है। दरअसल ब्राज़ील नट में भरपूर मात्रा में सेलेनियम पाया जाता है। ऐसे में इसे अधिक मात्रा में खाने से सेलेनियम टॉक्सिसिटी के साथ-साथ सिर दर्द, बदन दर्द और थकान की समस्या हो सकती है।

हेजलनट हार्ट की मजबूती से लेकर, शुगर कंट्रोल करने तक हेजलनट को खाने के कई फायदे हैं। इसका सेवन करने से हड्डियां मजबूत होती हैं और शरीर की इम्युनिटी भी बूस्ट होती है। इतना फायदेमंद होने के बावजूद हेजलनट को सीमित मात्रा में ही खाना चाहिये। साथ ही इसे रोज-रोज खाने से भी बचना चाहिए। दरअसल हेजलनट में फैट और कैलोरी बहुत ही अधिक मात्रा में पाए जाते हैं। इसलिए इसे अधिक खाने से शरीर का वजन तो बढ़ सकता ही है, साथ ही हार्ट संबंधी बीमारियां का खतरा भी बढ़ सकता हैं।

पाइन नट भी है लिस्ट में
रोज ना खाए जाने वाले ड्राई फ्रूट्स की लिस्ट में पाइन नट का भी नाम शामिल है। यूं तो पाइन नट शरीर के लिए कई तरह से फायदेमंद है। इसमें ओमेगा 3 फैटी एसिड पाया जाता है, जिसका उचित मात्रा में सेवन करने से लाभ मिलता है। हालांकि अगर इसे ज्यादा मात्रा में खाया जाए तो यह शरीर को लाभ पहुंचाने के बजाय, नुकसान भी पहुंचा सकता है। ये ड्राई फ्रूट भी फैट और कैलोरी से भरपूर होता है, जिसका अधिक सेवन करने से वजन बढ़ने की समस्या और कोलेस्ट्रॉल मैनेजमेंट में काफी परेशानी हो सकती है।

दुर्ग के विकास को नई रफ्तार,गजेंद्र यादव की बड़ी बैठक, 22 करोड़ से होंगे ऐतिहासिक कार्य

दुर्ग । शहर के समग्र एवं योजनाबद्ध विकास को लेकर सर्किट हाउस दुर्ग में कैबिनेट मंत्री गजेंद्र यादव ने महापौर अलका बाघमार की मौजूदगी में नगर निगम के सभी पार्षदों की महत्वपूर्ण बैठक लेकर अधिकारियों को दो दिनों के अंदर सभी प्रस्ताव तैयार करने के निर्देश दिए है बैठक में सभापति श्याम शर्मा,आयुक्त सुमित अग्रवाल सहित एमआईसी सदस्य पार्षदगण एवं प्रमुख अधिकारी मौजूद थे। बैठक में शहर के 60 वार्डों में मूलभूत सुविधाओं के विस्तार एवं अधोसंरचना विकास को लेकर विस्तृत चर्चा की गई।मंत्री गजेंद्र यादव ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि प्रत्येक वार्ड में संबंधित पार्षदों से समन्वय स्थापित कर प्राथमिकता के आधार पर आवश्यक कार्यों का इस्टीमेट तैयार किया जाए। उन्होंने कहा कि सड़कों, नालियों, पेयजल, प्रकाश व्यवस्था सहित अन्य बुनियादी सुविधाओं से जुड़े प्रस्ताव शीघ्र तैयार कर प्रस्तुत किए जाएं, ताकि विकास कार्यों में तेजी लाई जा सके। बैठक में केबिनेट मंत्री गजेंद्र यादव ने जानकारी देते हुए बताया कि राज्य सरकार द्वारा अधोसंरचना मद में 22 करोड़ रुपये से अधिक की राशि उपलब्ध कराई जा रही है। इस राशि से सभी 60 वार्डों में आवश्यकतानुसार विकास कार्य कराए जाएंगे। विशेष रूप से प्रत्येक वार्ड में नाली निर्माण हेतु 10ङ्क10 लाख रुपये तक की मांग का प्रस्ताव तैयार करने और पार्षदों को मांग पत्र प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए, ताकि वार्ड स्तर की समस्याओं का शीघ्र समाधान हो सके। शहर के प्रमुख तालाबों के सौंदर्यीकरण का भी निर्णय लिया गया। तालाबों के आसपास आवश्यकतानुसार गार्डन विकसित किए जाएंगे, जिससे नागरिकों को स्वच्छ एवं सुंदर सार्वजनिक स्थल उपलब्ध हो सकें। साथ ही मुक्तिधामों के जीर्णोद्धार का कार्य भी प्राथमिकता के आधार पर किया जाएगा।पेयजल की सुचारू व्यवस्था के लिए पाइप लाइन विस्तार,नई पाइप लाइन बिछाने एवं अन्य आवश्यक मूलभूत कार्यों के संबंध में मंत्री ने पार्षदों एवं अधिकारियों से सुझाव मांगे। उन्होंने स्पष्ट कहा कि वार्डों की वास्तविक जरूरतों के अनुरूप प्रस्ताव तैयार कर समयबद्ध क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जाए।मंत्री गजेंद्र यादव ने कहा की वर्तमान दुर्ग शहर में विकास तीव्र गति से हो रहा है जिसमें शहर के कई व्यस्तम सड़को चौड़ीकरण खेल मैदान,सर्व सुविधा युक्त मांगलिक भवन,महाराजा चौक से पुल गांव तक फोर लेन सड़क जैसे कई उल्लेखनीय कार्य होने लेंगे है जो आने वाले दिनों में शहर के विकास के लिए मिल का पत्थर साबित होगा। इस अवसर पर महापौर श्रीमती अल्का बाघमार ने राज्य शासन द्वारा अधिसंरचना मद से 16 करोड़ के स्वीकृति मिलने पर मंत्री गजेंद्र यादव जी को प्रस्तावित विकास कार्यों कि जानकारी देते हुए बताया कि शहर में आवश्यकता अनुसार मूलभूत कार्यों को सूचीबद्ध किए है और अब मंत्री गजेंद्र यादव जी के पहल से अतिरिक्त रूप से मिलने वाले 6 करोड़ की राशि मिलाकर अधोसंरचना मद से 22 करोड़ से भी अधिक की राशि हो जाएगी इससे शहर में बेहतर ढंग से विकास हो सकता है इसके लिए मंत्री जी की धन्यवाद करती हु महापौर अलका बाघमार ने कहा कि दुर्ग शहर के विकास में किसी भी प्रकार की कोई कमी नहीं होने दी जाएगी इसके लिए मूलभूत आवश्यकताओं को प्राथमिकता में रखकर कार्य किया जा रहा है।बैठक में सभापति श्याम शर्मा, एमआईसी सदस्य देवनारायण चंद्राकर, नरेंद्र बंजारे, श्रीमती लीना दिनेश देवांगन, ज्ञानेश्वर ताम्रकार, काशीराम कोसरे, नीलेश अग्रवाल,शशि साहू, चंद्रशेखर चंद्राकर, मनीष साहू, लीलाधर पाल सहित में पार्षदगण डॉ. देवनारायण तांडी गोविंद देवांगन, विजयंत पटेल,जितेंद्र ताम्रकार, खालिक रिजवी,आशीष चंद्राकर,अजीत वैद्य,श्रीमती ललिता ठाकुर,खिलावन मटियारा,सुरुचि उमरे,सावित्री दमाहे,रंजीता पाटील, मनोज सोनी,पायल पाटिल,श्रीमती मनीषा सोनी,श्रीमती ममता ओमप्रकाश सेन,जीतू महोबिया, कमल देवांगन, कुलेश्वर साहू, प्रतिभा गुप्ता, रामचंद्र सेन, गुलाब वर्मा, सरिता चंद्राकर, दीपक साहू, मनीष कोठारी, संजय अग्रवाल, भास्कर कुंडले, लोकेश्वरी ठाकुर, गंडास बंजारे, साजन जोसेफ,गुलशन साहू, श्रीमती सविता साहू, श्रीमती हिरौंदी चंदानिया, सरस निर्मलकर, श्रीमती रेशमा सोनकर,श्रीमती नीरा खिचरिया कार्यपालन अभियंता प्रकाशचंद थवानी,विनीता वर्मा सहित अधिकारीगण उपस्थित थे

कलेक्टर के निर्देश पर तत्काल कार्रवाई, जे.आर.डी. स्कूल के पास सड़क घेरने पर निगम ने किया टेंट जब्त

दुर्ग। नगर पालिक निगम दुर्ग अंतर्गत जे.आर.डी. स्कूल के समीप सड़क पर कम्पनी मारुति सुजुकी द्वारा अवैध रूप से टेंट लगाकर आवागमन बाधित किए जाने का मामला सामने आया। गुरूवार सुबह कार्यालय जाते समय कलेक्टर अभिजीत सिंह की नजर इस अतिक्रमण पर पड़ी, जिस पर उन्होंने तत्काल नगर निगम आयुक्त को आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए।कलेक्टर के निर्देश के परिपालन में आयुक्त सुमित अग्रवाल के मार्गदर्शन में निगम की अतिक्रमण टीम मौके पर पहुँची और त्वरित कार्रवाई करते हुए सड़क किनारे लगाए गए टेंट, ढांचा एवं अन्य सामग्री को जब्त कर लिया। कार्रवाई के दौरान मार्ग को पूर्णतः अवरोध मुक्त कराया गया, जिससे आम नागरिकों को सुगम आवागमन की सुविधा पुनः उपलब्ध हो सकी। नगर निगम प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि शहर में किसी भी प्रकार का अवैध अतिक्रमण बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। सार्वजनिक सड़कों और मार्गों पर बाधा उत्पन्न करने वालों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई निरंतर जारी रहेगी। निगम ने नागरिकों एवं व्यापारिक प्रतिष्ठानों से अपील की है कि वे नियमों का पालन करें तथा यातायात व्यवस्था में बाधा न उत्पन्न करें।

वर्षों पुराना इंतजार खत्मः वार्ड 32 में 20 लाख की लागत से बनेगी सीसी रोड, विधायक रिकेश सेन का जताया आभार

भिलाई। भिलाई नगर निगम क्षेत्र के वार्ड क्रमांक 32 के निवासियों की वर्षों पुरानी मांग आखिरकार पूरी हो गई है। वार्ड में बहुप्रतीक्षित सीसी रोड निर्माण कार्य का भव्य भूमिपूजन समारोह संपन्न हुआ। करीब 20 लाख रुपये की लागत से बनने वाली इस सड़क से क्षेत्र के आवागमन में बड़ा सुधार आएगा।

विधि-विधान से हुआ भूमिपूजन-वार्ड पार्षद लक्ष्मी दिवाकर और स्थानीय नागरिकों की उपस्थिति में विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर निर्माण कार्य की नींव रखी गई। इस अवसर पर क्षेत्रवासियों में भारी उत्साह देखा गया। स्थानीय लोगों का कहना है कि कच्ची सड़क के कारण उन्हें लंबे समय से यातायात में दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा था, लेकिन अब इस निर्माण से न केवल आवाजाही सुगम होगी, बल्कि क्षेत्र के विकास को भी नई गति मिलेगी।

विधायक के प्रयासों की सराहना-क्षेत्रवासियों ने वैशाली नगर विधायक रिकेश सेन के प्रति विशेष आभार व्यक्त किया। नागरिकों ने कहा कि विधायक के सक्रिय प्रयासों के चलते ही यह बजट स्वीकृत हुआ और निर्माण कार्य शुरू हो सका है। वार्ड की पार्षद लक्ष्मी दिवाकर ने भरोसा दिलाया कि सड़क निर्माण कार्य तय समय सीमा के भीतर गुणवत्ता के साथ पूरा किया जाएगा।

गणमान्य नागरिकों की रही मौजूदगी-भूमिपूजन कार्यक्रम में भाजपा जिला भिलाई के उपाध्यक्ष त्रिलोचन सिंह, प्रवक्ता विजय सिंह, पूर्व विधायक प्रतिनिधि रीना चौहान, मंडल अध्यक्ष तरुण सिंह, महामंत्री लतेल यादव, पार्षद प्रतिनिधि धर्मेन्द्र दिवाकर, और युवा मोर्चा कैंप मंडल अध्यक्ष नवीन सिंह सहित बड़ी संख्या में क्षेत्रवासी और भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

रिसाली महापौर ने वार्डवासियों से लिया फीडबैक, नाली पर हुए अतिक्रमण को हटाने दिए निर्देश

रिसाली। महापौर शशि सिन्हा विकास कार्य और व्यवस्थाओं का फीडबैक लेने वार्डो तक पहुंच रही है। वे अल सुबह वार्ड 15 मौहारी मरोदा पहुंची। रिसाली महापौर नागरिकों से बातचीत करते नाली पर हुए अतिक्रमण को हटाने निर्देश दिए। मौहारी मरोदा क्षेत्र का भ्रमण करते महापौर और एमआईसी सद्स्यों ने साफ सफाई समेत व्यवस्थाओं पर नागरिकों से चर्चा की। उनका कहना था कि फीडबैक के आधार पर ही वे कार्य योजना तैयार कर विकास को गति देंगे। नागरिकों से मिले सुझाव को वे प्राथमिकता भी देंगे। इस दौरान उनकी नजर प्रजापति किराना स्टोर्स के पास नाली पर हुए अतिक्रमण पर टीकी। उन्होंने निगम के अधिकारियों को निर्देश दिए कि अतिक्रमण को तत्काल हटाया जाए। निरीक्षण के दौरान महापौर परिषद के सद्स्य अनिल देशमुख, संजू नेताम समेत प्रभारी स्वास्थ्य अधिकारी अमित चंद्राकर, राजस्व विभाग के प्रभारी अधिकारी योगेश सुरे, जलकार्य विभाग के गोपाल सिन्हा आदि मौजूद थे।

सफाई व्यवस्था पर दे ध्यान

निरीक्षण के दौरान महापौर शशि सिन्हा सफाई व्यवस्था को भी देखी। उन्होंने प्रभारी स्वास्थ्य अधिकारी को निर्देश दिए कि जाम नाली की सफाई सबसे पहले काराएं। इस बात का विशेष ध्यान रखा जाए कि कहीं गंदा पानी का जमावड़ा तो नहीं हो रहा है।

नागरिकों ने की मांग

इस दौरान नागरिकों ने कुछ खंभों में लाइट नहीं जलने की शिकायत की। नागरिकों का कहना था कि गली में अंधेरा रहता है। महापौर ने नागरिकों को खंभे पर लाइट लगवाए जाने का आश्वासन दिया। इस दौरान उन्होंने रास्ते के बीच लगे बिजली खंभा को हटाकर अन्य स्थान पर शिफ्ट कराने के निर्देश भी दिए।

भाजपा का महाप्रशिक्षण अभियान की कार्यशाला 21 को

दुर्ग । भारतीय जनता पार्टी की पंडित दीनदयाल उपाध्याय महा प्रशिक्षण अभियान की कार्यशाला राष्ट्रीय प्रदेश स्तर पर संपन्न होने के पश्चात जिला स्तरीय कार्यशाला का आयोजन जिला भाजपा अध्यक्ष सुरेंद्र कौशिक के नेतृत्व में भाजपा कार्यालय में 21 फरवरी दिन शनिवार को सुबह 10:00 बजे से आयोजित की गई है आयोजित कार्यशाला के बारे में जिला भाजपा अध्यक्ष सुरेंद्र कौशिक ने विस्तृत जानकारी देते हुए कहा कि आयोजित कार्यशाला में जिला स्तर पर 5 सदस्य टीम का गठन किया गया इसी तरह मंडलों पर भी गठन किया गया है जो कार्यशाला के संपादन के दृष्टिकोण से प्रशिक्षण कार्यक्रम की संरचना का निर्माण करेंगे जिला भाजपा कार्यालय में आयोजित कार्यशाला में मुख्य वक्ता कैबिनेट मंत्री गजेंद्र यादव रहेंगे उनके साथ भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष एवं दुर्ग जिला संगठन प्रभारी नंदन जैन, भाजपा प्रदेश प्रवक्ता शताब्दी पांडेय, सहित वरिष्ठ नेता गण उपस्थित रहेंगे। श्री कौशिक ने आगे कहा कि आयोजित बैठक में प्रदेश नेतृत्व के द्वारा निर्धारित अपेक्षित श्रेणी के आधार पर पदाधिकारी अपनी उपस्थिति प्रदान करेंगे पंजीयन समय 10:00 बजे से प्रारंभ कर दी जावेगी।

जेजे एवं पास्कों एक्ट पर बाल कल्याण पुलिस अधिकारियों की रेंज स्तरीय कार्यशाला आयोजित

दुर्ग । दुर्ग जिला पुलिस द्वारा हढ्ढष्टश्वस्न के सहयोग से 19.02.2026 को प्रातः 10:30 बजे से सीए बिल्डिंग, सिविक सेंटर भिलाई में बाल कल्याण पुलिस अधिकारियों हेतु रेंज स्तरीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य पुलिस अधिकारियों एवं विवेचकों को लैंगिक अपराधों से बालकों का संरक्षण अधिनियम तथा किशोर न्याय (बालकों की देखरेख एवं संरक्षण) अधिनियम, 2015 के विभिन्न प्रावधानों के संबंध में व्यवहारिक एवं विधिसम्मत प्रशिक्षण प्रदान करना रहा।कार्यक्रम में बाल संरक्षण से जुड़े प्रकरणों में प्राथमिकी पंजीयन, बाल पीड़ितों के बयान की प्रक्रिया, चाइल्ड फ्रेंडली पुलिसिंग के सिद्धांत, किशोर विधि विरुद्ध बालकों के अधिकार, जे.जे. एक्ट के प्रपत्रों का उपयोग, किशोर न्याय बोर्ड एवं बाल कल्याण समिति के समक्ष प्रस्तुतिकरण, चिकित्सीय परीक्षण, परामर्श एवं पुनर्वास प्रक्रिया संबंधी प्रावधानों पर विस्तृत मार्गदर्शन दिया गया। केस स्टडी के माध्यम से विवेचना में आने वाली व्यवहारिक चुनौतियों एवं उनके समाधान पर भी चर्चा की गई।कार्यक्रम में जिला कलेक्टर एवं पुलिस अधीक्षक की गरिमामयी उपस्थिति रही। जिला कलेक्टर ने अपने संबोधन में कहा कि बच्चे देश के भविष्य हैं तथा उन्हें सुरक्षित वातावरण प्रदान करना और आवश्यकता होने पर समाज की मुख्यधारा में पुनर्स्थापित करना प्रशासन एवं समाज की सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि जिले की समस्त इकाइयों का संयुक्त प्रशिक्षण होने से आपसी समन्वय एवं सहभागिता में वृद्धि होगी, जिससे किशोर न्याय से संबंधित मामलों की विवेचना एवं न्याय प्रक्रिया और अधिक प्रभावी एवं सुदृढ़ होगी।पुलिस अधीक्षक ने अपने उद्बोधन में कहा कि बाल संरक्षण से जुड़े प्रत्येक प्रकरण में पुलिस अधिकारियों को संवेदनशीलता, गोपनीयता एवं विधिक प्रावधानों का अक्षरशः पालन सुनिश्चित करना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि गुणवत्तापूर्ण विवेचना, समयबद्ध कार्रवाई एवं विभिन्न विभागों के साथ समन्वय ही पीड़ित बालकों को त्वरित न्याय दिलाने का आधार है।

श्रम विभाग की कल्याणकारी योजनाओं का अधिक से अधिक लाभ लेने श्रमिक भाई -बहन बनें जागरूक: राजस्व मंत्री वर्मा

1242 श्रमिकों को विभिन्न योजनाओं में तहत एक करोड़ से अधिक धनराशि वितरित

बलौदाबाजार । राज्य शासन द्वारा श्रमिकों के कल्याण के लिए संचालित योजनाओं के विषय में जागरूक करने के उद्देश से जिला मुख्यालय बलौदाबाजार स्थित जिला ऑडिटोरियम में गुरुवार को श्रमिक जन संवाद सम्मेलन का आयोजन किया गया।कार्यकम में श्रम विभाग की विभिन्न योजनाओं के तहत हितग्राहियों को 1 करोड़ 4 लाख से अधिक की राशि डीबीटी के माध्यम से श्रमिक एवं उनके परिवार के खाते में आतंरित की गई। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि राजस्व मंत्री टंक राम वर्मा ने कहा कि राज्य शासन द्वारा श्रमिकों और उनके परिवार को खुशहाल बनाने के लिए 31 से अधिक कार्यक्रम और योजनाएँ संचालित हैं,जिनकी जानकारी सभी श्रमिक भाइयों और बहनों को होना ज़रूरी है तभी वे इन योजनाओं का लाभ ले सकेंगे। श्रमिक जन संवाद सम्मेलन का यही उद्देश्य है। उन्होंने कार्यक्रम की सराहना करते हुए कहा कि ज़्यादा से ज़्यादा श्रमिक भाई बहनों तक योजनाओं का लाभ पहुँचाने ऐसे कार्यकम सार्थक भूमिका निभाते हैं। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे श्रम कल्याण मंडलके अध्यक्ष श्री योगेश दत्त मिश्रा ने अपने संबोधन में कहा कि केंद्र सरकार द्वारा श्रमिकों के हितों के लिए क्रांतिकारी कदम उठाते हुए चार नए लेबर कोड लागू करने का निर्णय लिया गया है जो निश्चित रूप से श्रमिकों और उनके परिवारों को आर्थिक और सामाजिक रूप से सबल करने की दिशा में बड़ा कदम है।उन्होंने कहा देश की आबादी का 45 प्रतिशत असंगठित क्षेत्र के मजदूर हैं जिनके आर्थिक और सामाजिक विकास के बिना देश का विकास संभव नहीं है इसी लिहाज से यह ऐतिहासिक निर्णय लिया गया है।उन्होंने देश में लागू चार नए लेबर कोड (श्रम संहिताओं)मजदूरी संहिता, 2019, सामाजिक सुरक्षा संहिता 2020, व्यावसायिक सुरक्षा, स्वास्थ्य और कार्य स्थितियों या ओएसएच संहिता 2020 और औद्योगिक संबंध संहिता 2020 के लाभ के बारे में विस्तार से बताया। नए श्रम कानूनों के मुताबिक देश भर में राष्ट्रीय न्यूनतम वेतन तय किया जाएगा।एक बार घोषित होने के बाद राज्य इससे कम वेतन तय नहीं कर सकते।मजदूरों और उनके परिवारों की सुरक्षा और इलाज की व्यवस्था ,भविष्य निधि ,आदि के बारे में बताया। उन्होंने कार्यक्रम में आए जन प्रतिनिधियों और श्रमिकों से अपील करते हुए कहा कि आप सभी अपना नैतिक दायित्व समझते हुए ज़्यादा से ज़्यादा श्रमिकों को विभागीय योजनाओं का लाभ लेने हेतु प्रेरित और जागरूक करें तभी हम विकसित छत्तीसगढ़ और विकसित भारत की संकल्पना को साकार कर सकेंगे। नगर पालिका अध्यक्ष श्री अशोक जैन ने कहा विकास और निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका अदा करने वाले श्रमिकों के कल्याण के लिए राज्य शासन लगातार प्रयासरत है । कार्यक्रम में विभिन योजनाओं में हितग्राहियों से बातचीत कर उनका अनुभव भी जाना कंचन वर्मा ने बताया कि उन्हें नोनी सुरक्षा का लाभ मिला है,जिसके कारण वो अपने कॉलेज की पढ़ाई कर पा रही हैं। सियान सहायता योजना के हितग्राही भगवान दत्त ने बताया कि 60 वर्ष की आयु पूरी करने पर उन्हें 20 हज़ार रुपये मिले जिससे उनको काफ़ी मदद मिली।इसी तरह दीप्ति विश्वकर्मा ने बताया उन्हें नौनिहाल छात्रवृत्ति योजना का लाभ मिला है।

मुख्य न्यायाधीश की पूज्य माताजी की स्मृति में शांति हवन और शोक सभा संपन्न; मुख्यमंत्री सहित कई गणमान्य रहे मौजूद

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय के माननीय मुख्य न्यायाधीश श्री रमेश सिन्हा की पूज्य माताजी स्वर्गीया श्रीमती कुसुम सिन्हा (10 जुलाई 1942 - 15 फरवरी 2026) की पुण्य स्मृति में उनकी आत्मा की शांति हेतु बुधवार को विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। उच्च न्यायालय आवासीय परिसर बोदरी स्थित मुख्य न्यायाधीश के शासकीय आवास पर आयोजित इस कार्यक्रम में प्रदेश की कई नामचीन हस्तियों ने श्रद्धासुमन अर्पित किए।

वैदिक मंत्रोच्चार और भजन संध्या- सायं 5:00 बजे से शुरू हुए कार्यक्रम में सर्वप्रथम वैदिक मंत्रोच्चार के साथ शांति हवन संपन्न हुआ। इसके पश्चात आयोजित भजन संध्या ने वातावरण को भक्तिमय कर दिया। तत्पश्चात एक शोक सभा का आयोजन किया गया, जिसमें उपस्थित जनसमूह ने दो मिनट का मौन धारण कर दिवंगत आत्मा की चिर शांति हेतु प्रार्थना की।

सादगी और संस्कारों की प्रतिमूर्ति थीं श्रीमती कुसुम सिन्हा- शोक सभा के दौरान स्वर्गीया श्रीमती कुसुम सिन्हा के व्यक्तित्व पर प्रकाश डालते हुए वक्ताओं ने कहा कि वे सादगी, उच्च संस्कारों और पारिवारिक मूल्यों की प्रतिमूर्ति थीं। उनके स्नेह और मार्गदर्शन ने सदैव कर्तव्यनिष्ठा और सेवा भाव की प्रेरणा दी। उनके द्वारा दिए गए संस्कार और स्मृतियाँ परिवार एवं समाज के लिए सदैव शक्ति का स्रोत बनी रहेंगी।

प्रमुख अतिथियों की उपस्थिति- इस अवसर पर शोक व्यक्त करने के लिए प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय, केंद्रीय राज्य मंत्री श्री तोखन साहू, विधि मंत्री श्री गजेंद्र यादव, और पूर्व राज्यपाल श्री रमेश बैस विशेष रूप से उपस्थित रहे।

कार्यक्रम में उच्च न्यायालय के समस्त माननीय न्यायाधीशगण, विधायक श्री सुशांत शुक्ला, महाधिवक्ता, पुलिस महानिदेशक, रजिस्ट्रार जनरल, उच्च न्यायालय अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष व सचिव, वरिष्ठ अधिवक्ता, न्यायिक अकादमी व विधिक सेवा प्राधिकरण के अधिकारीगण सहित जिला न्यायपालिका के सदस्य और बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक मौजूद रहे।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक संजय तिवारी द्वारा असमा पब्लिशर्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, ग्रास मेमोरियल सेंटर के बाजू, जयस्तंभ चौक, रायपुर (छ.ग.)-492001 से मुद्रित करवाकर व गदा चौक, फरीद नगर रोड स्वर्गीय तुलाराम मेमोरियल स्कूल के पास सुपेला भिलाई, जिला- दुर्ग (छ.ग.) पिन कोड-490023 से प्रकाशित। संपादक : संजय तिवारी, मो. 9200000214 (समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार), समस्त विवादों का निपटारा न्यायलीन क्षेत्र दुर्ग होगा। Email : loktantraprahrinews@gmail.com